2 नवंबर 2025
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण



डुमरांव की तकदीर बदलेंगे राहुल सिंह : मनोज तिवारी 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

आपकी आवाज

श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़, अबतक 10 श्रद्धालुओं की मौत

- पुलिस ने मंदिर के मालिक के खिलाफ दर्ज किया है गैर-इरादतन हत्या का केस



एजेंसी। श्रीकाकुलम

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा में शनिवार को श्रीवेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुए हादसे ने पूरे राज्य को हिला दिया। एकादशी के दिन भारी भीड़ के बीच लोहे की ग्रिल टूटने से मची अफरा-तफरी में कम से कम 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि दो की हालत गंभीर है. मृतकों में महिलाएं और एक 13 साल का बच्चा भी शामिल है। पुलिस ने मंदिर के मालिक के खिलाफ बनसचंइसमीवउपबपकम यानी गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। श्रीकाकुलम के एसपी के.वी. महेश्वर रेड्डी ने बताया कि यह पारंपरिक भगदड़ नहीं थी। भीड़ में अचानक रेलिंग टूटने से लोग घबरा गए और भागने लगे। इस दौरान कई लोग दीवार से गिर गए और कुचलकर मर गए। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि यह हादसा पूरी तरह आयोजकों की लापरवाही का नतीजा है। नायडू ने कहा कि यह बेहद दर्दनाक है कि निर्दोष लोगों की जान चली गई। यह मंदिर एक निजी व्यक्ति ने बनवाया था और कार्तिक एकादशी के मौके पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। लेकिन आयोजकों ने न तो पुलिस को बताया और न ही प्रशासन को सूचना दी। अगर उन्होंने बताया होता तो पुलिस बल तैनात कर भीड़ को नियंत्रित किया जा सकता था। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक्स पर लिखा कि हादसे से वे बेहद व्यथित हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी घायलों का बेहतर इलाज कराया जाए और राहत कार्य की निगरानी स्थानीय नेताओं के साथ मिलकर की जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दुख जताया और प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा की.। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि वे इस हादसे से स्तब्ध हैं और पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हैं. गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा है कि काशीबुग्गा मंदिर में हुई त्रासदी से बेहद दुखी हूं. मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं.। अब तक 10 मृतकों की पहचान हो चुकी है. इनमें एदुरी चिन्नम्मी, रपका विजया, मुरिपिंटी नीलम्मा, दुब्बू राजेश्वरी, चिन्नी यशोदम्मा, रूपा गुड्डिभारा, लोटला निखिल (13), डोक्करा अम्मुलम्मा और बोरा ब्रुंदा शामिल हैं। श्रीकाकुलम जिला कलेक्टर ने बताया कि मंदिर परिसर में भगदड़ के समय सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे आंध्र प्रदेश मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह घटना एकादशी के मौके पर मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के एकत्र होने के कारण हुई। पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर हैं और स्थिति को नियंत्रण में लाने के प्रयास जारी हैं।

बारिश से किसानों को होगा नुकसान तो सरकार देगी मुआवजा : सम्राट

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण में प्रचार तेज हो गया है। सारण जिले के बनियापुर विधानसभा सीट से एनडीए प्रत्याशी और भाजपा विधायक केदारनाथ सिंह के पक्ष में चुनाव प्रचार करते हुए उपमुख्यमंत्री सम्राट चैधरी ने शनिवार को पैगंबरपुर में एक जनसभा को संबोधित किया। सम्राट चैधरी ने कहा कि इन दिनों रुक-रुक कर हो रही बारिश समुद्र से उठकर आपके गांव तक पहुंची है, जिससे किसानों की फसलों को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि मैं आप सभी किसानों को आश्वस्त करता हूं कि जिन किसानों की फसल बर्बाद हुई है, उन्हें बिहार सरकार मुआवजा देगी। हमने राज्य के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि बारिश से प्रभावित जिलों की रिपोर्ट जल्द भेजें, ताकि किसानों को राहत दी जा सके। उन्होंने कहा कि भले ही इस समय चुनाव आचार संहिता लागू है, लेकिन गरीब किसानों के लिए आपदा चुनाव से बड़ी होती है। सरकार हर स्थिति में किसानों के साथ खड़ी है। सभा के दौरान सम्राट चैधरी ने पूर्ववर्ती राजद सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, ह्लालू जी के शासन में बिहार की सड़कों की हालत ऐसी थी कि उन्होंने हेमा मालिनी जैसी सड़के नहीं, बल्कि ओम पुरी के गाल जैसी सड़के बना दी थीं। पहले पटना से मुजफ्फरपुर जाने में चार घंटे लगते थे, अब सिर्फ सवा घंटे में सफर पूरा होता है। पटना से गोपालगंज और गया भी अब डेढ़ घंटे में पहुंचा जा सकता है। यह बदला हुआ बिहार है, जो मोदी जी और नीतीश जी की जोड़ी ने बनाया है।

संविधान को लेकर पीएम ने राहुल गांधी को घेरा

माओवादी आतंक से प्रभावित 125 जिले से घटकर तीन हुये : पीएम



एजेंसी। रायपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पिछले 11 सालों में देश में माओवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 125 से घटकर तीन रह गई है और उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह दिन दूर नहीं जब छत्तीसगढ़ और भारत का हर कोना इस खतरे से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य के गठन की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर ह्यछत्तीसगढ़ रजत महोत्सवह्न को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा की सराहना की और कहा कि 25 साल पहले जो बीज बोया गया था, वह अब विकास के ह्यवट वृक्षह्न में बदल गया है। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि आज हमारा छत्तीसगढ़ नक्सलवाद माओवादी आतंक की बेड़ियों से मुक्त हो रहा है। नक्सलवाद की वजह से 50-55 साल तक आपने जो झेला वह पीड़ादायक है। पीएम मोदी ने बिना नाम लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी हमला बोला और कहा कि आज जो लोग संविधान की किताब का दिखावा करते हैं, जो लोग सामाजिक न्याय के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाते हैं उन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए आपके साथ दशकों तक अन्याय किया है। राहुल गांधी

छत्तीसगढ़ का होगा विकास

प्रधानमंत्री ने कहा कि माओवादी आतंक के कारण लंबे समय तक छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाके सड़कों से वंचित रहे, बच्चों को स्कूल नहीं मिले, बीमारों को अस्पताल नहीं मिले और जो वहां थे बम से उसे उड़ा दिया जाता था। डॉक्टर को, शिक्षकों को मार दिया जाता था तथा दशकों तक देश पर शासन करने वाले लोग जनता को अपने हाल पर छोड़कर एयर कंडीशन कमरों में बैठकर अपने जीवन का आनंद लेते रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी अपने आदिवासी भाई-बहनों को हिंसा के इस खेल में बर्बाद होने के लिए नहीं छोड़ सकता था। मैं लाखों माता बहनों को अपने बच्चों के लिए रोते हुए नहीं छोड़ सकता था। 2014 में आपने हमें अवसर दिया। हमने भारत को माओवादी आतंक से मुक्ति दिलाने का संकल्प लिया और आज इसके नतीजे देश देख रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि 11 साल पहले देश के 125 जिले माओवादी आतंक की चपेट में थे. अब 125 जिलों में से सिर्फ तीन जिले बचे हैं। मैं देशवासियों को गारंटी देता हूं वह दिन दूर नहीं जब हमारा छत्तीसगढ़, हमारा हिंदुस्तान, हिंदुस्तान का हर कोना माओवादी आतंक से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के जो साथी हिंसा के रास्ते पर निकल पड़े थे वह तेजी से हथियार डाल रहे हैं। कुछ दिन पहले कांकेर में 20 से अधिक नक्सली मुख्यधारा में लौट आए। इससे पहले 17 अक्टूबर को बस्तर में 200 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। बीते कुछ महीनों में ही देश भर में माओवादी आतंक से जुड़े दर्जनों लोगों ने हथियार डाल दिए। इनमें से बहुतों पर लाखों रुपए का इनाम हुआ करता था। अब इन्होंने बंदूक छोड़कर, देश के संविधान को स्वीकार कर लिया है।



बिहार, बंगाल, राजस्थान, यूपी में अगले 24 घंटे भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

उत्तर-भारत में मौसम एक बार फिर बदलने वाला है। अगले 24 घंटे भारी हैं। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में अगले दो दिनों में बादल छाए रहेंगे और कई जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक भी देखने को मिल सकती है। यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ के कारण हो रहा है, जिससे तापमान गिरेगा और ठंड बढ़ेगी। चक्रवात मोंथा के कमजोर पड़ने के बाद भी इसका असर दक्षिण और पूर्वी भारत में बना हुआ है, लेकिन अब पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर भारत में मौसम बदल रहा है। दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और गाजियाबाद जैसे शहरों में अगले 48 घंटों तक आंशिक बादल छाए रहेंगे। उत्तर प्रदेश के वाराणसी, प्रयागराज, मऊ और आसपास के जिलों के लिए आज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वाराणसी, प्रयागराज, मऊ और उनके आसपास के इलाकों में आज बारिश हो सकती है। बिहार में भी मौसम विभाग ने बारिश की संभावना जताई है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि बंगाल की खाड़ी से नमी वाली हवाएं आ रही हैं, जिनसे तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। सिर्फ उत्तर भारत ही नहीं, पश्चिमी तट पर भी बारिश की उम्मीद है। गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ में आज से लेकर अगले दो दिनों तक बारिश होने की संभावना है।आईएमडी के अनुसार, पूर्व-मध्य अरब सागर में एक दबाव

बिहारी कहलाना अपमान नहीं : सीएम

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यवासियों के नाम एक भावनात्मक वीडियो संदेश जारी किया है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से जनता ने उन्हें लगातार बिहार की सेवा करने का अवसर दिया है और इस दौरान राज्य में विकास और सामाजिक सौहार्द को प्राथमिकता दी गई। नीतीश कुमार ने कहा कि जब हमने शासन संभाला था, तब ह्यबिहारीह्न कहलाना एक अपमान माना जाता था। हमने ईमानदारी और पूरी मेहनत से काम किया। आज ह्यबिहारीह्न कहलाना गर्व की बात है। उन्होंने दावा किया कि बिहार ने शिक्षा, सड़क, बिजली और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने हर वर्ग के लिए समान रूप से काम किया है चाहे हिंदू हों या मुस्लिम, सवर्ण, पिछड़े, अति-पिछड़े, दलित या महादलित। मैंने अपने परिवार के लिए कुछ नहीं किया, केवल जनता की सेवा की है, नीतीश ने कहा। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को बिहार के विकास की कुंजी बताते हुए कहा कि केन्द्र और राज्य दोनों जगह एनडीए की सरकार होने से विकास की रफ्तार तेज हुई है।

सरकार ने औषधि नियम, 1945 में संशोधन करते हुए नए नियमों की जारी की अधिसूचना

दवाओं कंपनियां देती है फर्जी दस्तावेज, तो होगा लाइसेंस रद्द

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत में नकली और घटिया दवाओं के खिलाफ केंद्र सरकार ने अब सीधे कंपनी का लाइसेंस निरस्त करने का फैसला लिया है। सरकार ने औषधि नियम, 1945 में संशोधन करते हुए नए नियमों की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके तहत यदि कोई भी फार्मा कंपनी दवा निर्माण, बिक्री या पंजीकरण के लिए फर्जी दस्तावेजों या गलत जानकारी का सहारा लेती है, तो उसका लाइसेंस रद्द या निरस्त किया जा सकेगा। मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है कि दोषी पाए जाने पर लाइसेंस प्राधिकारी आवेदक को कारण बताओ नोटिस जारी करेगा, और जवाब असंतोषजनक पाए जाने पर उसे दवा निर्माण या बिक्री से अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किया जा सकता है। यह प्रतिबंध अवधि प्राधिकारी के विवेक और सिफारिश के अनुसार तय की जाएगी। नई दिल्ली स्थित केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने 16 अक्तूबर को संशोधित नियमों का मसौदा जारी कर आम सहमति मांगी थी।



इसलिए नियमों में बदलाव जरूरी

सीडीएससीओ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में कई मामलों में पाया गया कि कुछ कंपनियों ने दवा निर्माण या पंजीकरण के लिए गलत जानकारियां और फर्जी प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए। इससे न केवल दवा की गुणवत्ता पर असर पड़ा बल्कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा को भी खतरा हुआ। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश में कफ सिरप से हुई बच्चों की मौत के मामले में तमिलनाडु की श्री सन फार्मा कंपनी ने भी भ्रामक दस्तावेजों के जरिए राज्य सरकार से लाइसेंस का नवीनीकरण कराया था। ऐसे मामलों को देखते हुए अब नियमों को और कठोर किया गया है।



बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल, बक्सर को मिली सीबीएसई प्लस टू की संबद्धता

- नए सत्र 2026-27 के प्रवेश की शुरूआत, पहले 100 विद्यार्थियों को मिलेगी छात्रवृत्ति का सुनहरा अवसर

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले के शिक्षा जगत के लिए यह गर्व का क्षण है कि बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल, बक्सर ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम की है। विद्यालय को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से कक्षा 10$2 (प्लस टू) तक की औपचारिक संबद्धता प्राप्त हो गई है। इस



उपलब्धि के साथ विद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रवेश की प्रक्रिया का शुभारंभ भी कर दिया है। विद्यालय के संस्थापक सह प्रदीप राय ने जानकारी दी कि यह सफलता विद्यालय के उच्च शैक्षणिक मानकों, समर्पित शिक्षकों के परिश्रम और अभिभावकों के निरंतर सहयोग का परिणाम है। विद्यालय ने देव दीपावली के पावन अवसर पर इस नई शुरूआत को ह्यज्ञान और प्रकाश के संगमह्न के रूप में मनाया।

विद्यालय की प्राचार्या ने बताया कि बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल सदैव से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित रहा है। यहां शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं, बल्कि मूल्य आधारित शिक्षण, सृजनात्मक सोच, आत्मविश्वास, नैतिकता और नेतृत्व क्षमता के विकास पर बल दिया जाता है। विद्यालय परिसर में अत्याधुनिक स्मार्ट क्लासरूम, प्रयोगशालाएं, खेल मैदान और समर्पित शिक्षक उपलब्ध हैं जो बच्चों को एक प्रेरणादायी और सुरक्षित वातावरण प्रदान करते हैं।

प्रवेश प्रक्रिया के तहत प्री-नर्सरी से लेकर कक्षा 9 तथा कक्षा 11 के लिए नामांकन प्रारंभ हो चुका है। इच्छुक अभिभावक विद्यालय परिसर में जाकर या विद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से प्रवेश फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। विद्यालय ने स्पष्ट किया है कि प्रवेश पूरी तरह पारदर्शी प्रक्रिया के तहत योग्यता के आधार पर होगा।

विद्यालय से जुड़ी वैष्णवी एजुकेशनल डेवलपमेंट ट्रस्ट ने इस अवसर पर विद्यार्थियों के प्रोत्साहन के लिए एक विशेष पहल की घोषणा की है। ट्रस्ट की ओर से पहले 100 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति (स्कॉलरशिप) प्रदान की जाएगी। यह छात्रवृत्ति ह्यस्कॉलरशिप टेस्टह्न के परिणामों के आधार पर दी जाएगी। इस योजना के तहत योग्य एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को ट्यूशन शुल्क में 100 प्रतिशत तक की छात्रवृत्ति और प्रवेश शुल्क पर विशेष रियायत मिलेगी।

विद्यालय प्रशासन का कहना है कि यह योजना उन विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगी जो प्रतिभाशाली हैं, पर आर्थिक कारणों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। बिरला ओपन माइंड्स का उद्देश्य है कि शिक्षा केवल एक विशेष वर्ग तक सीमित न रहे, बल्कि हर बच्चे को उत्कृष्ट शिक्षा का समान अवसर मिले।

विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ह्यबिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल सिर्फ एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सपनों को पंख देने का माध्यम है। यहां हर दीपक की तरह हर छात्र अपने ज्ञान की रोशनी से भविष्य को आलोकित करता है। देव दीपावली के अवसर पर इस नई शुरूआत ने बक्सर के अभिभावकों और विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल बना दिया है। शिक्षा के क्षेत्र में यह कदम न केवल बक्सर के लिए गौरव की बात है, बल्कि आने वाले वर्षों में जिले को शैक्षणिक उत्कृष्टता के नए आयामों तक पहुंचाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

बोले, नीतीश कुमार के हाथों को मजबूत करना जनता की जिम्मेदारी

डुमरांव की तकदीर बदलेंगे राहुल सिंह : मनोज तिवारी

- भोजपुरी सुपरस्टार व दिल्ली सांसद मनोज तिवारी ने डुमरांव में किया रोड शो, कहा पूरे बिहार में चल रही है एनडीए की लहर, राहुल सिंह हैं विजन वाले नेता जो विकास की नई इबारत लिखेंगे

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार विधानसभा चुनाव के माहौल में डुमरांव शनिवार को पूरी तरह से एनडीए रंग में रंगा दिखा। भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार और दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ह्यमृदुलह्न ने यहां एनडीए के जदयू प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह के समर्थन में जब रोड शो किया, तो बारिश की बूंदें भी भीड़ के जोश को कम नहीं कर सकीं।

ऐतिहासिक छठिया पोखरा से निकला यह रोड शो जनसैलाब में तब्दील हो गया। जगह-जगह लोगों ने फूल-मालाओं से मनोज तिवारी



और राहुल सिंह का स्वागत किया। इसके बाद आयोजित सभा में मनोज तिवारी ने अपने चिर-परिचित अंदाज में जनता को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में इस समय एनडीए की लहर चल रही है। जनता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों से खुश है और फिर से डबल इंजन की सरकार लाने का मन बना चुकी है।

उन्होंने कहा कि राहुल सिंह सिर्फ एक उम्मीदवार नहीं, बल्कि डुमरांव के विकास का ह्यब्लूप्रिंटह्न लेकर मैदान में उतरे हैं। वे पढ़े-लिखे, ऊजार्वान और विजन वाले नेता हैं, जो डुमरांव को मॉडल सिटी बनाना चाहते हैं। उनके पास युवाओं को रोजगार देने, औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने और शिक्षा-स्वास्थ्य को मजबूत करने की ठोस योजना है।

मनोज तिवारी ने जोश भरे लहजे में कहा कि यह मनोज तिवारी का वादा है, राहुल सिंह अगले पांच वर्षों में डुमरांव की सूरत ही नहीं, तकदीर भी बदल देंगे। लोगों को चाहिए कि वे राहुल सिंह को जिताकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों को मजबूत करें, क्योंकि मजबूत नेतृत्व ही बिहार को नई दिशा दे सकता है।

सभा के दौरान मनोज तिवारी बार-बार जनता से सीधे संवाद करते नजर आए। उन्होंने कहा कि राहुल सिंह जैसे युवा नेता ही बिहार को भविष्य की राह दिखा सकते हैं। डुमरांव के लोगों को यह ऐतिहासिक अवसर हाथ से जाने नहीं देना चाहिए।

रोड शो के दौरान माहौल किसी जश्न से कम नहीं था। महिलाएं बालकनी से फूल बरसा रही थीं, बच्चे ह्यमनोज तिवारी जिंदाबादह्न के नारे लगा रहे थे, और सड़कों पर ह्यनीतीश-राहुल-मनोजह्न के पोस्टर लहरा रहे थे।

सभा के बाद मनोज तिवारी चौगाईं की ओर रवाना हुए।

इस दौरान मंच पर जदयू प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह, दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह, बाराबंकी सांसद प्रियंका सिंह रावत, भाजपा प्रवक्ता शक्ति राय, दीपक यादव, विनोद पासवान, सोनू राय सहित एनडीए के सभी घटक दलों के नेता उपस्थित थे।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः– सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

चौगाईं में मनोज तिवारी ने किया सभा को संबोधित, बोले छूटे कार्यों को किया जाएगा पूरा

केटी न्यूज/चौगाई

एनडीए सरकार ने बिहार में विकास की गंगा बहाई है। जो काम छूट गए है, उसे अगले पांच वर्षों में पूरा किया जाएगा। शनिवार को चौगाईं में उक्त बाते भोजपुरी के सुपर स्टार तथा दिल्ली से भाजपा के सांसद मनोज कुमार तिवारी ने कही। इसके पहले डुमरांव में



रोड-शो तथा सभा को संबोधित करने के बाद वे नंदन, लाखनडिहरा, डुबकी, ठोरी पांडेयपुर, वैदा, आदि गांवों में रोड-शो किए। इस दौरान उन्होंने ठोरी पांडेयपुर गांव में निमार्णाधीन काली मंदिर में मत्था टेक आम जनता से एनडीए प्रत्याशी राहुल सिंह को जीताने की अपील की। भोजपुरी स्टार ने कहा कि इस बार भी बिहार में एनडीए की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी तथा डुमरांव समेत जिले के सभी चार विधानसभा सीटों पर एनडीए का परचम लहराएगा। इस दौरान मनोज तिवारी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग आए थे। वहीं, उनके कहने पर लोगों ने हाथ उठा एनडीए के पक्ष में मतदान की अपील की।

धारा प्रवाहित तार की चपेट में आने से युवक की मौत, गांव में मचा कोहराम

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के कुलमनपुर गांव में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें 22 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव निवासी कामेश्वर यादव के पुत्र विकास कुमार के रूप में की गई है।जानकारी के अनुसार, गांव के पास से गुजर रहे एलटी तार टूटकर नहर किनारे गिरा हुआ था। इसी दौरान विकास कुमार नहर किनारे किसी काम से गया था और अनजाने में वह गिरे हुए धारा प्रवाहित तार के संपर्क में आ गया। देखते ही देखते वह करंट की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने किसी तरह बिजली का कनेक्शन बंद कराया और युवक को स्थानीय कोरान



सराय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।इस दर्दनाक हादसे से गांव में मातम छा गया है। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि मृतक विकास कुमार की कुछ ही महीनों में शादी होने वाली थी, जिससे परिवार पूरी तरह टूट गया है।वासुदेवा थाना अध्यक्ष अनिल कुमार पासवान ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने कहा कि आगे की कार्रवाई की जा रही है। सूचना मिलते ही पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सह जिला पार्षद प्रतिनिधि अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान और रामपुर पंचायत मुखिया प्रतिनिधि वसंत पांडे पीड़ित परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।वही मृतक के पिता कामेश्वर यादव गैर प्रदेश में काम करते है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
विशाल और सुसज्जित हॉल
आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
बड़ा पार्किंग एरिया
24x7 बिजली और पानी की सुविधा
साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

डुमरांव की जनता का मिल रहा है अपार प्यार व समर्थन : राहुल सिंह

- भोजपुरी स्टार के आगमन से पूर्व डुमरांव के जदयू प्रत्याशी ने शोभा यात्रा के शगल में किय रोड शो
- बोले डुमरांव का विकास ही मेरी प्राथमिकता, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नीतीश के सपनों को करूगा साकार

केटी न्यूज/डुमरांव

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहचान विकास पुरूष के रूप में है। दोनों नेताओं ने अपने कार्यकाल में जितने विकासकार्य किए है, वह आजादी के बाद नहीं हो सका था।

यह कहना है कि डुमरांव के जदयू प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह का।

उन्होंने शनिवार को अपने विधान सभा क्षेत्र के चिलहरी, प्रतापसागर, पुराना भोजपुर तथा डुमरांव में रोड-शो कर जनता से



आशीर्वाद मांगा।

दरअसल, शनिवार को ही भोजपुरी के सुपर स्टार मनोज तिवारी, ह्यमृदुलह्न का रोड-शो प्रस्तावित था, लेकिन मौसम खराब होने के कारण उनके कार्यक्रम में विलंब हुआ।

हालांकि, जदयू प्रत्याशी राहुल सिंह ने इस मौके को जाया नहीं होने दिया तथा उनके आने के पूर्व अपने समर्थकों के साथ रोड-शो कर सुर्खिया बटोरी।

इस दौरान उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 में मुख्यमंत्री बनने के बाद से नीतीश कुमार ने बिहार को विकास के पथ पर अग्रसर किया है। उन्होंने कहा कि यह नीतीश कुमार की ही देन है कि बिहारी अब गाली के बदले गर्व का शब्द बन गया है।

राहुल सिंह ने लोगों से अपने पक्ष में मतदान की अपील करते हुए कहा कि जो काम अभी छूट गया है, उसे अगले पांच वर्षों में पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार का अगला पांच वर्ष शिक्षा, स्वास्थ्य तथा उद्योग धंधों के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलावा वाला साबित होगा। उन्होंने डुमरांव की जनता को इस विकास का साझीदार बनने की बात कहते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों को साकार करने के लिए एनडीए के पक्ष में मतदान की अपील की।

इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता कतवारू सिंह, भाजपा नेत्री पिंकी पाठक, विनोद पासवान, शक्ति राय, रोहित सिंह, मुखिया सिंह कुशवाहा समेत एनडीए के हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए।



चक्रवाती तूफान 'मोंथा' ने किसानों की तोड़ी कमर

- पुरुष वर्चस्व के साए में दबी रही आधी आबादी की आवाज, राजनीति को मिल सकता था नया चेहरा
- 2020 में अंजुम आरा को मिला था मौका, 2025 में सभी दलों ने महिलाओं को किया दरकिनार



केटी न्यूज/नावानगर

चक्रवाती तूफान मोंथा के कारण हुई भारी वर्षा और तेज हवाओं ने क्षेत्र के किसानों की कमर तोड़ दी है। गुरुवार की अहले सुबह से लगातार हो रही बारिश के कारण खेतों में लगी धान की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। किसानों के अनुसार, लगभग 80 फीसदी खेतों में लगी धान की फसल पूरी तरह जमींदोज हो गई है, जिससे अब उनकी मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है। किसानों का कहना है कि इस समय धान की फसल में बालियां निकल आई थीं और फसल लगभग पक चुकी थी। ऐसे में हवा चलने के साथ लगातार बारिश से खेतों में पानी का बहाव हो रहा है। ऐसे में धान की फसल जमीन पर गिरा दिया है। खेतों में पानी भर जाने से फसल बचाव की संभावना भी नगण्य हो गई है। किसानों का कहना है कि अगर अगले कुछ दिनों तक मौसम में सुधार नहीं हुआ, तो बची-खुची फसल भी सड़ जाएगी। सोनवर्षा के किसान नेता मंटू पटेल, कलामुद्दीन, अरुण कुमार पाण्डेय, योगेन्द्र पाण्डेय, शशी भूषण पाण्डेय, मोतीलाल यादव समेत अन्य ने बताया कि धान की खेती में इस बार अच्छा उत्पादन होने की उम्मीद थी, लेकिन तूफान ने सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। उन्होंने बताया कि अभी की स्थिति में न तो हरा धान की कटाई संभव है, न ही सुखाने की गुंजाइश बची है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने भी माना है कि मोंथा तूफान का असर प्रखंड समेत जिलाभर में देखा जा रहा है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, क्षेत्र में हजारों एकड़ में लगी फसल को भारी नुकसान हुआ है। किसानों ने मांग की है कि चुनाव बाद जिसकी भी सरकार हो प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की भरपाई के लिए तात्कालिक सर्वे कर मुआवजा दिया जाए, ताकि वे अगली फसल की तैयारी कर सकें।

स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का उच्च स्तरीय निरीक्षण, तीन स्तरीय निगरानी व्यवस्था

- मतदान से मतगणना तक चाक-चौबंद रहेगी सुरक्षा, किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं : निरीक्षण टीम



केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर जिले में प्रशासनिक तैयारियां तेजी से अंतिम चरण में हैं। इसी क्रम में शनिवार को बक्सर जिले में स्थापित स्ट्रांग रूम (मतपेटी संग्रहण कक्ष) का उच्च स्तरीय निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण में पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी), जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी बक्सर, पुलिस अधीक्षक, दोनों अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) तथा उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित कई वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण दल ने मतगणना केंद्र परिसर की समग्र सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया। विशेष रूप से स्ट्रांग रूम के चारों ओर लागू तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था (जेतमम ज्पमत ैमबनतपजल ैलेजमउ) की विस्तृत समीक्षा की गई।

प्रथम स्तर पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की सतत तैनाती सुनिश्चित की गई है। द्वितीय स्तर पर जिला पुलिस बल द्वारा सुरक्षा घेरे का निर्माण किया गया है। वहीं तृतीय स्तर पर सशस्त्र स्थिर प्रहरी के साथ-साथ अत्याधुनिक डिजिटल निगरानी प्रणाली लागू की गई है।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्ट्रांग रूम परिसर में लगे बंद परिपथ कैमरे (सीसीटीवी) की कार्यप्रणाली, चौबीसों घंटे निगरानी व्यवस्था, प्रवेश नियंत्रण प्रणाली तथा लॉग बुक के रखरखाव की गहन समीक्षा की। इसके साथ ही अग्नि सुरक्षा उपकरणों की स्थिति और संपूर्ण सुरक्षा मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के पालन की भी जांच की गई।

इस मौके पर स्ट्रांग रूम के नोडल अधिकारी, भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता तथा जिला सूचना अधिकारी (डीआईओ) बक्सर भी उपस्थित रहे। उन्होंने तकनीकी निगरानी, डेटा सुरक्षा एवं नियंत्रण कक्ष की कार्यप्रणाली पर प्रस्तुतीकरण दिया। टीम ने अधिकारियों से सुरक्षा एवं मॉनिटरिंग व्यवस्था की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया कि प्रत्येक गतिविधि का विधिवत अभिलेख (रिकॉर्ड) रखा जाए और किसी भी परिस्थिति में सुरक्षा मानकों में ढिलाई नहीं बरती जाए।

निरीक्षण टीम ने स्पष्ट किया कि मतदान प्रक्रिया के समापन से लेकर मतगणना पूर्ण होने तक सुरक्षा प्रबंधों में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। सभी स्तरों पर चौकसी बरतते हुए सुरक्षा कर्मियों को हर समय सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। डीएम और एसपी ने संयुक्त रूप से कहा कि स्ट्रांग रूम परिसर में केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी और प्रत्येक आवागमन का विवरण प्रवेश-पंजी में अंकित किया जाएगा।

सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ तकनीकी निगरानी पर भी विशेष बल दिया गया है। स्ट्रांग रूम के भीतर और बाहर लगाए गए सभी कैमरों की लाइव फीड नियंत्रण कक्ष में लगातार देखी जा रही है। साथ ही डेटा स्टोरेज की दोहरी बैकअप प्रणाली भी सुनिश्चित की गई है ताकि किसी भी तकनीकी बाधा की स्थिति में निगरानी प्रभावित न हो।

निरीक्षण दल ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि बक्सर जिला प्रशासन द्वारा निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। टीम ने यह भी निर्देश दिया कि स्ट्रांग रूम क्षेत्र में बिना पहचान पत्र के किसी भी व्यक्ति का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा और सभी ड्यूटी अधिकारी अपने-अपने स्तर पर जिम्मेदारी का निर्वहन करें।

अधिकारियों ने अंत में कहा कि लोकतंत्र की मूल भावना को सुरक्षित रखने के लिए मतपेटियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। मतदान से लेकर मतगणना तक संपूर्ण प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूर्णतः तत्पर है।

एक नजर

रोहतास से लापता हुए युवक का सिकरौल नहर में मिला शव

नावानगर । सिकरौल मुख्य नहर से शनिवार को एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने नहर में शव उतराया देख तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिकरौल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाल पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दिया। मृतक की पहचान रोहतास जिले के दिनारा थाना क्षेत्र के बेनसागर गांव निवासी बबन सिंह के 26 वर्षीय पुत्र हरी मुनिराम सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह शुक्रवार से घर से लापता था। स्वजन उसकी तलाश कर रहे थे, इसी दौरान सिकरौल गांव के समीप नहर में शव उपलाने की सूचना मिली। स्थानीय पुलिस की सूचना पर पहुंचे स्वजनों ने शव की शिनाख्त की है। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि युवक की मौत हादसा है या सुनियोजित तरीके से उसकी हत्या कर साक्ष्य छिपाने के लिए नहर में फेंका गया था। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह पता चल सकेगा कि युवक की मौत हत्या है या फिर हादसा।

एक तस्कर व दो वारंटी समेत तीन गिरफ्तार

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने थाना क्षेत्र के बनकट गांव से गुप्त सूचना पर तीन लीटर देशी शराब के साथ एक तस्कर को जबकि नवाडीह व कोरानसराय से एक-एक वारंटी समेत कुल तीन लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है। एजानकारी के पुलिस को सूचना मिली थी कि बनकट गांव में एक तस्कर अपने घर में शराब की खेप इकट्ठा किया है। इस सूचना पर शुक्रवार की देर शाम ही पुलिस ने छापेमारी कर उक्त गांव निवासी लोहा पासवान पिता स्व. बिहारी पासवान को तीन लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया। दूसरी तरफ नवाडीह गांव निवासी वारंटी विजय यादव पिता भिखारी यादव तथा कोरानसराय गांव निवासी टिंकू यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है।

भारी बारिश से झील बना राज हाईस्कूल का खेल मैदान, चुनावी सभाएं होगीं प्रभावित

डुमरांव। तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश ने जनजीवन के साथ ही कृषकों को काफी प्रभावित किया है। इस बारिश में डुमरांव का इकलौता खेल मैदान राज हाईस्कूल का पूरी तरह से झील में तब्दिल हो चुका है। नौजवानों सेना और पुलिस में भर्ती के लिये प्रतिदिन अभ्यास करने के लिये आते हैं, बेचारे काफी मायूश हैं। इतना ही नहीं चुनाव कार्य के लिये उपयोग होने वाले वाहनों को इसी खेल मैदान में रखा जाता है, उसके लिये भी प्रशासन के सामने मुश्किलें खड़ी हो गई है। इस संबंध एसडीओ राकेश कुमार ने नप ईओ राहुलधर दूबे को खेल मैदान से पानी हटाने का आदेश दिया है। एसडीओ का आदेश मिलते ही नप ईओ खेल मैदान में अपने कर्मी दुर्गेश सिंह व ब्रजेन्द्र राय के साथ पहुंच जानकारी लिया। उन्होंने बड़ाबाबू को आदेशित किया की पम्पिंग सेट लगाकर पानी को निकालने का काम शुरू किया जाए। ईओ का आदेश मिलते ही कर्मी इसके इंतजाम में जुट गए। पानी निकालने के बाद उसे कहा बहाया जाएगा, यह मुश्किल सामने आ गई है। खेल मैदान के चारोतरफ रिहायशी क्षेत्र है, जिससे मोहल्लों में पानी जमा होने लगेगा। वहीं दूसरी तरफ स्टेशन रोड में नाली तो है, लेकिन जाम होने के कारण उसका पानी रोड पर बहता है, जिससे मुख्य सड़क सालोंभर पानी में डूबा रहता है। आगे जो भी खेल मैदान से पानी तो निकालना ही है, पानी का बहाव किधर किया जाता है, निकाले जाने के बाद ही पता चलेगा। हालांकि मैदान से पानी निकालने के लिये कर्मी के द्वारा पम्पिंग सेट का इंतजाम कर लिया गया है, रविवार से पानी निकालने का काम शुरू हो जाएगा। खेल प्रमियों व बुद्धिजीवियों का कहना है की दशको से खेल मैदान की यह स्थिति बरसात के दिनों में होती चली आ रही है, लेकिन अनुमंडल प्रशासन और नगर प्रशासन की तरफ से कुछ नहीं किया जा सका है। बतादें की हाल ही में राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का इसी खेल मैदान में आम सभा आयोजित किया गया था। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि यह खेल मैदान हर दृष्टि से कितना महत्वपूर्ण है।

डुमरांव में भोजपुरी सुपर स्टार सह भाजपा नेता मनोज तिवारी के काफिले पर हमले का प्रयास

- **भोजपुरी स्टार ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा, रोड-शो के दौरान अरियांव के समीप राजद का नारा लगाते हुए किया गया पथराव, टकराव रोकने के लिए हमने अपने काफिले को तेजी से बढ़ा लिया**

केटी न्यूज/डुमरांव

भोजपुरी के सुपर स्टार तथा दिल्ली से भाजपा सांसद मनोज कुमार तिवारी ह्ममृदुलह्न के रोड शो के उनके काफिले पर हमले का प्रयास किया गया है। यह हमला डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के अरियांव गांव के समीप शनिवार की शाम हुआ है। भोजपुरी स्टार मनोज तिवारी ने खुद अपने फेसबुक पेज पर इस हमले जिक्र किया है। उन्होंने लिखा है कि डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के जदयू प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह के समर्थन में रोड शो के दौरान अरियांव में लोग हमलोगों का स्वागत कर रहे थे, उसी दौरान राजद का नारा लगाते हुए कुछ लोगों ने हमारे उपर हमला करने की कोशिश की, लेकिन टकराव टालने के लिए हमलोग गाड़ी तेज चला वहां से निकल गए। बता दें कि मनोज तिवारी न सिर्फ भाजपा के कद्दावर नेता है, बल्कि भोजपुरी सिनेमा जगत में भी उनका कद काफी उंचा है। उनकी गिनती भोजपुरी के लोकप्रिय कलाकारों में होती है। इस संबंध में जब डुमरांव एसडीपीओ पोलत्स कुमार से संपर्क स्थापित किया गया तो उन्होंने कहा कि इसकी अधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। वैसे सोसल मीडिया पर वायरल इस खबर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

चार घंटे तक जाम रहा स्टेशन रोड, लोग हुए परेशान

केटी न्यूज, डुमरांव

नगर की जर्जर सड़क में आज जन जीवन को काफी प्रभावित कर दिया है। शहर के इस जर्जर सड़क स्टेशन रोड के उभरे गड्ढे में ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता जिसमें वाहन नहीं फंसते। शनिवार को सुबह आठ बजे से जाम का सिलसिला जो शुरू हुआ बारह बजे के बाद ही समाप्त हुआ। वह भी उभरे गड्ढे को भरे जाने के बाद। मालूम हो कि एनएच-120 के स्टेशन रोड में राज हाईस्कूल मुख्य गेट, राज हाईस्कूल खेल मैदान, महरौरा मोड, प्रखंड कार्यालय मुख्य गेट के पास, लालगंज कड़वी, शील कुटवा बस्ती सहित बाइपास रोड पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। रोड जाम होने के बाद गड्ढों को भरने के लिये प्रशासन की निंद खुली। एसडीओ राकेश कुमार की पहल पर नप ईओ राहुलधर दूबे ने गड्ढों को भरने के आदेश दिया। आदेश के बाद गड्ढों की भराई शुरू हुई और फंसा वाहन निकला और यातायात समान्य हो पाया। दशकों से जर्जर हो चुके इस स्टेशन रोड को बनाने के लिये अधिकारी से लेकर जन प्रतिनिधि तक आश्वासन देते हैं, लेकिन वह पूरा नहीं होता। इस विधान सभा चुनाव में भी यह रोड डुमरांव ही नहीं पूरे विधान सभा क्षेत्र के लिये चुनावी मंद्दा बन गया है। इसी रोड पर प्रतिदिन हजारो मालवाहक और यात्री वाहन गुजरते हैं।



गरीबों और भूमिहीनों के अधिकारों की लड़ाई जारी रखेंगे : डॉ. अजीत कुमार सिंह

- जनसंपर्क अभियान के दौरान निवर्तमान विधायक ने कहा कि डुमरांव में अब नहीं रुकेगा विकास का सिलसिला



केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। शनिवार को डुमरांव के निवर्तमान विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने सिकरौल और नावानगर पंचायतों में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों और समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों और फूल मालाओं के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में लोगों ने विधायक के पक्ष में एकजुटता दिखाई।

जनता से संवाद करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि डुमरांव की जनता का अपार स्नेह और भरोसा इस बात का प्रमाण है कि क्षेत्र में विकास की गाड़ी अब किसी भी सूरत में रुकने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास से मुझे नई ऊर्जा मिली है। अब मेरा उद्देश्य है कि हर गांव, हर घर तक खुशहाली और समान अवसर पहुंचे।

डॉ. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने हमेशा गरीब, वंचित और भूमिहीनों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि हमने उन ताकतों का डटकर विरोध किया जिन्होंने गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाने की कोशिश की थी। हमारा संकल्प है कि किसी भी गरीब का हक मारा नहीं जाएगा। विधायक ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में लैब, पुस्तकालय और बुनियादी सुविधाओं की बहाली से बच्चों को बेहतर शिक्षा वातावरण मिला है उन्होंने कहा। साथ ही, डॉ. सिंह ने बताया कि विधानसभा सत्रों में उनकी 99 प्रतिशत उपस्थिति रही, जिससे उन्होंने जनता की आवाज को मजबूती से सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि डुमरांव के मेहनतकश, वंचित और पिछड़े वर्गों की आवाज को उठाना उनका जीवन मिशन है और यह संघर्ष विकास, न्याय और समानता की राह पर आगे भी जारी रहेगा।

जनसंपर्क अभियान के दौरान उपस्थित कार्यकताओं और ग्रामीणों ने डॉ. सिंह के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त किया और दोबारा विधायक बनाने का संकल्प लिया। जनसभा के अंत में ह्यडुमरांव का विकास जारी रहेगा के नारों से क्षेत्र गूंज उठा।



11 नवंबर को बूथों केन्द्रों पर वोट के लिए स्वास्थ्य विभाग ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

केटी न्यूज/रोहतास

शनिवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिक्रमगंज और एएनएम स्कूल के संयुक्त नेतृत्व में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई । इस रैली का मुख्य उद्देश्य आमजनों तक संदेश देना है कि मतदान केवल अधिकार नहीं बल्कि हर नागरिक का लोकतांत्रिक कर्तव्य भी है । प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अशोक कुमार ने बताया कि लोकतंत्र एक महापर्व है । एक-एक वोट लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करता है । इसलिए सभी मतदाता 11 नवंबर को मतदान अवश्य करें । मतदाता जागरूकता रैली अस्पताल परिसर से होते हुए धनगाई टोला तक गई और पुनः



अस्पताल परिसर में आकर संपन्न हुई । जिसमें सभी एएनएम स्कूल की छात्राएं और आशा कार्यकताओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया । उक्त दौरान लोकतंत्र में हिस्सेदारी,हम सबकी है जिम्मेदारी...पहले मतदान करें फिर जलपान करें जैसे नारों से क्षेत्र का माहौल लोकतंत्र के रंग में रंग दिया। मौके पर प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अशोक कुमार, अस्पताल प्रबंधक अनिल कुमार, एएनएम प्राचार्या प्रीति गुप्ता, प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक अनीश नारायण, प्रधान लिपिक प्रणव कुमार, नंदजी सिंह,राजू कुमार सिंह,आशा फैसिलेटर कविता कुमारी, रेणु कुमारी, उषा कुमारी,चंद्रकला कुमारी,संध्या कुमारी, गीता कुमारी, अमानत कुमार समेत आशा कार्यकर्ता,एएनएम छात्राएं सहित स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

पीएम मोदी की सुरक्षा का अभेद्य घेरा : पांच एसपी, 25 डीएसपी और 1200 जवान तैनात

- एपीजी एसटीएफ और एटीएस भी रहेगी मुस्तैद

केटी न्यूज/आरा

रविवार को आरा शहर के मझौंवा हवाई अड्डा मैदान में आयोजित होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा को लेकर प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। प्रधानमंत्री के आगमन के मद्देनजर शहर और उसके आसपास के इलाकों को सुरक्षा कवच में तब्दील किया जा रहा है।प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पांच एसपी रैंक के वरीय अधिकारी, 25 डीएसपी, 400 अफसर और करीब 1200 पुलिस जवानों को लगाया जा रहा है। इसके अलावा बिहार सैन्य पुलिस (बीएमपी) की सात कंपनियां, एसटीएफ, एटीएस और विभिन्न विभागों की टीमें भी



सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहेंगी। साथ ही, करीब 300 प्रशिक्षु जवान भी ड्यूटी पर लगाए जा रहे हैं। मझौंवा हवाई अड्डा मैदान से लेकर सभा स्थल और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बलों की तैनाती की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान किसी भी तरह की चूक न हो, इसके लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार बैठकें कर रहे हैं। भीड़ नियंत्रण, वीआईपी सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन को लेकर विशेष योजना तैयार की गई है। एडीजी और आईजी रैंक के अधिकारी भी मुख्यालय से आरा पहुंचेंगे और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करेंगे। दो दिन पूर्व ही एसपीजी की टीम आरा पहुंचकर सुरक्षा की कमान अपने हाथों में ले चुकी है। एसपीजी अधिकारियों की देखरेख में सुरक्षा की पूरी रूपरेखा लागू की जा रही है। जनसभा के दौरान वाहनों की सुचारू आवाजाही और पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। न्यू पुलिस लाइन, पासवान चौक, गौसगंज स्थित वीर कुंवर सिंह कॉलेज परिसर और अश्वारोही सैन्य मैदान को पार्किंग के रूप में अधिकृत किया गया है। वहीं, पुरानी पुलिस लाइन से सलेमपुर की ओर जाने वाले मार्ग को केवल वीआईपी मूवमेंट के लिए खुला रखा जाएगा। आम जनता को इस मार्ग से वाहन लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने वैकल्पिक मार्गों का निर्धारण किया है। प्रशासन का कहना है कि प्रधानमंत्री की सभा के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या अव्यवस्था से बचने के लिए पूरे जिले में सतर्कता बढ़ा दी गई है। सभी थाना क्षेत्रों में पुलिसकर्मियों को अलर्ट पर रखा गया है।

अंजबीत सिंह महाविद्यालय में सेवानिवृत कर्मी को दी गई भावभीनी विदाई

- महाविद्यालय परिवार ने हरेंद्र सिंह को बधाई देते हुए उनके स्वस्थ जीवन का मनोकामना की

केटी न्यूज/रोहतास

नगर के अंजबीत सिंह महाविद्यालय के कर्मी हरेंद्र कुमार सिंह 62 वर्ष की आयु पूरा करने के बाद सेवानिवृत हो गए। वे मनोविज्ञान विभाग में लगभग 35 वर्षों से अधिक समय तक कार्यरत रहे सभी शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मियों ने उनके कार्यकाल की भूरी-भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह और संचालन संघ के सचिव अक्षय कुमार प्यारे ने की। मुख्य अतिथि महाविद्यालय प्राचार्य डॉ० ओम प्रकाश राम ने हरेंद्र कुमार सिंह को एक ईमानदार और कर्त्तव्य के कर्मी थें। जिन्होंने महाविद्यालय के प्रति अपने दायित्व को बखूबी निभाया। उन्होंने कहा कि मुझे इस



महाविद्यालय में अभी कुछ ही महीने आये हुए हो गए। लेकिन हमने अल्प समय में ही हरेंद्र सिंह को महाविद्यालय के कार्य लिए ईमानदारी पूर्वक समर्पित रूप में देखा। जिनकी कमी महाविद्यालय परिवार को हमेशा खेलेगी। दूसरी तरफ महाविद्यालय शिक्षकेतर कर्मी संघ के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने बताया कि हरेंद्र सिंह ने अपने कार्यकाल महाविद्यालय परिवार के साथ अपना आपार स्नेह देते हुए कार्य में अपना अहम सहयोग देते थे। साथ ही वह महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को भी अनुशासन पालन का भी संदेश देते थे। जिनके सेवानिवृत होने के बाद छात्र-छात्रा भी उन्हें काफी याद करेंगे। वही अरुण सिंह ने कहा कि यह महाविद्यालय वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय,आरा का एक अग्रणी महाविद्यालय के रूप में जाना जाता रहा है। इस समारोह में सभी शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। अवसर धन्यवाद ज्ञापन शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष संतोष कुमार पांडेय सहित समस्त महाविद्यालय परिवार उन्हें फुल माला पहना अंगवस्त्र भेट कर उनके स्वस्थ जीवन की ईश्वर से मनोकामना की।

देसी कट्टा और कारतूस के साथ दो सगे भाई गिरफ्तार, आर्म्स एक्ट में एफआईआर

केटी न्यूज/आरा

जिले के चांदी थाना पुलिस को अवैध हथियार की बरामदगी के अभियान के दौरान शुक्रवार की रात बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने रतनपुर गांव से दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो देसी कट्टा और दो कारतूस बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान चांदी थाना क्षेत्र के रतनपुर गांव निवासी राजेश कुमार यादव और राकेश कुमार यादव के रूप में की गई है। दोनों सगे भाई है। गिरफ्तारी के बाद दोनों के खिलाफ चांदी थाना में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। घर में अवैध हथियार रखा पुलिस अधीक्षक राज के अनुसार, राजेश कुमार के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक राज ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि चांदी थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि रतनपुर गांव में एक व्यक्ति ने अपने घर में अवैध हथियार छिपा रखे हैं। सूचना के



सत्यापन के बाद थानाध्यक्ष राकेश रौशन के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान दोनों भाइयों को गिरफ्तार किया गया और उनके घर से दो देसी कट्टा तथा दो कारतूस बरामद हुए।गिरफ्तारी के बाद दोनों के खिलाफ चांदी थाना में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, राजेश कुमार यादव के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। आपको बताते चलें कि आदर्श चुनाव आचार संहिता के बाद से अवैध हथियारों की बरामदगी को लेकर लगातार अभियान चल रहा है। अभी तक भोजपुर में दो देसी कारबाइन समेत बीस अवैध हथियारों की बरामदगी हो चुकी है।

बालू का खनन और परिवहन एक सप्ताह के लिए बंद

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले में जिला प्रशासन के द्वारा चुनाव कार्यो को बाधा रहित संपन्न कराने के लिए शुक्रवार को बड़ा निर्णय लिया गया। जिले में चल रहे तीन दर्जन से ज्यादा बालू घाटों को शुक्रवार की मध्य रात्रि के बाद से सात नवंबर तक के लिए बंद कर दिया गया है। खनन बंद करने के साथ परिवहन भी बंद करने का आदेश जारी किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो नवंबर को आरा में होने वाले आगमन के साथ-साथ छह नवंबर को होने वाले मतदान की तैयारी को लेकर चुनाव कार्यो में किसी भी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न ना हो। इसे देखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था को नियमित बनाए रखने के लिए डीएम ने यह निर्णय लिया है।इस आदेश के बाद शुक्रवार की रात्रि पहर एक बजे से छह नवंबर को मतदान



समाप्त होने के बाद सात नवंबर तक अस्थाई रूप से बालू का ऑनलाइन चालान नहीं कटेगा। मालूम हो जिले में बालू का खनन और परिवहन होने के कारण भयंकर ढंग से जाम लगने लगता है। इस कारण ट्रैफिक की समस्या गंभीर हो जाती है। सबसे ज्यादा मुश्किल आरा से कोईलवर पटना और छपरा आने जाने के दौरान उत्पन्न होता है। इन सभी समस्याओं से निजात पाने के लिए प्रशासन ने उक्त कदम उठाया है। मालूम हो भोजपुर जिले लगभग तीन दर्जन बालू घाटों से इन दिनों बालू का खनन और परिवहन हो रहा है।इस दौरान रोजाना तीन हजार से ज्यादा बड़े ट्रकों का आवागमन हो रहा है। जिले से बालू की डिमांड पटना छपरा मुजफ्फरपुर नालंदा वैशाली के साथ-साथ उत्तर प्रदेश और झारखंड के कई जिलों में है। इस कारण ट्रैफिक व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए यह व्यवस्था अस्थाई रूप से की गई है। भोजपुर जिले के जिला मुख्यालय आरा शहर में दो नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चुनावी कार्यक्रम तय है। इस कार्यक्रम में कई राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों के आने की संभावनाएं हैं। इसे देखते हुए सुरक्षा के ख्याल से दिल्ली और पटना से कई बड़े पदाधिकारी रोजाना आना शुरू कर दिए हैं।इस दौरान किसी भी प्रकार की ट्रैफिक व्यवस्था समस्या ना खड़ी करें इसे देखते हुए अस्थाई रूप से बालू का खनन और परिवहन रोका गया है। दूसरी तरफ चुनाव प्रचार के लिए चार नवंबर तक डेट निश्चित होने के कारण अब सघन चुनावी सभाएं भी होंगी। इस कारण जिले में चार नवंबर तक लगातार राज्य के बड़े नेता, मंत्री, सांसद और विधायकों का आवागमन होगा। इसमें कोई समस्या ना हो इस कारण भी बालू का खनन और परिवहन एक सप्ताह के लिए बंद किया गया है।

विधानसभा चुनाव को लेकर थानाध्यक्ष ने मतदान केंद्रों का सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

केटी न्यूज/रोहतास

विधानसभा चुनाव को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है । पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार के निर्देश पर जिला के सभी थानाध्यक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों में मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे है । उसी क्रम में काराकाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने पुलिस बल,बटालियन सीआरपीएफ और सीआईएसएफ टीम के साथ सिकरिया,कर्मा,गरुड़ा सहित अन्य मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया ।मतदान के समय मतदाताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, यह सुनिश्चित किया गया। राज्य में पहले चरण के लिए 6 नवंबर और दूसरे चरण के लिए 11 नवंबर को



मतदान होगा। काराकाट में दूसरे चरण के चुनाव के लिए 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। थानाध्यक्ष ने सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने की बातें कहीं । उन्होंने निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों से निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की और किसी भी समस्या के लिए पुलिस से संपर्क करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अराजकता फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी । उन्होंने लोगों को अफवाह और अराजकता फैलाने वालों से बचने की भी सलाह दी,क्योंकि पुलिस ऐसे असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रख रही है।

एक नजर

विद्युत विभाग ने धूमधाम से मनाया 13 वां स्थापना दिवस



सासाराम । विद्युत आपूर्ति अंचल सासाराम के प्रांगण मे विद्युत विभाग का 13 वां स्थापना दिवस मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता सहायक विद्युत अभियंता सासाराम शहरी रंजन कुमार ने की। विद्युत अधीक्षण अभियंता सासाराम इंद्रदेव कुमार के द्वारा अपने सम्बोधन मे बताया गया की बिहार राज्य विद्युत बोर्ड से कंपनी एक्ट के तहत पाँच इकाईयों में गठन नवम्बर 2012 को की गयी थी, जिसके उपलक्ष में हम सभी प्रत्येक वर्ष 01 नवम्बर को कंपनी का स्थापना दिवस के रूप में मनाते हैं। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम ने बताया की विद्युत विभाग के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों के अथक प्रयास से निर्वाध रूप से विद्युत आपूर्ति बहाल की जा रही है जिसके फलाफल से ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 20 से 22 घंटे एवं शहरी क्षेत्रों में 23 से 24 घंटे विद्युत आपूर्ति हो रही है। जो लो-वॉल्टेज की समस्या से निबटने के लिए उच्च क्षमता वाले ट्रान्सफॉर्मर लगाया गया है जिससे की उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार का समस्या न हो सके। इनके अलावा स्थापना दिवस के मौके पर विद्युत कार्यपालक अभियंता डेहरी संतोष कुमार, सहायक विद्युत अभियंता परियोजना उत्तम कुमार, सहायक अभियंता सासाराम ग्रामीण उज्जवल कुमार, सहायक विद्युत अभियंता (राजस्व) समरजीत कुमार व विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम एवं डेहरी के समस्त कनीय अभियंतागण व कर्मचारीगण आदि उपस्थित थे।

मरम्मति कार्य को लेकर आज विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

बिक्रमगंज । अनुमंडल क्षेत्र के नारायणपुर ग्रिड में 33 केवी मेन बसबार मरम्मति का कार्य करने के कारण रविवार को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इस संबंध में सहायक कार्यपालक अभियंता बिक्रमगंज उपेंद्र सिंह ने बताया की ग्रिड से निकलने वाले 33 केवी बिक्रमगंज, सूर्यपूरा, नटवार, संझौली, दावथ, नोनहर, कोआथ, काराकाट, सकला व तरारी फीडर की विद्युत आपूर्ति 11 बजे से 13 बजे तक पूर्ण रूप से बन्द रहेगी। उक्त अवधि मे ग्रिड द्वारा मरम्मती का कार्य किया जायेगा। सहायक विद्युत अभियंता, विद्युत आपूर्ति अवर प्रमण्डल बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा उपभोक्ताओ से आग्रह किया गया है कि विद्युत आपूर्ति बंद होने से पहले ही बिजली संबंधित अपना जरूरी काम निपटा लेंगे।

देवउठनी एकादशी पर भक्तों ने धूमधाम से किया मां तुलसी विवाह पूजन

बिक्रमगंज । अनुमंडल क्षेत्र में शनिवार को देवउठनी एकादशी एवं तुलसी विवाह का पावन पर्व श्रद्धा, उल्लास और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया । प्रातः काल से ही मंदिरों,घरों और घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी । महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर भगवान विष्णु और तुलसी माता की पूजा- अर्चना की । नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 21 धारुपुर स्थित मां काली घाट,सूर्यमंदिर परिसर समेत कई स्थानों पर भक्ति और आस्था का अनुपम संगम देखने को मिला ।व्रतियों ने स्नान-ध्यान के बाद भगवान विष्णु को तुलसी दल अर्पित कर चार महीने की योगनिद्रा के बाद उनके जागरण की परंपरा निभाई। तुलसी विवाह कार्यक्रमों में शंखनाद,भजन- कीर्तन,मंगल गीतों और वैदिक मंत्रोच्चारण से पूरा वातावरण भक्तिमय बन गया। विवाह के प्रतीक रूप में तुलसी व शालिग्राम का विधिवत मिलन कराया गया,जिसके बाद महिलाओं ने मंगल गीत गाकर प्रसाद वितरण किया। पंडित हरिशरण दुबे ने बताया कि देवउठनी एकादशी का दिन धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज के दिन भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं, जिसके बाद विवाह,गृह प्रवेश,मुंडन जैसे शुभ कार्य प्रारंभ किए जाते हैं। तुलसी विवाह से घर-परिवार में सुख, शांति और समृद्धि का संचार होता है ।नगर के विभिन्न मंदिरों जिनमें धनगाई घाट,धारुपुर कालीस्थान,धारुपुर सूर्यमंदिर एवं दुगार्डीह मंदिर प्रमुख हैं पर रात्रि तक दीप प्रज्वलन,भजन संध्या और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया । श्रद्धालुओं ने भगवान विष्णु व माता तुलसी से क्षेत्र के कल्याण और खुशहाली की कामना की।

पुलिस ने को किया गिरफ्तार

काराकाट । काराकाट पुलिस ने एक एनबीडब्ल्यू वारंटी को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया । थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नावाडीह निवासी मनोज गोस्वामी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध डेहरी ऑनसोन न्यायालय से एनबीडब्ल्यू वारंट निर्गत था।

बालू लदे एक अवैध ट्रैक्टर जब्त

काराकाट। काराकाट पुलिस एवं खनन विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से थाना क्षेत्र अंतर्गत चिकसील गांव के आसपास से बिना चालान के बालू लदे एक ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है। इसकी जानकारी काराकाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि उक्त मामले में अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

बिहार बोर्ड ने घोषित की इंटर और मैट्रिक सेंट-अप परीक्षा 2026 की तिथियां

■ मुख्य परीक्षा के लिए अनिवार्य होगी 75% उपस्थिति



बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (BSEB) ने इंटरमीडिएट (कक्षा 12) और मैट्रिक (कक्षा 10) वार्षिक परीक्षा 2026 के लिए सेंट-अप परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। बोर्ड ने साफ कर दिया है कि इन सेंट-अप परीक्षाओं में शामिल होना सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है। यह परीक्षा न सिर्फ औपचारिकता है, बल्कि वार्षिक परीक्षा में शामिल होने का पहला और अनिवार्य चरण है। जो विद्यार्थी सेंट-अप परीक्षा में असफल होंगे या अनुपस्थित रहेंगे, उन्हें मुख्य परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) जारी नहीं किया जाएगा। बिहार बोर्ड की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, इंटरमीडिएट स्तर पर सैद्धांतिक (थ्योरी) सेंट-अप परीक्षा 19 से 26 नवंबर 2025 के बीच आयोजित की जाएगी। परीक्षाएं दो पालियों में ली जाएंगी पहली पाली सुबह 9:30 बजे से 12:45 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक। परीक्षा के प्रत्येक सत्र में विद्यार्थियों को पहले 15 मिनट प्रश्नपत्र पढ़ने और समझने के लिए दिए जाएंगे। इंटर की प्रायोगिक (प्रैक्टिकल) परीक्षा 27 से 29 नवंबर 2025 के बीच आयोजित की जाएगी। ये परीक्षाएं संबंधित विद्यालयों में ही होंगी और सभी विषयों के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा में अनिवार्य रूप से शामिल होना होगा। बोर्ड ने विद्यालयों को निर्देश दिया है कि वे सख्ती से सेंट-अप परीक्षाओं का संचालन करवाएं और मूल्यांकन पारदर्शी ढंग से करें। उ10वीं कक्षा यानी मैट्रिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए सेंट-अप परीक्षा 19 से 22 नवंबर 2025 के बीच होगी। वहीं, मैट्रिक प्रायोगिक परीक्षा 24 नवंबर 2025 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा के आयोजन का समय इंटर की तरह ही दो पालियों में रहेगा और छात्र-छात्राओं के लिए उपस्थित होना अनिवार्य है। बोर्ड ने स्पष्ट कहा है कि जो विद्यार्थी सेंट-अप परीक्षा देने से चूक जाएंगे, उन्हें वार्षिक परीक्षा से भी वंचित कर दिया जाएगा। बोर्ड द्वारा जारी निदेशों के अनुसार, इंटर और मैट्रिक दोनों ही वर्गों के विद्यार्थियों के लिए विद्यालय में कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। यदि किसी विद्यार्थी की उपस्थिति इससे कम है, तो वह सेंट-अप परीक्षा या वार्षिक परीक्षा में शामिल होने का हकदार नहीं होगा।

दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए विशेष सुविधा

बिहार बोर्ड ने दृष्टिबाधित (विजुअली इम्पेयर्ड) और अन्य दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रावधान किए हैं। उन्हें सेंट-अप परीक्षा में लेखक (सहायक लेखक) रखने की अनुमति दी गई है ताकि वे बिना किसी कठिनाई के परीक्षा दे सकें। इस सुविधा का लाभ लेने वाले विद्यार्थियों के लिए बोर्ड ने विद्यालय प्रबंधन को आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।

एक नजर

छपरा में फजीर्वाड़े पर कड़ी कार्रवाई! छह शिक्षकों पर गिरी गाज

पटना। के सारण जिले में फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्र के आधार पर शिक्षक की नौकरी पाने वाले शिक्षकों पर निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। मांझी प्रखंड में पदस्थापित छह नियोजित शिक्षकों के फर्जी दस्तावेज का मामला सामने आने के बाद विभाग ने सभी पर प्राथमिकी दर्ज कराई है। निगरानी विभाग के सहायक पुलिस उपाधीक्षक सह जांचकर्ता पवन कुमार ने मांझी थाने में सभी छह शिक्षकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इसके बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) निशांत किरण ने नोडल पदाधिकारी (निगरानी जांच) सह स्थापना डीपीओ धनंजय पासवान और मांझी के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को पत्र भेजकर सभी आरोपित शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्देश दिया है।डीईओ निशांत किरण ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय में दायर जनहित याचिका के आलोक में मांझी प्रखंड के शिक्षकों के प्रमाणपत्रों का सत्यापन किया जा रहा था। सत्यापन के दौरान संबंधित बोर्डों के सचिवों से रिपोर्ट मंगाई गई। प्राप्त प्रतिवेदन में कई प्रमाणपत्र फर्जी और त्रुटिपूर्ण पाए गए, जिसके बाद निगरानी विभाग ने कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज की है। डीईओ ने आगे बताया कि निलंबन के बाद विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। साथ ही कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी पाने वाले किसी भी शिक्षक को बख्शा नहीं जाएगा। जानकारी के अनुसार, जिले के अन्य प्रखंडों में भी शिक्षकों के प्रमाणपत्रों का सत्यापन अंतिम चरण में है। अंतिम रिपोर्ट आने के बाद अन्य फर्जी शिक्षकों के नाम भी सामने आ सकते हैं।

समस्तीपुर में अमित शाह की सभा रद्द होने से कार्यकर्ता निराश: खराब मौसम के कारण उड़ान नहीं भर सका हेलिकॉप्टर

पटना। चक्रवात मोनथा ने नेताओं के चुनाव-प्रचार पर खासा असर डाला है। मौसम खराब होने की वजह से हेलिकॉप्टर के उड़ान नहीं भड़ने से सभा तक को रद्द करना पड़ गया। समस्तीपुर के उजियारपुर विधानसभा क्षेत्र के दलसिंहसराय में अमित शाह की सभा भी रद्द हो गई। जिससे एनडीए कार्यकर्ताओ के साथ ही दूरदराज से आने वाली महिलाओं में निराशा देखने को मिली। अमित शाह की बातों को सुनने के लिए आई महिलाएं घंटों भूखी प्यासी बैठी रही और केन्द्रीय गृह मंत्री के इंतजार कर रही थी। अमित शाह की चुनावी सभा को लेकर उजियारपुर और आसपास के विधानसभा के एनडीए प्रत्याशियों के द्वारा काफी भीड़ जुटाई गई थी। भीड़ करीब 5 घण्टो से अमित शाह के इंतजार में थी लेकिन अचानक 3 बजे दोपहर में मंच से यह बताया गया कि खराब मौसम के कारण अमित शाह नही आ पाएंगे।हालांकि वीडियो कांफ्रेंसिंग पर अमित शाह ने लोगो को सम्बोधित किया लेकिन भीड़ कोई बात सुनने के लिए रुकी नही। सबको यही निराशा थी कि सुबह से ही उनके स्थानीय नेता सभा मे लेकर आए थे और वे लोग भूखे प्यासे मोदी- नीतीश को सुनने आयी हुई थी लेकिन अंत मे बताया गया कि वे लोग नही आ रहे है। कई महिलाओं को महिला रोजगार योजना की दस हजार राशि नही मिली थी। वह इसी उम्मीद में आई थी कि उनको अब लाभ मिल जाएगा। हालांकि कुछ महिला का कहना था कि उन्हें नीतीश कुमार दस हजार दिए है। इसलिए मोदी जी नही भी आए फिर भी वोट उन्ही को देंगे। अमित शाह के नही आने से कार्यकर्ताओ में निराशा जरूर देखने को मिली लेकिन मौसम के आगे सब विवश नजर आए।

पटना में प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो तैयारी पुरी, भगवा रंग से रंगे रास्ते



एजेंसी। पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो कदमकुआं के दिनकर चौक से शुरू होगा. यह रोड शो पटना के प्रमुख इलाकों से होते हुए गांधी मैदान के उद्योग भवन तक पहुंचेगा. संभावना है कि शाम 5 बजे से यह रोड शो शुरू होगा. पीएम के आगमन को लेकर पूरे रास्ते में कुल 10 स्वागत प्वाइंट बनाए जा रहे हैं. यहां प्रधानमंत्री का स्वागत फूलों की वर्षा, ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों से किया जाएगा. प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस रोड शो में लाखों की भीड़ जुटाने की तैयारी हो रही है. इस काम की जिम्मेदारी पार्टी कार्यकताओं, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा और जिला इकाइयों को दी गई है. उम्मीद जताई जा रही है कि यह रोड शो पटना की सियासत में नया माहौल बनाएगा. इस रोड शो की मुख्य जिम्मेदारी पटना जिला इकाई को दी गई है. वहीं, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन को कार्यक्रम के संचालन और प्रबंधन की जिम्मेदारी मिली है. इस पूरे कार्यक्रम की निगरानी प्रदेश नेतृत्व कर रहा है. जानकारी मिली है कि पीएम मोदी के स्वागत के लिए पूरे रास्ते को भगवा रंग में रंगने की तैयारी की गई है।

इससे पहले 72 मिनट का किया था रोड शो

पीएम मोदी ने 29 मई को पटना में 72 मिनट का रोड शो किया था. उस दौरान रोड शो से पहले उन्होंने पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन व बिहटा एयरपोर्ट का शिलान्यास किया था. शाम 6:45 बजे बीजेपी कार्यालय पहुंच कर कार्यकताओं के साथ मीटिंग की थी. इसके बाद उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा के बेटे की सगाई में शामिल हुए थे. प्रधानमंत्री ने पटना में 72 मिनट का 6 किलोमीटर लंबा रोड शो किया था. पटना में पीएम मोदी का रोड शो कल, ट्रैफिक एसपी ने जारी किया पूरा रूट मैप111देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल 2 नवंबर को पटना आ रहे हैं। जहां वे एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में भव्य रोड शो करेंगे। रोड शो रविवार की शाम में 4 बजे दिनकर गोलंबर से शुरू होकर नाला रोड-ठाकुरबाड़ी-बाकरगंज पहुंचेगा। रोड शो की पूरी तैयारी कर ली गयी है। पुलिस अधीक्षक यातायात ने पीएम मोदी के रोड शो को लेकर रूट मैप तैयार किया है। उन्होंने आम लोगों से अपील की है कि दिनकर गोलंबर से नाला रोड, नाला रोड से बारीपथ, मछुआ टोली से बारीपथ, खेतान मार्केट, हथुआ मार्केट से बाकरगंज तक आने वाले मार्ग पर, वैशाली गोलंबर से दिनकर गोलंबर तक और अप्सरा गोलंबर से नालारोड गोलंबर तक दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक परिचालन प्रभावित रहेगा। सिर्फ अग्निशमन, एम्बुलेंस, मरीज के वाहन, शव वाहन, न्यायिक कार्य से जुड़े वाहन, चुनाव कार्य से जुड़े वाहन और पासधारक वाहन को इस मार्ग से जाने दिया जाएगा। रोड शो में शामिल होने के लिए आमजनों और कार्यकताओं के वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था गांधी मैदान के अंदर, पटना साइंस कॉलेज, पटना कॉलेज परिसर, डबल डेकर पुल के नीचे, मोइनुल हक स्टेडियम और शाखा मैदान में की गयी है। जहां लोग अपने वाहन को वहां लगा सकते हैं। ट्रैफिक एसपी ने आमजनों से यातायात व्यवस्था में सहयोग करने का अनुरोध किया है एवं कार्यक्रम के मौके पर वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने को कहा है।

ऐतिहासिक बनाने की तैयारी

बता दें कि लोकसभा चुनाव के दौरान भी प्रधानमंत्री ने पटना में रोड शो किया था, जिसमें भारी भीड़ उमड़ी थी. अब विधानसभा चुनाव से पहले दूसरी बार होने वाले इस रोड शो के माध्यम से बीजेपी के लिए मिशन बिहार की शुरूआत मानी जा रही है. लोकसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी का रोड शो एयरपोर्ट से शुरू होकर बेली रोड होते हुए बीजेपी कार्यालय तक पहुंचा था।

फूलों और लाइटिंग से सज रहे रास्ते

इस रोड शो की मुख्य जिम्मेदारी पटना जिला इकाई को दी गई है. वहीं, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन को कार्यक्रम के संचालन और प्रबंधन की जिम्मेदारी मिली है. इस पूरे कार्यक्रम की निगरानी प्रदेश नेतृत्व कर रहा है. जानकारी मिली है कि पीएम मोदी के स्वागत के लिए पूरे रास्ते को भगवा रंग में रंगने की तैयारी की गई है. पटना में जगह-जगह होर्डिंग, बैनर और पीएम मोदी के कटआउट लग रहे हैं।

मोकामा दुलारचंद यादव हत्याकांड : सीआईडी की हाईलेवल टीम ने तेज की जांच, घटनास्थल से मिले अहम सुराग



एजेंसी। पटना

मोकामा में हुए चर्चित दुलारचंद यादव हत्याकांड की जांच अब तेज कर दी गयी है. बिहार पुलिस की क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) ने इस मामले की जिम्मेदारी आधिकारिक रूप से अपने हाथों में ले ली है। जांच की कमान उक्त के डीआईजी जयंतकांत को सौंपी गयी है, जो खुद घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले का बारीकी से जायजा ले रहे हैं। शनिवार को बिहार पुलिस की कई अलग-अलग जांच टीमें मोकामा के बसावन चक इलाके में पहुंचीं, जहां दुलारचंद यादव की हत्या हुई थी। सीआईडी की टीम ने एफएसएल (Forensic Science Laboratory) विशेषज्ञों के साथ मिलकर घटनास्थल की वैज्ञानिक तरीके से जांच की सूत्रों के अनुसार, टीम को मौके से कई अहम सुराग मिले हैं, जो जांच को नई दिशा दे सकते हैं।जांच टीम ने उन गाड़ियों की भी जांच की, जो घटना के दौरान क्षतिग्रस्त हुई थीं। इन वाहनों से भी फॉरेंसिक टीम ने कई सबूत इकट्ठा किए हैं। माना जा रहा है कि गाड़ियों से मिले डैमेज पैटर्न, पत्थरों के निशान और अन्य सामग्री के जरिए पुलिस हमलावरों की पहचान तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। मोकामा टाल के इलाके में जांच के दौरान टीम को ऐसे पत्थर मिले हैं, जो आमतौर पर रेलवे ट्रैक पर इस्तेमाल होते हैं। जांच अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के पत्थर मोकामा टाल में सामान्यतः नहीं पाए जाते, जिससे अब एक बड़ी साजिश की आशंका जताई जा रही है। सीआईडी टीम ने इन पत्थरों के सैंपल लेकर उन्हें लैब टेस्ट के लिए भेज दिया है। जांच में ये भी सामने आया है कि गाड़ियों के काफिले पर हमला इन्हीं पत्थरों से किया गया था। अब बड़ा सवाल ये उठ रहा है कि आखिर ये भारी और तेज धार वाले पत्थर क्या पहले से योजना बनाकर मोकामा टाल के इलाके में लाए गए थे? अगर ऐसा है तो यह घटना सिर्फ एक हिंसक टकराव नहीं बल्कि एक सोची समझी साजिश की ओर इशारा करती है। सीआईडी टीम ने स्थानीय ग्रामीणों और चश्मदीदों से भी पूछताछ की है। कई लोगों से यह जानकारी ली जा रही है कि घटना से पहले या बाद में इलाके में कोई संदिग्ध गतिविधि देखी गई थी या नहीं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन डाटा का भी विश्लेषण कर रही है ताकि हमले में शामिल लोगों तक पहुंचा जा सके।

दरभंगा में अगलगी की भीषण घटना : 4 सिलेंडर ब्लास्ट से 6 घर जलकर राख, 12 लाख से अधिक का नुकसान



एजेंसी। दरभंगा

दरभंगा के हसन चक में शनिवार को अगलगी की भीषण घटना में 4 सिलेंडर ब्लास्ट हो गये। जिससे 6 घर जलकर राख हो गये। अगलगी की इस घटना में12 लाख से अधिक का नुकसान हुआ है। दरभंगा के नगर थाना क्षेत्र के हसन चक स्थित राज हाई स्कूल के पास शनिवार को शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। झोपड़ी बनाकर रह रहे स्थानीय लोगों के बीच अचानक हुए चार सिलेंडरों के धमाके से अफरा-तफरी मच गई। आग की चपेट में आते ही आसपास के छह घर पूरी तरह जलकर खाक हो गए। अनुमान है कि 12 लाख रुपये से अधिक का सामान जलकर नष्ट हो गया। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सूचना मिलते ही स्थानीय विधायक संजय सरावगी घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। पीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है। वो सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं।

बिहार से परदेश जा रहे लोगों की ट्रेनों में भारी भीड़, वोट के लिए नहीं रुकना चाहते मजदूर

एजेंसी। पटना



बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए 6 और 11 नवंबर को मतदान होना है। जैसे-जैसे तारीख नजदीक आ रही है, राजनीतिक दलों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है, लेकिन दूसरी ओर मतदान प्रतिशत को लेकर चिंता भी बढ़ती जा रही है। इस बार ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि बिहार में मतदान प्रतिशत में गिरावट देखने को मिल सकती है। कारण है राज्य से बड़े पैमाने पर मजदूरों और कामगारों का पलायन। पटना, गया, दरभंगा, भागलपुर, मुजफ्फरपुर और सिवान जैसे जिलों से हजारों की संख्या में लोग दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, सूरत, पंजाब और मध्य प्रदेश की ओर लौट रहे हैं। रेलगाड़ियों में ठसाठस भीड़ और लंबी वेटिंग लिस्ट इस बात का सबूत हैं कि चुनावी समय में भी लोग रोजी-रोटी की तलाश में घर छोड़ने को मजबूर हैं। जानकारी के मुताबिक, आगामी 15 नवंबर तक बिहार से बाहर जाने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ बनी हुई है। दानापुर मंडल से रोजाना 100 से अधिक ट्रेनें देश के विभिन्न हिस्सों में जा रही हैं। संपूर्ण क्रांति, श्रमजीवी, मगध, पाटलिपुत्र एक्सप्रेस, पंजाब मेल और राजेंद्र नगर एलटीटी जैसी ट्रेनों में जनरल क्लास की ऑक्यूपेंसी 100 प्रतिशत से ऊपर है। कई ट्रेनों में यह आंकड़ा 150 प्रतिशत तक पहुंच गया है। छठ पर्व के बाद भी इतनी बड़ी संख्या में प्रवासियों का लौटना यह दशार्ता है कि रोजगार की मजबूरी अब भी बिहार की सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। बिहार में यह स्थिति नई नहीं है। पलायन राज्य की सामाजिक-आर्थिक हकीकत बन चुका है। जनरल ऑफ माइग्रेशन अफेयर्स की रिपोर्ट के अनुसार, बिहार से करीब 55 प्रतिशत लोग रोजगार के लिए, 3 प्रतिशत व्यापार के लिए और 3 प्रतिशत शिक्षा के लिए बाहर जाते हैं। पंजाब की ओर जाने वाले बिहारियों की संख्या 6.19 प्रतिशत है। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक राज्य में पर्याप्त रोजगार के अवसर नहीं सृजित होंगे, तब तक यह पलायन और इसके कारण घटता मतदान प्रतिशत जारी रहेगा। जब प्रवासी मजदूरों से बात की गई, तो उनकी बातें इस सच्चाई को और स्पष्ट करती हैं। मजदूरों का कहना है कि, अगर अपने गांव में काम मिलता, तो हम लोग घर-परिवार छोड़कर पंजाब क्यों जाते? वोट देना जरूरी है, लेकिन पेट पालना उससे भी ज्यादा जरूरी है। वहीं अन्य लोगों का कहना है कि छठ पूजा में आए 15 दिन हो गया है अगर चुनाव के लिए रुकते है तो हमारा पगार कट जाएगा जिससे दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए वोट से अधिक जरुरी हमारे जिने के लिए कमाना जरुरी है।

बिहार में मोन्था साइक्लोन को लेकर अलर्ट, 19 क्विक रिस्पॉन्स टीम का हुआ गठन

एजेंसी। पटना



मोन्था साइक्लोन का असर पूरे बिहार में महसूस किया जा रहा है। बिहार के विभिन्न जिलों में बारिश जारी है और राजधानी पटना में गुरुवार से लगातार रुक-रुककर बारिश का सिलसिला चल रहा है। लगातार हो रही बारिश से शहर में जलजमाव की समस्या उत्पन्न न हो, इसके लिए पटना नगर निगम की टीम अलर्ट मोड पर है और आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। नगर निगम ने बारिश के बाद जलजमाव की स्थिति से निपटने के लिए 19 क्विक रिस्पॉन्स टीम (दफ्ळ) का गठन किया है। इसके तहत सभी वार्ड के नोडल अधिकारी, जोनल अधिकारी, सफाई इंस्पेक्टर और कार्यपालक अधिकारी अपने-अपने इलाकों में लगातार राउंड लगाएंगे और स्थिति की निगरानी करेंगे। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे किसी भी संभावित जलजमाव या समस्या की तुरंत रिपोर्ट दें और समाधान सुनिश्चित करें। पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड की तरफ से संचालित ह्यऑटोमेशन ऑफ ड्रेनेज पंपिंग स्टेशनह्ल प्रोजेक्ट के तहत शहर के 9 प्रमुख पंपिंग स्टेशनों की डिजिटल मॉनिटरिंग की जाएगी। इन पंपिंग स्टेशनों में इको पार्क के 3, योगीपुर के 2, सैदपुर के 2 और पहाड़ी के 2 पंपिंग स्टेशन शामिल हैं। डिजिटल मॉनिटरिंग के माध्यम से पंपों के संचालन और जल निकासी की रियल टाइम स्थिति देखी जाएगी। इसके अलावा, पटना नगर निगम के कंट्रोल रूम से भी लगातार स्थिति पर नजर रखी जाएगी और वॉकी-टॉकी के जरिए फील्ड कर्मचारियों से जानकारी ली जाएगी। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने सभी अधिकारियों को संभावित भारी बारिश के मद्देनजर सजग और तैयार रहने का निर्देश दिया है। सभी अंचल अधिकारियों को अपने-अपने इलाकों में ड्रेनेज पंपिंग स्टेशनों का निरीक्षण करना और आपातकालीन संसाधनों की जांच सुनिश्चित करना अनिवार्य किया गया है। कार्यपालक अधिकारियों को अपने वार्ड क्षेत्रों की निगरानी करने और किसी भी समस्या का तत्काल समाधान करने का निर्देश भी दिया गया है। इसके अलावा, बिहार शहरी आधारभूत संरचना निगम ने भी तैयारी कर ली है। इवक्ळड के एमडी अनिमेष पराशर ने कर्मियों को तीन पाली में तैनात करने का निर्देश दिया है। संप हाउस में ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को प्रत्येक घंटे पंप के वाटर लेवल की रिपोर्ट देनी होगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। लगातार हो रही बारिश और साइक्लोन के प्रभाव को देखते हुए जल निकासी प्रणालियों की रियल टाइम निगरानी और क्विक रिस्पॉन्स टीम की सक्रियता से पटना में बड़े स्तर पर जलजमाव और अन्य आपात स्थितियों को नियंत्रित किया जा सकेगा। नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अपने इलाकों में अव्यवस्था और जलजमाव की जानकारी तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि समय रहते समस्या का समाधान किया जा सके।

बिहार में 213 अपराधी गिरफ्तार भारी मात्रा में हथियार व नकदी जब्त

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष बनाने के लिए शिवहर जिले में पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया है। 13 अक्टूबर से अब तक 213 अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है, जबकि 30 को जिलाबदर कर दिया गया। एसपी शैलेश कुमार सिन्हा के नेतृत्व में चल रही कार्रवाई में 6 हथियार, 7 कारतूस, 2 मैगजीन, 88 लाख 74 हजार रुपये नकदी, 922 लीटर शराब और 3.415 ग्राम गांजा जब्त किया गया। इसके अलावा, 112 लाइसेंसी हथियारों के लाइसेंस निलंबित और 37 रद्द कर दिए गए। यह अभियान आदर्श आचार संहिता के सख्त पालन के लिए चलाया जा रहा है, जहां 4 उल्लंघन मामलों में एफआईआर दर्ज हुई है। राज्य स्तर पर भी चुनाव आयोग की निगरानी में इसी तरह की कार्रवाइयां तेज हैं, जहां 221 अवैध हथियार और 37 करोड़ से अधिक की नकदी-शराब जब्त हो चुकी है। शुक्रवार को समाहरणालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी शैलेश कुमार सिन्हा ने बताया कि शिवहर में शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए निरोधात्मक कार्रवाई में 3,841 लोगों पर नजर रखी गई। इनमें 1,939 से बांड भरवाए गए और 134 गैर-जमानती वारंट निष्पादित किए गए। जिले में कुल 832 लाइसेंसी हथियार हैं, जिनमें से 452 जमा हो चुके हैं।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

संपादकीय

बक्सर, 2 नवंबर 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

युवावस्था आवेशमय होती है, वह प्रोध से आग हो जाती है तो करुणा से पानी भी। - प्रेमचंद

अधिकारों को लेकर हाईकोर्ट- सुप्रीम कोर्ट आमने-सामने

देश की न्यायपालिका लोकतंत्र का सबसे मजबूत स्तंभ है, इन दिनों अधिकारों को लेकर एक गंभीर टकराव के दौर से हाईकोर्ट गुजर रही हैं। पिछले एक दशक में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के जजों के अधिकार सुप्रीम कोर्ट के जजों ने अपने पास लेने की जो कोशिश की है। उसका अब हाई कोर्ट के जज खुलकर विरोध कर रहे है।हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के अधिकारों की लड़ाई खुलकर सामने आ गई है। सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों को एक समान अधिकार हैं। हाईकोर्ट अपने क्षेत्राधिकार में मामलों की सुनवाई करता है। सुप्रीम कोर्ट मुख्य रूप से हाईकोर्ट से जो फैसले होते हैं उनकी अपील यदि सुप्रीमकोर्ट में होती है तो उनकी सुनवाई करता है। सुप्रीम कोर्ट को हाई कोर्ट के निर्णय की समीक्षा कर आदेश देने का अधिकार है लेकिन सुप्रीम कोर्ट स्वयं राज्यों के मामले सुनाने लगे यह कहीं से भी उचित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा जा रहा है राज्यों के हाईकोर्ट में लंबित मामलों को सुप्रीम कोर्ट अपने पास बुला लेता है और कई वर्षों तक उस पर सुनवाई नहीं करता है कई मामलों में तो यह भी शिकायत आती है सुप्रीम कोर्ट कुछ ऐसे मामलों को अपने पास बुला लेता है जिसमें आर्थिक एवं राजनीतिक समीकरण प्रभावित होते हैं। न्यायपालिका का यह टकराव न केवल संवैधानिक मयार्दाओं पर हमला है। बल्कि न्याय व्यवस्था की संवैधानिक अधिकारिता पर भी सवाल उठाने लगा है। हाल ही मे इलाहाबाद हाई कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा, सुप्रीम कोर्ट को ह्वहैंड्स ऑफ अप्रोचह्व यानी हस्तक्षेप न करने का रवैया अपनाना चाहिए। हाईकोर्ट का तर्क है, जिला न्यायपालिका की नियुक्ति, सेवा नियम और अनुशासन पर संबंधित हाईकोर्ट और राज्य सरकार का नियंत्रण अनुच्छेद 227(1) के तहत सुनिश्चित है। ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट का दखल हाईकोर्ट के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बी।आर। गवई का कहना है,अगर अखिल भारतीय न्यायिक सेवा (अक्खर) जैसी नीतियां लागू करनी हैं। तो एक समान ढांचा बनाने में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस तरह के कई मतभेद संस्थागत संघर्ष का रूप ले चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट को लगता है कि वह हाईकोर्ट को नियंत्रित करने का अधिकार रखती है।देश मे न्यायिक एक रूपता आवश्यक है। विभिन्न प्रदेश के विभिन्न प्रदेश के हाईकोर्ट इसे अपने अधिकार क्षेत्र पर अतिक्रमण मानते हैं। दोनों पक्ष अपने-अपने संवैधानिक तर्कों के साथ अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं। यही रुख न्यायपालिका की गरिमा के लिए हानिकारक साबित हो रहा है। पिछले एक दशक में ऐसे सैकड़ो मामले सामने आ चुके हैं जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट में जिन मामलों में सुनवाई चल रही थी। उसे अपने पास बुलाकर अपने तरीके से निर्णीत करना शुरू कर दिया। जबकि हाईकोर्ट ने उस मामले में कोई फैसला ही नहीं दिया था।स्थिति तब और जटिल हो गई, जब सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड हाईकोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए कहा, अगर कोई मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। ऐसी स्थिति में हाईकोर्ट उस मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। इस पर कई न्यायविदों ने कहा न्यायपालिका के भीतर ऐसी भाषा और टकराव न्यायपालिका के प्रति जनता के विश्वास को कमजोर करते हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट अधिकारों को लेकर ठीक उसी तरह से लड़ रहे हैं जिस तरह से कुछ राज्यों में राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच में विवाद चल रहा है। राज्यपाल अपने आपको सर्वोच्च मानने लगे हैं वही मुख्यमंत्री जनता द्वारा चुना गया है संवैधानिक प्रावधान के अनुसार राज्य सरकार सर्वोच्च है। राज्यपाल को राज्य सरकार की सलाह पर काम करना होता है। ठीक उसी तरह से न्यायपालिका का यह संघर्ष ह्वकौन श्रेष्ठ हैह्व कौन सर्वोच्च है। अधिकारों की यह लड़ाई हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के बीच में शुरू हो गई है।इसमें ह्वकौन सीमा लांघ रहा हैह्व यह विवाद का विषय बन गया है।

चिंतन-मनन

विश्वास की ताकत



एक अंग्रेज अफसर अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ जहाज में सवार होकर सफर पर निकला। रास्ते में समुद्र में जोर का तूफान आया। मुसाफिर घबरा उठे। पर वह अंग्रेज अफसर जरा भी नहीं घबराया। उसकी पत्नी भी व्याकुल हो गई थी। उसने अपने पति से पूछा-इतना खतरनाक तूफान आया है। सबकी हालत खराब है। पर आप इतना निश्चिंत कैसे बैठे हैं? यह सुनते ही उस अफसर ने म्यान से तलवार निकाली और पत्नी के सिर पर रखकर पूछा- क्या तुम्हें डर लग रहा है? पत्नी बोली-मेरी बात का जवाब न देकर आप यह क्या खेल कर रहे हैं? अफसर ने फिर पूछा-बताओ, तुम्हें डर लग रहा है या नहीं? पत्नी ने कहा- मुझे भला क्यों डर लगेगा? मुझे पता है आप मेरी जान नहीं लेंगे क्योंकि आप मेरे दुश्मन नहीं हैं। आप तो मुझे अपनी जान से ज्यादा चाहते हैं। फिर मैं क्यों डरूं? इस पर अफसर ने कहा-बिल्कुल सही। जिस तरह तुम्हें मुझ पर भरोसा है उसी तरह मुझे ईश्वर पर भरोसा है। वह हम सब का अभिभावक है। वह हमारा बुरा क्यों चाहेगा? वह तो हमारे पिता के समान है। वह हर संकट में हमारी सहायता ही करेगा। इसलिए तूफान आया है तो वह चला भी जाएगा। जीवन में विश्वास सबसे बड़ी चीज है। इससे हमें बड़ी ताकत मिलती है। हम इसी ताकत के सहारे जीते हैं। इसलिए हमें किसी न किसी के प्रति विश्वास तो रखना ही होगा। वही लोग घबराते हैं या अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाते हैं जिनमें विश्वास की कमी होती है। संयोग से उसी समय तूफान थम गया।

बिहार की रैलियों में मोदी और राहुल का वार-पलटवार

-कांतिलाल मांडोत



बिहार विधानसभा चुनाव की छपरा और मुज्जफरपुर की रैलियों में मोदी ने कहा कि जंगलराज की पहचान पांच शब्दो से होती है।मोदी और राहुल ने वार पलटवार किया।मोदी ने पलटवार करते हुए कहा कि बिहार में राजद और कांग्रेस के पांच शब्द बिहार की राजनीति में फलफूल रहे है।कट्टा,क्रूरता, कटुता,कुशासन और करप्शन से विपक्ष की पहचान है।मोदी ने कहा कि छठ पूजा का अपमान कभी नही सहेंगे।राहुल ने मुजफ्फरपुर और छपरा की सभा के दौरान अंतराष्ट्रीय मुद्दा उठाते हुए कहा कि मोदी ट्रम्प को जवाब देने से डरते है।डर शब्द का उपयोग, वो भी मोदी के लिए करने के बाद राहुल देश के युवाओ के निशाने पर है।युवा देश की धड़कन है।युवाओ की पहली पसंद नरेंद्र मोदी है।मोदी ने कई बार कहा है कि यह छप्पन की छाती है।उसके बाद राहुल मोदी पर डर और भय की बात करके सुर्खिया बटोर रहे है।मोदी ने अपनी सभा मे कहा कि बिहार के नौजवानों का सपना ही मेरा संकल्प है।राहुल अपना ही अध्याय लिखने के लिए तत्पर है।देश मे कांग्रेस की खोई हुई विरासत वापस पुनः प्राप्त करने का जिम्मा राहुल को सौंप रखा है।वे मिशन पर निकल पड़े है।गांधी खानदान की उपलब्धियों से लैस राहुल मैदान में उतरकर विश्व नेता मोदी की काट कर राजनीति के गलियारों तक पहुंचने की भरपूर कोशिश कर रहे है।मोदी पर निशाना साधने से कांग्रेस दिनोंदिन खिसक रही है।कांग्रेस को चाहिए कि लोकसभा का चुनाव न होकर विधानसभा का चुनाव बिहार में हो रहा है।इसलिए कांग्रेस को वार-पलटवार मुख्यमंत्री पर किया जाना चाहिए।लेकिन कांग्रेस की सुषुप्त अवस्था जनाधार खत्म करने के पदपर अग्रसर है।कांग्रेस आरोप लगाती है।लेकिन तथ्यात्मक पहलू पेश नही करती है।इसलिए वे जूठे और फरेबी आरोप होते है।राहुल के जातिविहीन समाज के मुद्दे उठाना और मोदी पर बेबुनियाद आरोपो की झड़ी लगाना राहुल और कांग्रेस की फितरत बन गई है।कांग्रेस ने कभी यह नही सोचा है कि आखिर नरेंद्र मोदी को पूरी दुनिया सम्मान क्यों दे रही है?अगर कांग्रेस के जेहन में यह सबकुछ आ जाता है तो कांग्रेस की खोई हुई ताकत और विरासत को थोड़ा बहुत खाद पानी मिल सकता है।राहुल को पता लगने से पहले ही वे कुछ कुछ ऐसा बोल देते है,जो चुनाव में मुद्दा बन जाता है।कांग्रेस की विरासत थामे राहुल को अपने मन की कहने के लिए गांधी परिवार के इस वारिस को स्वतः स्फुर्तता की कीमत तो चुकानी ही पड़ेगी।बिहार को शिक्षा का केंद्र मानने वाली कांग्रेस ने सदियों से चली आ रही वैदिक संस्कृति को पाठ्यक्रम से ही गायब कर दिया।कांग्रेस का तुष्टिकरण प्रेम आज जड़ो से अलग करने का कार्य कर रहा है ।राहुल ब्रांड बिहार की धूल घुसरित गलियों में कांग्रेस ने उतार दिया है।कांग्रेस बचाने के लिए राहुल और प्रियंका को केंद्र में रखा जा रहा है।कांग्रेस को गांधी परिवार से उम्मीदे बेहिसाब है। कांग्रेस ने राहुल को आगे करके कांग्रेस की पतवार थामने का जिम्मा सौंपा है।लेकिन सतारूढ़ उनकी राजनैतिक परिपक्वता पर हर समय अंगुली उठाता आ रहा है।और यह इसलिए सही है कि उनकी रुचि भोजन बनाने,नाश्ता तैयार करने,यात्रा निकालने, जूठे आरोप लगाने और तथ्य बिना भाषण देने जैसे कार्य देश की अनास्था को बढ़ावा दे रहा है।राहुल और कांग्रेस के पास विकास के मुद्दे नही है।कांग्रेस कभी यह नही कहती है कि हम सत्ता में आने के बाद जनता के लिए वो कार्य करेंगे।देश की आलोचना करना और संविधान की किताब जगह जगह प्रदर्शित करना कांग्रेस को पीछे धकेल रही है।उनके कथन मुस्लिम अल्पसंख्यक को लुभाने के लिए पर्याप्त है।देश को साथ लेकर चलने की उनकी नियति कभी सुनने को नही मिली है।राहुल बेहतरीन प्रदर्शन कार्ड है और बिहार को देने के लिए यही सब कुछ है।जहाँ कांग्रेस सब कोई ताकत नही रही है।इनके पुरखो ने आजादी के बाद सबसे ज्यादा शासन किया।जबसे ईवीएम चलन में आया है तब से कांग्रेस पराजय हो रही है।इसलिए कांग्रेस को पुरानी पद्धति से चुनाव कराना ठीक लगता है।क्योंकि बुच कैप्चरिंग और फर्जी वोटो की कहानी हम हर चुनाव के बाद अखबारों में पड़ते थे।जब से निर्वाचन आयोग का गठन हुआ है,तब से चुनाव प्रक्रिया में सुधार हुआ है।अब एक वोट भी फर्जी तरीके से नही डाला जा सकता है।और न कोई फेरफार सम्भव है।कांग्रेस एक ऐसी विरासत थी,जिसका लोकतंत्र में कोई सानी नही था।दरअसल,कांग्रेस को गांवो में हाथ वाली सरकार कहते थे।लेकिन जब से जातिवाद का पंजा फैलने लगा है।उसके बाद तुष्टिकरण की राजनीति में बहुत फर्क आ रहा है।जनता सुशासन चाहती है।

राहुल नरम हिन्दुत्व के साथ पींगे बढ़ाने के लिये माहिर है।मोदी ने अपनी सभा मे राहुल ने शिक्षा पर उठाए गए सवाल पर मोदी ने कहा कि बिहार में हमारी एनडीए सरकार का संकल्प है कि बिहार में पढ़ाई, कमाई, दवाई व सिंचाई के मौके उपलबन्ध हो।राजद पर पांच क का निशाना साधा।मोदी ने कहा कि दोनों युवराज जमानत पर और सत्ता के लालच में दोनो साथ साथ है।चीनी लोग मैड इन बिहार की बात करने वाली कांग्रेस इतने वर्षों तक बिहार और देश के लिए विकास क्यो नही किया?राहुल ने नीतीश कुमार सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने इतने साल सत्ता में रहकर क्या किया।निशाना साधने वाले कभी अपनी सरकार पर नजर डालकर देखे कि देश मे 60 साल शासन करने के बाद भी कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह को विदेश में तवज्जो नही दी जाती थी।आज हमारी प्रखर विदेश नीति के तहत दुनिया झुक रही है।यही तो सुशासन की कड़ी है। राहुल का मकसद अस्थायी समाधान तलाशना नही है।कभी राहुल मुख्यमंत्री भी बन जाते,लेकिन उनको सीधा प्रधानमंत्री बनना है।उस दौर में बहुत अवसर थे।लेकिन अब कुंडली मार कर बैठे विकास पुरुष की वजह से केंद्र में कांग्रेस के शासन करने का समय बीत चुका है।कांग्रेस के प्रचार में सुस्ती की परत झाड़कर राहुल को तेज बनाने की कोशिश की जा रही है।राहुल के नीरस ब्यौरे तथा भीड़ भी घिसेपिटे डायलॉग से उकता चुकी है।शुरूआत में राहुल का भाषण कॉलेज में वाद विवाद में भाग ले रहे है जैसा लगता था।लेकिन इतने वर्षों के बाद भी भाषण की शैली उस तरह की है जो समझने वाले ही समझ सकते है।उनके भाषण में आज भी वजन नही है। मंच पर राहुल आज भी पहली बने हुए है।राजनीति के चलते उग्र भाषण पेल देते है।राहुल का कूदना कांग्रेस के लिए जरूरी था।लेकिन कांग्रेस की उम्मीदों पर से उस समय पानी फिर गया,जब सतारूढ़ पार्टी के विकास को राहुल चुनौती नही दे सके।राहुल अब बिहार को अपनी कर्मभूमि बनाने की सोच रहे है तो भी कांग्रेस का केंद्र में राज करने का समय नही है।देश मे विकास का उभार को देखते हुए अब जनता ज्यादा भरोसा नही कर सकती है। सतारूढ़ का विकास और देश की बढ़ती इकोनामी के साथ कानून व्यवस्था आदि पर जनता का भरोसा बढ़ता जा रहा है।

जानलेवा प्रदूषण, सरकारों की शर्मनाक नाकामी

- ललित गर्ग



भारत की वायु में जहर घुल चुका है। हाल ही में चिकित्सा जनरल में प्रकाशित एक अध्ययन ने यह निष्कर्ष दिया है कि 2010 की तुलना में 2022 में हवा में जानलेवा साबित होने वाले पीएम 2.5 कणों की मात्रा 38 प्रतिशत बढ़ चुकी है। इस वृद्धि का परिणाम यह हुआ कि भारत में सत्रह लाख से अधिक लोगों की अकाल मृत्यु वायु प्रदूषण के कारण हुई। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि मानवता की उस सांस का हिसाब है जो हमारे शहरों, गांवों और जीवन से हर दिन छीनी जा रही है। प्रदूषण अब केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं रह गया है, यह हमारे विकास, अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय के ढांचे पर गहरी चोट कर रहा है। यह भी सहज ही समझा जा सकता है कि 2022 की तुलना में अब वायु प्रदूषण ने और गंभीर रूप लेते हुए जानेलेवा हो गया है, क्योंकि बीते तीन वर्षों में इस समस्या के समाधान के लिए ठोस उपाय किए ही नहीं गए। इसका प्रमाण यह है कि इन दिनों दिल्ली समेत देश के अनेक शहर बुरी तरह प्रदूषण की चपेट में हैं। यह न केवल सरकार की शर्मनाक नाकामी है बल्कि भयावह और बेहद दर्दनाक भी है। ह्वद लेंसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ ऐंड क्लाइमेट चेंज 2025ह्व रिपोर्ट केवल तथ्य नहीं, एक गंभीर चेतावनी है। लैंसेट की रिपोर्ट ही नहीं, अलग-अलग वर्षों में विभिन्न संस्थाओं के अध्ययनों ने भी कुछ इसी तरह के चिन्ताजनक आंकड़े पेश किए हैं। भारत की विशाल आबादी के कारण भी यह संख्या बड़ी हो सकती है, मगर यह समस्या गंभीर चिंतन और तत्काल निवारक कदम उठाए जाने की मांग करती है। भारत में प्रदूषण केवल औद्योगिक उत्पादन या वाहनों की बढ़ती संख्या से नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली, असंतुलित शहरीकरण और अनियोजित निर्माण से भी बढ़ रहा है। हर शहर में धूल, धुआं और अव्यवस्था की परतें जमी हैं। निर्माण स्थलों से उठने वाली धूल, खेतों में पराली जलाने की आदत, घरेलू ईंधनों का अंधाधुंध उपयोग और बढ़ते वाहनों की भीड़-ये सब मिलकर वातावरण को घुटनभरा एवं जानलेवा बना रहे हैं। हमारे शहर अब सांसों के शत्रु बन गए हैं। बढ़ते प्रदूषण की पीड़ा नीति-निर्धारकों से नहीं, उन लोगों से पूछिए, जो खांसते-खांसते बेदम हो जाते हैं और आखिरकार कई के फेफड़े-हृदय उनका साथ देना बंद कर देते हैं। विडंबना यह है कि इनमें से ज्यादातर उस गलती की सजा भुगतने को अभिशप्त हैं, जो उन्होंने नहीं की।

वायु में मौजूद सूक्ष्म कण अब हर सांस में जहर बनकर प्रवेश कर रहे हैं। इस प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता है। कोयला, पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों ने न केवल हवा को जहरीला बनाया है बल्कि हमारे अस्तित्व की नींव को भी कमजोर कर दिया है। इन स्रोतों से होने वाले उत्सर्जन के कारण लाखों लोग असमय काल के ग्रास बन रहे हैं, लेकिन ऊर्जा नीति में सुधार की गति अत्यंत धीमी है। सरकारें बार-बार स्वच्छ ऊर्जा की बात करती हैं, योजनाएं बनाती हैं, लक्ष्य घोषित करती हैं, पर उनका क्रियान्वयन न के बराबर होता है। सबसे गंभीर तथ्य यह है कि इस प्रदूषण के शिकार सबसे अधिक वे लोग हैं जो इसके निमार्ता नहीं हैं। गरीब मजदूर, झुग्गियों में रहने वाले, बच्चे और बुजुर्ग-ये सभी उस वायु के दंश झेल रहे हैं जिसका लाभ अमीरों ने उठाया है। एक ताजा अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार, अमीर तबके का प्रदूषण में योगदान अत्यधिक है। पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की ह्वजलवायु असमानता रिपोर्ट 2025ह्व बताती है कि विश्व के सबसे धनी लोग अपनी संपत्ति और निवेशों के माध्यम से जलवायु संकट को बढ़ा रहे हैं। वैश्विक कार्बन उत्सर्जन के 41 प्रतिशत के लिए निजी पूंजी जिम्मेदार है। इसका अर्थ यह हुआ कि प्रदूषण का असली निमार्ता संपन्न वर्ग है, जबकि उसकी कीमत गरीब वर्ग अपनी सांसों और जीवन से चुका रहा है। यह असमानता केवल आय की नहीं, बल्कि पर्यावरणीय न्याय की भी है। अमीरों के पास बड़े वाहन हैं, विशाल भवन हैं, आलीशान जीवनशैली है, और वे जीवाश्म ईंधनों पर आधारित उद्योगों में निवेश करते हैं। दूसरी ओर, गरीबों के पास न तो स्वच्छ ऊर्जा है, न शुद्ध हवा। जो अमीर लोग निजी विमानों और विलासितापूर्ण संसाधनों का उपयोग करते हैं, वे एक सामान्य नागरिक की तुलना में सैकड़ों गुना अधिक प्रदूषण फैलाते हैं। यह असंतुलन हमारे समाज को विषमता और अन्याय की ओर धकेल रहा है। सरकारों की नीतिगत विफलता इस त्रासदी का दूसरा बड़ा कारण है। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए योजनाएं तो बनती हैं, पर उनमें न तो स्थायित्व होता है, न गंभीरता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, निगरानी तंत्र कमजोर है, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई नगण्य है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच जिम्मेदारी का बंटवारा अस्पष्ट है। हर साल सर्दियों में दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य शहरों की हवा जहरीली हो जाती है, तब कुछ दिन के लिए ह्वआपात कदमह्व उठाए जाते हैं, पर जैसे ही धुंध छंटती है, सब कुछ फिर पहले जैसा हो जाता है। नीतियों में पारदर्शिता का अभाव और उद्योगपतियों का दबाव भी एक गहरी समस्या है। कोयला आधारित उद्योगों, पेट्रोलियम कंपनियों और निर्माण व्यवसाय से जुड़ी लॉबी सरकारों पर ऐसा प्रभाव बनाए रखती हैं कि कठोर कदम उठाना राजनीतिक दृष्टि से असुविधाजनक बन जाता है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण को हमेशा ह्वमहंगा विकल्पह्व बताकर टाला जाता है, जबकि वास्तव में यह निवेश मानव जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा में है। वायु प्रदूषण का संकट केवल वातावरण में धूल और धुएं का मामला नहीं है, यह आर्थिक अन्याय, राजनीतिक असंवेदनशीलता और सामाजिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। जो सरकारें जनजीवन सुधारने का वादा करती हैं, वे हवा की गुणवत्ता सुधारने में विफल रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण से भारत की अर्थव्यवस्था को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दस प्रतिशत तक का नुकसान हो रहा है। यह नुकसान केवल पैसों में नहीं, बल्कि मानव संसाधन की हानि, स्वास्थ्य पर बोझ और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में भी दिखाई देता है।

बेआवाजों की आवाज ही निशाने पर : जवाबदेही किसकी?

- निमिषा सिंह

पत्रकारिता एक ऐसा पेशा जो अंततः निर्भर करता है इस एक सवाल पर ...हम आपके लिए क्या कर सकते हैं? हम पत्रकार उन लोगों की आवाज बनते है जिनके अधिकारों का उल्लंघन हो रहा होता है और उन्हें अपने अधिकारों के लिए लड़ने में सशक्त बनाते हैं। सूचना के प्रसार के साथ साथ हम मानवाधिकार उल्लंघनों को उजागर करते है जिससे जवाबदेही तय करने में मदद मिलती है किन्तु बात जब पत्रकारो की सुरक्षा और उनके मानवाधिकार पर प्रहार की हो तो जवाबदेही किसकी? निसंदेह मजूदा समय में पत्रकारिता उच्च जोखिम और कम वेतन वाली नौकरियों का पर्याय बन गई है। कार्यदिवसों और साप्ताहिक अवकाशों के मामले में काम करने की परिस्थितियाँ और निरंतर मिल रही धमकियां यकीनन हमारे लिए अप्रिय होती हैं बावजूद इसके हम डटकर सच के साथ खड़े हैं पर आखिर कब तक? ज्ञात हो कि पिछले दस वर्षों में देश में पत्रकारों पर हमलों और हत्याओं के नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। सच्चाई और सच बोलने वालों को निरंतर निशाना बनाया जा रहा है । इस विषय के गंभीरता को देखते हुए गत सप्ताह राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 30 अगस्त 2025 को केरल एवं मणिपुर तथा 21 सितंबर 2025 को त्रिपुरा में अलग-अलग जगहों पर तीन पत्रकारों पर हुए जानलेवा हमले के बारे में मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया और इसी क्रम में तीनों राज्यों के पुलिस महानिदेशकों से दो सप्ताह के भीतर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट पेश करने को कहा। ज्ञात हो कि त्रिपुरा में एक पत्रकार पर कुछ बदमाशों ने लाठियों और धारदार हथियारों से उस समय हमला किया जब वह पश्चिमी त्रिपुरा के हेजामारा इलाके में एक राजनीतिक दल के वस्त्र वितरण कार्यक्रम में शामिल हो रहे थे। मणिपुर में सेनापथी ज़िले के लाई गांव में एक पुष्प उत्सव की कवरेज के दौरान एक पत्रकार पर एयर गन से दो बार गोली मारी गई। केरल में थौदुपुझा के पास मंगट्टुकवाला में एक पत्रकार पर लोगों के एक समूह ने हमला किया।अफसोस कि इससे पहले भी देश के विभिन्न हिस्सों में पत्रकारों पर कई जानलेवा हमले हुए लेकिन राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने उनका कोई संज्ञान नहीं लिया था। खैर देर से ही सही किसी ने तो पत्रकारों की सुध ली। कहते है कि जब पत्रकार सच्चाई के लिए खड़े होते हैं, तो दुनिया उसके साथ खड़ी हो जाती है। अब यह सब बातें सिर्फ सुनने में ही अच्छी लगती है। सच्चाई तो यह है कि कई पत्रकार जान का खतरा देखते हुए संवेदनशील मुद्दों पर रिपोर्टिंग करने से अब पीछे हटने लगे हैं। दुनिया भर में पत्रकारों की असुरक्षा के आंकड़े काफी चिंताजनक हैं। ह्वकमिटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्सह्व के अनुसार, 1992 से अब तक 1400 से अधिक पत्रकारों की हत्या कर दी गई। उनमें से 890 से अधिक पत्रकारों के किसी भी हत्यारे को कभी न्याय के कटघरे में लाया तक नहीं गया। दोषियों पर कार्रवाई नहीं किया जाना उन्हें दंड से मुक्ति देने के ही समान है। पिछले कुछ दशकों में भारत में बड़ी संख्या में पत्रकारों की हत्या हुई जिनमें पिछले 20 वर्षों (2003-2022) में 1668 पत्रकारों की मौत दर्ज की गई है जो औसतन प्रति वर्ष 80 की दर से है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की 2025 की रिपोर्ट में भारत की स्थिति पर कही गई टिप्पणी में लिखा है कि 2014 में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद भारत की मीडिया एक अनौपचारिक आपातकाल की स्थिति में आ गई है।

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में सराहना मिलेगी। जीवनसाथी के साथ निजी संबंध और अधिक मजबूत होंगे।

वृषभ आज किस्मत का आपका पूरा साथ मिलेगा और कारोबार विस्तार के नए अवसर भी सामने आएंगे।

मिथुन परिवार और दोस्तों से अपेक्षित सहयोग न मिलने से निराशा संभव है।

कर्क कर्क राशि के जातकों का परिवार और कार्यक्षेत्र में दृष्टिकोण सकारात्मक रहेगा।

सिंह आज दूसरों से अधिक अपेक्षाएं न रखें। कार्यक्षेत्र में निर्णय लेते समय स्पष्ट सोच आवश्यक है।

कन्या आज आपके आस-पास के माहौल में तेजी से बदलाव देखने को मिलेगा।

तुला लंबे समय से चल रही कोई परियोजना आज के दिन पूरी होने से आपको राहत मिलेगी।

वृश्चिक आज ऊर्जावान रहेंगे और हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहेंगे।

धनु कोई मिथुन राशि का व्यक्ति आपके जीवन में नई प्रसन्नता लेकर आएगा।

मकर आत्मचिंतन और ध्यान से नई दिशा मिलेगी। इस दौरान अत्यधिक भावुकता से बचें ।

कुंभ दिन थोड़ा सावधान रहना होगा। छोटी सी लापरवाही से कोई सुनहरा मौका हाथ से निकल सकता है।

मीन दिन आत्मविश्वास बनाए रखना होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी रचनात्मकता की सराहना होगी।

विशेष

चुनाव आयोग के खिलाफ अब जमीनी लड़ाई?

केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट की सर-परस्ती होने के कारण राजनीतिक दलों और आम जनता का विश्वास चुनाव आयोग पर पूरी तरह से खत्म हो गया है।जनता अब सुप्रीम कोर्ट में लड़ाई लड़ने के स्थान पर जमीनी स्तर पर लड़ाई लड़ने की बात करने लगी है। राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन भी आंदोलन करने लगे हैं। चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, सरकार द्वारा बनाए गए कानून तथा एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केवल तारीख पर तारीख देने का काम किया है। चुनाव याचिकाओं पर भी कछुआ के चाल की तरह सुनवाई हो रही है। न्यायपालिका से न्याय नहीं मिल रहा है। अब जनता स्वयं न्याय करने की मुद्रा में आ गई है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं और लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। जनता के पास अब और कोई विकल्प भी नहीं रह गया है। ऐसा लोगों का कहना है।

बिहार के चुनाव में कर्पूरी ठाकुर?

बिहार विधानसभा के चुनाव में कर्पूरी ठाकुर एक बड़ा मुद्दा बन गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्पूरी ठाकुर की प्रशंसा की। 1978 में आरक्षण के मुद्दे पर सहयोगी दल जनसंघ ने कर्पूरी ठाकुर की सरकार से समर्थन वापस लेकर सरकार को गिरा दिया था। अब भाजपा उनके गुण गा रही है। बिहार में विधानसभा का चुनाव जो है। विपक्षी दल भाजपा के चरित्र को उजागर कर रहे हैं। इस चुनाव में कर्पूरी ठाकुर का जिस तरह से उपयोग सत्ता पक्ष विपक्ष कर रहा है।वह देखने लायक है। राजनीति में जो वोट दिलाने मैं सक्षम होता है।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1483: बैंकिंघम के ड्यूक को मौत के घाट उतार दिए गए। 1534: सिख गुरू रामदास का जन्म। 1774: राबर्ट क्लाइव ने इंग्लैंड में आत्महत्या कर ली। 1841: ब्रिटिश सेना के अधिकारियों की हत्या के बाद दूसरा अफगान युद्ध शुरू हुआ। 1955: डेविड बेन गुरियन ने इजरायल में सरकार का गठन किया। 1956: हंगरी वारसा संधि से अलग हुआ। 1964: सऊदी अरब में शाह फैजूल गद्दी पर बैठे। 1988: श्रीलंका सरकार ने पूरे देश में रात्रिकालीन कर्फ्यू लागू किया था। 1990 :अयोध्या में हुई गोलीबारी में 18 मरे। 1991: यूगोल्साव सेना ने क्रोएशिया पर नए सिरे से हमला किया। 1992 :बास्केटबॉल के जाने माने खिलाड़ी मैजिक जानसन ने अवकाश ग्रहण करने की दोबारा घोषणा की। 1994: मिस्त्र में एक तेल टैंकर में हुए विस्फोट से चार सौ से अधिक लोग मारे गए।

दैनिक पंचांग

2 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.15 ब.से
चंद्र	मीन में	धनु	09.31 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.36 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.22 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.55 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	16.26 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.06 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.04 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.17 बजे से
		सिंह	00.33 बजे से
राहुकाल		कन्या	02.45 बजे से
4.30 से 6.00 बजे तक		तुला	04.56 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

रविवार 2025 वर्ष का 306 वा दिन दिशाशूल पश्चिम ऋतु शरद। विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947 मास कार्तिक पक्ष शुक्ल तिथ

संक्षिप्त समाचार

ठोस चार्जशीट दाखिल करने के लिए एसीबी आरोपियों के विरुद्ध जुटा रहा पुख्ता साक्ष्य

रांची, एजेंसी। शराब घोटाला में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी)इस बार पुख्ता साक्ष्यों के साथ एसीबी आरोपियों के विरुद्ध चार्जशीट भी दाखिल करने की तैयारी में है। अबतक की छापेमारी के दौरान दो भी डिजीटल उपकरण, दस्तावेज व अन्य सामग्रियों को जब्त किया गया है, उसके आधार पर आरोपियों के विरुद्ध साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। एसीबी ने इस मामले में 20 मई को प्राथमिकी दर्ज करने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की थी। लेकिन गिरफ्तारी से निर्धारित समय सीमा 90 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल नहीं करने की वजह से इस मामले के अधिकांश आरोपी जमानत पर जेल से बाहर आ गए ।एसीबी ने शराब घोटाले में जांच फिर से तेज की है। फर्जी बैंक गारंटी पर शराब दुकानों में मैनपावर आपूर्ति का ठेका लेने वाली प्लेसमेंट एजेंसी से जुड़े तीन संचालकों की गिरफ्तारी तथा नेक्सजेन आटोमोबाइल के संचालक विनय सिंह के ठिकानों पर छापेमारी कर 198 फाइल जब्त किए गए हैं ।एसीबी मुख्यालय में शुक्रवार को भी उत्पाद विभाग के दो पूर्व सचिव मनोज कुमार व मुकेश कुमार से छह घंटे तक पूछताछ हुई। पूर्व सचिव मनोज कुमार से लगातार तीन दिनों तक व मुकेश कुमार से लगातार दो दिनों तक पूछताछ पूरी हो चुकी है। हइन दोनों को आने वाले दिनों में फिर से पूछताछ के लिए बुला सकती है।

डीएमएफटी से अलग हुए दो चिकित्सक आयुष्मान से जुड़कर देंगे सेवा

धनबाद, एजेंसी। सदर अस्पताल में डीएमएफटी मद से बहाल 11 चिकित्सकों की सेवा शुक्रवार को समाप्त हो जायेगी. इनमें से दो चिकित्सकों को आयुष्मान भारत योजना से जुड़ने का निमंत्रण जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से दिया गया है. इनमें सर्जन डॉ संजीव गोलास व ऑर्थोपेडिक चिकित्सक डॉ मुकेश प्रसाद शामिल हैं. शुक्रवार को दोनों चिकित्सकों को आयुष्मान योजना के तहत जुड़कर अस्पताल में सेवा देने संबंधित पत्र सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा के माध्यम से प्रदान किया जायेगा. इसके बाद दोनों चिकित्सकों को प्रति मरीज चिकित्सीय परामर्श पर 300 रुपये का भुगतान किया जायेगा. इन चिकित्सकों से किस-किस दिन सेवा ली जायेगी. इस संबंध में अगले कुछ दिनों में निर्देश जारी किया जायेगा. उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर सभी चिकित्सकों को सेवा मुक्ति संबंधित पत्र दिया जा चुका है. डीएमएफटी से सेवा समाप्त हुए चिकित्सकों में इन दोनों चिकित्सक के अलावा डेंटिस्ट डॉ स्नेहा केशरी, डॉ सुधीर कुमार, डॉ नीतीश कुमार पांडेय, एमओ डॉ पीयूष पानी पांडेय, डॉ रीना जायसवाल, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ मनोज कुमार, पेडियाट्रिशियन डॉ राजेंद्र कुमार, गायनेकोलॉजिस्ट डॉ रूमा प्रसाद, एमओ डॉ सैयद मासूम आलम आदि शामिल हैं. सदर अस्पताल में पेडियाट्रिशियन की पहले से कमी है. डीएमएफटी से बहाल एक चिकित्सक की सेवा समाप्त होने के बाद गैप और बढ़ गया है. इस स्थिति से निबटने के लिए अन्य केंद्रों के तीन चिकित्सकों से सप्ताह में दो-दो दिन कर सेवा लेने का निर्णय लिया गया है. एसएनएमएमसीएच के एसएनसीयू विभाग में कार्यरत डॉ विश्वजीत प्रताप सिंह, सीएचसी निरसा के डॉ अजहरूल हक शाही व एमओ डॉ कुमार गौतम सप्ताह में दो-दो दिन सदर अस्पताल के पेडियाट्रिक विभाग में सेवा देंगे.

जामताड़ा, गुमला और लोहरदगा में ब्लड बैंक बंद, नहीं मिल रहा खून

रांची, एजेंसी। चाईबासा सदर अस्पताल में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित खून चढ़ाने के बाद राज्यभर के ब्लड बैंकों की व्यवस्था कटघरे में खड़ी हो गई है। ब्लड बैंकों में खून की जांच की प्रक्रिया और उसकी गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। इसे देखते हुए ब्लड डोनर्स रिप्लेसमेंट पर रोक के अगले दिन शुक्रवार को उन ब्लड बैंकों को बंद कर दिया गया, जहां एलाईजा रीडर मशीन नहीं है। इससे कोडरमा के बाद जामताड़ा, गुमला और लोहरदगा में भी ब्लड बैंकों पर ताले लटक गए। यहां के मरीज उन जिलों पर निर्भर हो गए, जहां खून जांच के लिए एलाईजा मशीन उपलब्ध है। राज्य में कुल 82 ब्लड बैंकों में से 45 बिना लाइसेंस के चल रहे हैं। कई जिलों में रैपिड किट से खून की जांच हो रही थी। स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह ने शुक्रवार को रैपिड किट से खून की जांच बंद करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में मशीन नहीं है, वहां ब्लड बैंक को बंद करें। तत्काल एलाईजा मशीन की खरीदारी करें। सचिव के निर्देश के बाद जामताड़ा ब्लड बैंक में स्टॉक में रखे 39 यूनिट खून को जांच के लिए धनबाद भेज दिया गया है। वहीं गुमला ब्लड बैंक में रखे 206 यूनिट खून को जांच के लिए रांची भेजा गया है। इन जिलों में ब्लड बैंक बंद होने से जरूरतमंद मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। उनके परिजन खून के लिए दर-दर भटक रहे हैं। क्योंकि सरकारी स्तर पर खून नहीं मिल रहा है और निजी ब्लड बैंकों में खून के बदले पैसों की वसूली हो रही है।1 बच्चे को जन्म देने के बाद नहीं मिल रहा खून... गुमला की निर्मला ने शुक्रवार सुबह ममता वाहन में बेटे को जन्म दिया। उसे खून की जरूरत थी, लेकिन नहीं मिला।

अति पिछड़ों को गोलबंद कर सरकार पर दवाब बनाने में जुटा प्रदेश वैश्य मोर्चा,

13 नवंबर को करेंगे राजभवन मार्च

रांची, एजेंसी। झारखंड राज्य में पिछड़ों को गोलबंद कर सरकार पर दवाब बनाने में जुटा वैश्य मोर्चा ने आगामी 13 नवंबर को राजभवन मार्च करने का निर्णय लिया है। इसको लेकर आगामी रणनीति पर शुक्रवार को हुई बैठक में चर्चा की गयी। अपने सातवें स्थापना दिवस के मौके पर झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि राज्य में वैश्यों के अधिकार को लेकर संगठन हमेशा आंदोलनरत रहा। जिसके कारण नगर निकाय चुनाव में ट्रिपल टेस्ट, पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन हुआ है। इसके बावजूद आज भी पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण का मामला लंबित है।

उन्होंने कहा कि वैश्य मोर्चा का जन्म ही विपरित परिस्थितियों से लड़ने और वैश्य समाज को अधिकार दिलाने के लिए हुआ है। वैश्य मोर्चा कोई आम सामाजिक संगठन नहीं है कि साल में एक बार खानापूर्ति के लिए कार्यक्रम कर दिया जाए। बल्कि वैश्य मोर्चा मुद्दों और नीतियों के साथ आगे बढ़ने का संकल्प ले कर चलती है। उन्होंने कहा कि अपने लोगों सम्मान करना और जरूरत पड़ने पर लड़ कर सम्मान बचाना हमारा उद्देश्य है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।



वैश्य समाज के लोगों को किया गया सम्मानित: झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा ने अपने सातवें स्थापना दिवस के मौके पर विशिष्ट कार्य के लिए कई लोगों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु और कार्यकारी अध्यक्ष रेखा मंडल एवं हीरानाथ साहु द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ। विजय राज, अति विशिष्ट अतिथि डॉ। अशोक कुमार एवं समाजसेवी राजेश गुप्ता द्वारा पांच प्रबुद्धजनों को वैश्य रत्न एवं पांच कार्यकर्ताओं को उत्कृष्ट वैश्य की उपाधि से सम्मानित किया गया। वैश्य रत्न से सम्मानित होनेवालों में सुरेन्द्र प्रसाद साहु (क्रीड़ा क्षेत्र), अशोक मंडल (अभियंत्रण), डॉ। अमित साहु (चिकित्सा अध्ययन), अनुश्री रैना (नेत्र चिकित्सा), चंदन चौधरी (पत्रकारिता), कमल केडिया (उद्योग) शामिल हैं। झारखंड से बाहर होने के कारण कमल केड़िया नहीं आ सके। इन्हें बाद में सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर बेहतर कार्य करने वाले पांच कार्यकर्ताओं को भी संगठन ने सम्मानित किया। सम्मानित होनेवालों में बड़कागांव के मिथिलेश साव, ओरमांझी के लक्ष्मण साहु, अरगोड़ा के सहदेव चौधरी, कांके के आदित्य पोद्दार एवं देवघर के राजकुमार बर्नवाल शामिल हैं।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ। विजय राज ने कहा कि वे वैश्य मोर्चा शुरूआत दिनों से जुड़े हुए हैं। वैश्य मोर्चा ने समाज को जगाने और संगठित करने का काम किया है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। डॉ। राज ने कहा कि संगठन के बिना समाज अधूरा और असुरक्षित है। संगठन से ताकत और सहारा मिलता है। इसलिए वैश्य मोर्चा और मजबूत करने की जरूरत है। सभी वैश्यों को साथ देने के लिए आगे आने की जरूरत है।

विशिष्ट अतिथि एवं झारखंड प्रदेश शौंडिक (सूढ़ी) समाज के अध्यक्ष डॉ। अशोक कुमार ने कहा कि मैंने भी एक बार प्रयास किया था लेकिन उतना सफलता नहीं मिल सका। महेश्वर साहु एवं इनके साथियों ने यह कारनामा कर दिखाया है और कुछ हद तक वैश्य समाज को जागरूक एवं संगठित कर दिया है। विशिष्ट अतिथि एवं समाजसेवी राजेश गुप्ता ने कहा कि दल से उपर समाज होता है। आज सभी नेता अपनी जाति को प्राथमिकता देते हैं तो वैश्य समाज के नेताओं और मंत्रियों को भी इस पर विचार करना चाहिए। अन्यथा बाद में उन्हें पछताना पड़ेगा।

1 लाख कॉपियों का मूल्यांकन 4 से:अब रांची में ही होगी स्नातक की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच

रांची, एजेंसी। रांची विश्वविद्यालय ने स्नातक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं की मूल्यांकन प्रणाली में बड़ा बदलाव किया है। अब पीजी की तरह यूजी कला, विज्ञान और वाणिज्य स्ट्रीम की कॉपियों का मूल्यांकन राजधानी रांची में ही किया जाएगा। इसके लिए यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा चार कॉलेजों में मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है। मूल्यांकन कार्य 4 नवंबर से शुरू होगा। फिलहाल, कॉपियों की जांच के लिए परीक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार स्नातक फर्स्ट (सेशन 2024-28) और फिफ्थ सेमेस्टर (सेशन 2022-26) के लगभग 50 हजार छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं जांची जानी हैं। इनमें फर्स्ट सेमेस्टर के 26 हजार और फिफ्थ सेमेस्टर के 24 हजार छात्र शामिल हैं। राजधानी स्थित जिन कॉलेजों में मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है, उसमें वीमेंस कॉलेज रांची, निर्मला कॉलेज, गोस्सनर कॉलेज और डोरंडा कॉलेज शामिल हैं। बताते चलें कि यूजी फर्स्ट और फिफ्थ सेमेस्टर की परीक्षा अक्टूबर पहले और तीसरे सप्ताह में समाप्त हुई है।

शिक्षकों की कमी विवि के लिए अब भी बड़ी चुनौती है। पिछले सात वर्षों से नई नियुक्ति नहीं हुई है, जबकि हर महीने कई शिक्षक रिटायर हो रहे हैं।

21 जोड़े के सामूहिक विवाह को लेकर जरीडीह बाजार में बैठक

बोकारो, एजेंसी। जरीडीह बाजार स्थित अग्रवाल भवन में 23 नवंबर को होने वाले सामूहिक विवाह की तैयारी को लेकर गुरुवार को बैठक की गयी। अध्यक्षता अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल व संचालन कृष्ण कुमार चांडक ने किया। अनिल अग्रवाल ने कहा कि आगामी 23 नवंबर को अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा व अग्रवाल परिवार द्वारा अग्रसेन भवन दामोदर नाथ महादेव मंदिर जरीडीह बाजार के प्रांगण में होने वाले 21 जोड़े का विवाह कराया जायेगा।

इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम के लिए विभिन्न गांवों, कस्बों और शहरी इलाकों से लोगों ने नि- शुल्क पंजीकरण कराया है। कुछ रजिस्ट्रेशन होना है। इस सामूहिक विवाह वैसे लोगों के लिए किया जा रहा है, जो आर्थिक रूप से कमजोर होने की वजह से अपने बच्चों की शादी करने में असमर्थ हैं, वैसे लोगों का विवाह कराना है, जिसमें अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा तथा अग्रवाल परिवार की ओर से वर और वधू को शादी का जोड़ा अटैची, आलमारी, पलंग, किचन सेट, भोजन सहित अन्य उपहार दिया जायेगा। इच्छुक जोड़े अपना पंजीकरण आवासीय कार्यालय जरीडीह बाजार में करा सकते हैं।

मौके पर प्रेम गोयल, बृजेश साव, राजू बोरा, संजय बोरा, अरशद, हितेश मेहता, शरद अग्रवाल, आनंद केसरी, अजय कुमार, भोलू चंद भगत, नीरज कुमार, महेश अग्रवाल, बृजेश कुमार पटवा, विनोद चौरसिया, मनोज अग्रवाल, प्रदीप साव, शिव शंकर सोनी, रोशन सिंह, मुकेश सिन्हा, सुरेश कुमार श्रीवास्तव, अश्वनी सोनी, शिव प्रकाश पांडे, कुणाल साहनी, कपिल कुमार, गुड्डू सोनी सहित कई लोग उपस्थित थे।

कोडरमा में झुंड से बिछड़ा हाथी कर रहा उत्पात

परसाबाद स्टेशन के आगे रेलवे फाटक तोड़ा

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले में हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहले खेतों में लगी फसलें रौंदने और कई घरों को नुकसान पहुंचाने के बाद अब हाथियों ने रेलवे संपत्ति को निशाना बनाया है। बीती रात धनबाद-गया रेलखंड पर परसाबाद स्टेशन के आगे गड़गी रेलवे फाटक पर हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। झुंड ने रेलवे फाटक के लोहे के बूम को तोड़ दिया, जिससे कुछ देर के लिए रेल परिचालन बाधित होने की आशंका बनी रही। हालांकि समय रहते स्थिति को संभाल लिया गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। यह फाटक ग्रामीण सड़क पर स्थित है। रात का समय होने के कारण सड़क मार्ग पर कोई बड़ी बाधा नहीं आई।



लोहे का बूम तोड़ा, आरपीएफ ने की मरम्मत : हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन के आरपीएफ प्रभारी विश्वनाथ कुमार ने बताया कि उन्हें देर रात परसाबाद स्टेशन के पास स्थित गड़गी रेलवे फाटक के दक्षिणी छोर पर बूम के टूटने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और फाटक को तत्काल लोहे की जंजीर से घेरकर सुरक्षा सुनिश्चित की। आरपीएफ टीम ने बताया कि फाटक का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसे बाद में मरम्मत कर लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि रेल परिचालन को किसी भी तरह का नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन ऐसी घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर संकेत हैं।

40 हाथियों के झुंड से बिछड़ा हाथी कर रहा उत्पात : वन विभाग के अनुसार, 22 अक्टूबर की रात जयनगर थाना क्षेत्र के परसाबाद इलाके में करीब 40 हाथियों का झुंड देखा गया था। वनकर्मियों ने अगले दिन उन्हें जंगल की ओर खदेड़ दिया था। संभावना जताई जा रही है कि उसी झुंड से अलग हुआ एक हाथी अपने समूह की तलाश में इधर-उधर भटक रहा है और इसी कारण लगातार उत्पात मचा रहा है। हाथी के रेलवे फाटक तोड़ने की घटना से यह स्पष्ट है कि बीती रात एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना के बाद जयनगर, परसाबाद और मरकच्चो प्रखंड के ग्रामीणों में फिर से दहशत का माहौल है। लोग रात में घरों के बाहर पहरा दे रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से इलाके में गश्ती बढ़ाने और हाथी को सुरक्षित पकड़कर उसके समूह तक पहुंचाने की मांग की है।

पलामू में सदर अंचल के खिलाफ मोर्चा, कई राजनीतिक दल और संगठन हुए लामबंद

पलामू, एजेंसी। जिला के सदर अंचल कार्यालय में हंगामा के आरोप में गिरफ्तार हम पार्टी के जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी को गुरुवार को न्याय हिरासत में भेज दिया गया। इस घटना के बाद सदर अंचल कार्यालय और पदाधिकारी के खिलाफ कई राजनीतिक दल और संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है।



इन सभी ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए अंचल पदाधिकारी और कर्मियों पर कार्रवाई की मांग किया है। विभिन्न राजनीतिक दल से जुड़े हुए लोग एक मंच पर जुटे हैं। सभी ने कहा है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर आशुतोष तिवारी के खिलाफ कार्रवाई हुई है। सभी ने एक सुर में आंदोलन की घोषणा की है।

पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के मीडिया चेयरमैन मणिकांत सिंह ने कहा कि घटना दुर्भाग्यपूर्ण है पूरे मामले में प्रशासन को सीसीटीवी फुटेज जारी करना चाहिए। पूरे मामले में डीसी और मुख्य सचिव से शिकायत की जाने की जरूरत है। इधर सदर अंचल के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के ज्योति पांडेय, लोजपा के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, हम पार्टी के महासचिव और राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के सदस्यों ने संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की।

भारतीय जनता पार्टी के ज्योति पांडेय ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर कार्रवाई हो रही है, सदर अंचल पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जरूरत है। लोजपा के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने कहा कि इस तरह की घटनाओं के खिलाफ लोग चुप नहीं बैठेंगे जोरदार आंदोलन किया जाएगा।

वहीं राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के विकास दुबे ने कहा कि सदर अंचल पदाधिकारी को बर्खास्त करने की जरूरत है और उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। युवा वाहिनी के तरफ से एक आधिकारिक प्रेस बयान भी जारी किया गया है और सदर अंचल पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

पाकुड़ मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव में पत्थर व्यवसायी को मारी गोली; मौत

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव में शुक्रवार देर रात पत्थर व्यवसायी मगबूल शेख उर्फ शेखू (45 वर्ष) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार, रात में वे अपने घर के पास स्थित चाय दुकान पर चाय पीने गए थे। उस दौरान बारिश शुरू हो जाने से वे वहीं रुक गए। देर रात जब बारिश थमी और वे घर लौटने लगे। तभी रास्ते में पहले से घात लगाए छह लोगों ने उन पर हमला कर दिया। हमलावरों में से एक ने उनकी पीठ पर गोली मार दी। जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। गोली चलने की आवाज सुनकर घरवाले बाहर दौड़े, लेकिन तब तक सभी हमलावर मौके से फरार हो चुके थे।

अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम

घायल अवस्था में मगबूल शेख को परिजन और ग्रामीणों की मदद से सोनाजोड़ी सदर अस्पताल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन उन्हें इलाज के लिए पश्चिम बंगाल के एक अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना की खबर फैलते ही गांव में मातम छा गया। मृतक अपने पीछे दो पुत्र और एक पुत्री को छोड़ गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मगबूल शेख एक शांत स्वभाव के व्यक्ति थे। गांव में पत्थर कारोबार के लिए जाने जाते थे। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

पुराने विवाद में हत्या की आशंका

घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी गौरव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने पूछताछ के लिए कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। मृतक के पुत्र जमाल शेख ने गांव के ही दानारुल शेख, उसके पुत्र लालून शेख और चार अन्य लोगों पर हमला करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि वर्ष 2023 में दानारुल शेख से उनके पिता का विवाद हुआ था। उसी रंजिश में यह हत्या की गई। जमाल ने बताया कि लालून शेख ने ही गोली चलाई थी, जो पीठ में लगी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। फिलहाल लखनपुर गांव में सन्नाटा पसरा है।



सीआरपीएफ इंस्पेक्टर कौशल मिश्रा शहीद, सारंडा में नक्सली आईईडी विस्फोट में गंभीर रूप से हुए थे घायल

चाईबासा, एजेंसी। सीआरपीएफ इंस्पेक्टर कौशल कुमार मिश्रा का गुरुवार को दिल्ली एम्स में निधन हो गया। वे 10 अक्टूबर को पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा जंगल में हुए नक्सली आईईडी विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हुए थे। उन्हें शहीद का दर्जा दिया गया है। पश्चिमी सिंहभूम के एसपी अमित रेणु ने बताया कि इंस्पेक्टर कौशल कुमार मिश्रा सीआरपीएफ की 60वीं बटालियन के साथ नक्सल विरोधी अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। सारंडा क्षेत्र में माओवादियों द्वारा लगाए गए आईईडी विस्फोट में उनके बाएं पैर में गंभीर चोटें आई थीं।

11 अक्टूबर से दिल्ली एम्स में चल रहा था इलाज

घटना के बाद उन्हें हेलिकॉप्टर से एयर लिफ्ट कर पहले राउरकेला, फिर रांची और अंततः



दिल्ली एम्स भेजा गया था। 11 अक्टूबर से उनका इलाज दिल्ली एम्स में चल रहा था। 30 अक्टूबर की सुबह उनकी स्थिति गंभीर हो गई और उनका निधन हो गया। इंस्पेक्टर कौशल कुमार मिश्रा मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर जिले के रहीमपुर गांव के निवासी थे।

यह घटना 10 अक्टूबर को सारंडा के जराईकेला थाना क्षेत्र अंतर्गत समठा और बाबूडेरा के जंगलों में हुई थी। पुलिस और सीआरपीएफ का संयुक्त अभियान चल रहा था, तभी नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट किया। इस विस्फोट में इंस्पेक्टर कौशल कुमार मिश्रा के साथ सब इंस्पेक्टर रामकृष्ण गागराई और हवलदार महेंद्र लस्कर भी घायल हुए थे। इस हमले में घायल हुए हवलदार महेंद्र लस्कर की 11 अक्टूबर को ही इलाज के दौरान मौत हो गई थी। वहीं, झामुमो विधायक दशरथ गागराई के भाई सब इंस्पेक्टर रामकृष्ण गागराई अभी भी इलाजरत हैं।

साहिबगंज में ज्वेलरी शॉप से 15 लाख के जेवरात चोरी

साहिबगंज, एजेंसी। साहिबगंज के तीनपहाड़ बाजार में इन दिनों चोरों के हौसले बुलंद हो गए हैं। शुक्रवार देर रात भगत मोहल्ला स्थित सोनार पट्टी में चंचला ज्वेलर्स की दुकान में अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर अंदर प्रवेश किया। लोहे की तिजोरी का ताला तोड़कर सोने-चांदी के कीमती आभूषण लेकर फरार हो गए। इस चोरी की अनुमानित कीमत करीब 10 से 15 लाख रुपए बताई जा रही है। घटना की खास बात यह रही कि यह चोरी तीनपहाड़ थाना से महज 100-150 मीटर की दूरी पर हुई, जिससे स्थानीय व्यापारियों में भारी आक्रोश है।



देर रात छह से सात नकाबपोशों ने की चोरी : दुकानदार अरुण सोनी ने बताया कि वह रोज की तरह दुकान बंद कर घर चले गए थे। देर रात करीब डेढ़ बजे कुछ लोगों ने फोन पर सूचना दी कि दुकान के पास संदिग्ध गतिविधि हो रही है। जब वे परिजनों के साथ मौके पर पहुंचे, तब तक चोर हथियार लहराते हुए भाग निकले। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, छह से सात नकाबपोश अपराधी घटना में शामिल थे, जिन्होंने पहले दुकान का शटर तोड़ा। फिर अंदर रखी तिजोरी का ताला तोड़कर लगभग पांच किलो चांदी व सोने के गहने लेकर फरार हो गए। बताया गया कि चोरों ने वारदात के दौरान दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को तोड़कर साथ ले लिया ताकि उनकी पहचान न हो सके।

व्यापारियों में आक्रोश, सड़क जाम कर जताया विरोध : घटना की जानकारी मिलते ही तीनपहाड़ थाना प्रभारी एम.के. पांडेय दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है। चोरी की इस घटना से नाराज स्थानीय व्यापारियों ने लगभग एक घंटे तक अपनी दुकानें बंद रखीं। सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। थाना प्रभारी से बातचीत के बाद व्यापारियों ने जाम हटाया। थाना प्रभारी एमके पांडेय ने बताया कि मामले की जांच तेजी से की जा रही है। जल्द ही अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। व्यापारी पुलिस से रात में गश्ती बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।



टेक्नोलाजी की मदद से करें स्मार्ट पढ़ाई

स्मार्ट पढ़ाई करने के लिए आप को किताबों की जरूरत नहीं है। बिना किताबों के भी अब आप अपनी पढ़ाई को जारी रख सकते हैं। स्मार्ट पढ़ाई करने में टेक्नोलाजी आप की पूरी मदद करेगी।

स्मार्ट पढ़ाई करने के लिए आप को किताबों की जरूरत नहीं है। बिना किताबों के भी अब आप अपनी पढ़ाई को जारी रख सकते हैं। स्मार्ट पढ़ाई करने में टेक्नोलाजी आप की पूरी मदद करेगी। नौकरी सर्च करनी हो, पढ़ाई करनी हो ऐसी सैंकड़ों ऐप्लीकेशन मौजूद हैं जो आपकी मदद कर सकते हैं। कम्पीटीटिव एग्जाम वाली ऐप्लिकेशन्स को गूगल प्ले स्टोर या एंड्रॉयड मार्केट से फ्री में डाउनलोड कर आप कभी भी पढ़ाई कर सकते हैं।

इंडिया जीके क्वेशचन

हर कंपटीशन में देश से जुड़े जनरल नॉलेज के सवाल पूछे जाते हैं। गवर्नमेंट एग्जाम में जनरल नॉलेज महत्वपूर्ण सेक्शन होता है। इसलिए बेहतर तैयारी के लिए बनाई गई है इंडिया जीके क्वेश्चन ऐप्लिकेशन। इस ऐप की खासियत है कि इसमें इतिहास, भूगोल, विज्ञान, संविधान और सामान्य ज्ञान के सवालों का क्वेश्चन बैंक है। इन्हें सॉल्व कर छात्र परीक्षा के लिए अपनी प्रैक्टिस करते हैं। इस ऐप्लिकेशन में भारत के इतिहास, भूगोल, विज्ञान, संविधान से जुड़े सवालों की पूरी जानकारी दी गई है।

ऑफलाइन डिक्शनरी ऐप

अंग्रेजी पर पकड़ बनाये बिना आप कोई भी कंपटीशन नहीं जीत सकते हैं। ज्यादातर छात्रों को अंग्रेजी में समस्या होती है लेकिन अब उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। कई ऐसी ऐप स्मार्टफोन पर मौजूद हैं जिनसे छात्र न सिर्फ अपनी भाषा सुधार सकते हैं बल्कि अंग्रेजी शब्दों का कोष भी बना सकते हैं। हिन्दी से इंग्लिश और इंग्लिश से हिन्दी ट्रांसलेशन के लिए कई ऑफलाइन ऐप्लिकेशन मौजूद हैं। ऑक्सफोर्ड और ब्रिटिश डिक्शनरी ऐप भी मौजूद हैं जहां आप आसानी से अंग्रेजी भाषा पर अपनी पकड़ बना सकते हैं।

ऐप्टीट्यूट रीजनिंग ट्रिक्स

रीजनिंग प्रतियोगी परीक्षाओं में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण टॉपिक होता है। अगर आप को ट्रिक पता है तो रीजनिंग के सवाल काफी कम समय में आसानी से सॉल्व हो जाते हैं। ट्रिक पता न होने पर यह सबसे ज्यादा टाइमटेकिंग होते हैं जो आप का मूड चकरा कर रख देंगे। ऐप्टीट्यूट रीजनिंग ट्रिक्स ऐप में रीजनिंग के सवालों को हल करने के लिए काफी आसान ट्रिक्स बताए गए हैं। इस ऐप में दिए गए शॉर्टकट ट्रिक्स के जरिए छात्र प्रतिदिन सवालों को सॉल्व करने की ढेरों ट्रिक सीख सकते हैं। जिन्हें सीखने के बाद आप आसानी से कंपटीशन को क्रेक कर सकते हैं।

डेली जीके हिंदी

डेली जीके हिंदी ऐप के जरिए दुनियाभर में होने वाली घटनाओं की जानकारी दी जाती है। यह ऐप काफी हद तक किसी न्यूज वेबसाइट की तरह काम करती है। इसमें मनोरंजन, राजनीति, विज्ञान, भूगोल और गणित जैसे कई सवालों के विकल्प मौजूद हैं। डेली जीके हिंदी ऐप के जरिए विश्वभर में होने वाले घटनाक्रमों की पूरी जानाकरी मिल जाती है। एस ऐप में आप क्विज भी खेल सकते हैं। किसी विषय में कितनी जानकारी है इस ऐप की मदद से आप यह भी जान सकते हैं।

ऑनलाइन तैयारी जीके एग्जाम ऐप

कम्पीटीटिव एग्जाम को पास करने के लिए ऑनलाइन तैयारी जीके एग्जाम ऐप में सामान्य ज्ञान, समसामयिकी और अंग्रेजी की शानदार जानकारी दी गई है। इस ऐप पर जो भी जानकारी मौजूद है वह एसएससी, आईबीपीएस व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के हिसाब से बेहद कारगर साबित हो रही है। ऑनलाइन तैयारी जीके एग्जाम ऐप की सबसे खास बात यह है कि इसमें कई मॉक टेस्ट सीरीज दी गई हैं। इन टेस्ट सीरीज की मदद से छात्र खुद प्रतियोगी परीक्षा का अभ्यास घर बैठे ही कर सकते हैं।

जीके फॉर आईएएस एसएससी एंड आईबीपीएस एग्जाम

जीके फॉर आईएएस एसएससी एंड आईबीपीएस एग्जाम ऐप के जरिए इच्छुक छात्र संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं की तैयारी भी शुरू कर सकते हैं। इस ऐप में मॉक टेस्ट, क्वेश्चन बैंक और डेली न्यूज का विकल्प दिया गया है। किस राज्य में क्या चल रहा है उससे जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी इस ऐप पर होती है। इस ऐप के जरिए आप ऑनलाइन भी दोस्तों से सवाल जवाब कर सकते हैं। इस ऐप में हर रोज खबरों को अपडेट किया जाता है जिससे आप वर्तमान में चल रही सभी घटनाओं पर नजर रख सकते हैं।



कोर्स ऐसे जो रोज़गार दिलाएं

रेगुलर कॉलेजों में पढ़ाई के साथ-साथ रोज़गारपरक स्किल सिखाने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के एडल्ट एजुकेशन डिपार्टमेंट ने अपने यहां तरह-तरह के शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू किए हैं। इनमें कोई समाज कार्य से जुड़ा है तो कोई स्वास्थ्य और खेल के क्रियाकलापों से। कोई शैक्षिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण कड़ी साबित होने की ट्रेनिंग देता है तो कोई समाज में भूले-भटके और दिशाहीन लोगों को राह दिखाने की। तीन माह की अवधि वाले ये सर्टिफिकेट कोर्स थ्योरी और प्रैक्टिकल, दोनों से लैस हैं। इनमें दाखिले की प्रक्रिया जारी है।

वोलंटियर मैनेजमेंट

यह कोर्स सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर भाग लेने वाले वोलंटियर्स को तैयार करता है। आज देश से लेकर विदेश तक तरह-तरह की संस्थाएं चल रही हैं। उन्हें अपने कार्यों को सही तरीके से अंजाम देने के लिए फील्ड में काफी संख्या में वोलंटियर्स की ज़रूरत पड़ती है। इसके लिए उन्हें ऐसे युवाओं की आवश्यकता होती है, जो इस कार्य में दक्ष हों। वोलंटियर मैनेजमेंट ऐसे ही छात्रों को तैयार करता है। वोलंटियर क्या है। उसका रोल क्या है। अपने कार्यों को किस ढंग से अंजाम तक पहुंचाना है, ये चीज़ें इस कोर्स में बताई जाती हैं।

स्पोर्टस एंड मेडिसिन

यह कोर्से स्पोर्ट्स मेडिसिन के बारे में छात्रों को जागरूक करता है। खेलकूद के दौरान फिज़ियोथेरेपिस्ट के साथ कैसे मददगार बनें, इसकी ट्रेनिंग इस कोर्स के तहत दी जाती है। विभाग के शिक्षक डॉ. राजेश ने बताया कि पैरामेडिकल वर्कर के रूप में काम करने के लिए यह कोर्स युवाओं को तैयार करता है। इसमें छात्र डॉक्टर नहीं, बल्कि उसके हेल्पर के रूप में काम करते हैं। चाहे वह कॉमनवेल्थ गेम हो या कोई और नेशनल गेम, ऐसे वर्करों की सदा ज़रूरत पड़ती है।

काउंसलिंग एंड गाइडेंस

यह कोर्स छात्रों को करियर की राह में मार्गदर्शक बनने की ट्रेनिंग देता है। शिक्षा का क्षेत्र हो या खेलकूद, मनोविज्ञान का मामला हो या वोकेशनल ट्रेनिंग का, आज हर जगह काउंसलिंग की ज़रूरत पड़ रही है। इसमें छात्रों को एक दक्ष परामर्शदाता बनने का हुनर सिखाया जाता है। यूजीसी ने 11वें प्लान में विभिन्न शिक्षण संस्थानों में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर खोलने की योजना तैयार की है। इस तरह के सेंटर पर काउंसिलिंग के लिए ऐसे युवाओं की ज़रूरत रहेगी।

स्पोर्ट्स एंड साइंस जर्नलिज़्म

यह कोर्स पत्रकारिता के अंतर्गत स्पेशलाइज्ड यानी किसी विशेष क्षेत्र में जाने की आधारभूत ट्रेनिंग देता है। छात्रों को इस क्षेत्र में कैसे काम करना है, कैसे अपनी पहचान बनानी है और इसके लिए क्या-क्या तरकीबें अपनानी हैं, इसकी जानकारी प्रदान करता है।



बेहतर करियर विकल्प के रूप में विकसित हो रहा है पैराग्लाइडिंग

आसमां में उड़ने की चाहत ने पैराग्लाइडिंग का दायरा काफी बढ़ा दिया है। पिछले कुछ समय से युवाओं में पैराग्लाइडिंग को लेकर गजब का क्रेज देखा जा रहा है। बात चाहे समर वेकेशन की हो या फिर किसी अन्य मौके पर दो-तीन दिनों की छुट्टियों की, युवाओं की पहली पसंद होती है पैराग्लाइडिंग करना। इन्हें जब भी मौका मिलता है, आसमां की सैर करने के लिए निकल पड़ते हैं। युवाओं की इसी पसंद ने इस क्षेत्र को एक बेहतर करियर विकल्प के रूप में विकसित कर दिया है।



खुले आसमां में पंछियों की तरह उड़ना किसे अच्छा नहीं लगता। सभी की चाहत होती है कि काश वे भी पंछियों की तरह आसमां की सैर कर सकें। वायुयान ने आसमां में उड़ने की सुविधा तो मुहैया कराई, लेकिन इसमें वह मजा कहां, जो अपने पंखों पर बगैर किसी रोक-टोक के उड़ने में है। आसमां में उड़ने की लोगों की इसी चाहत ने पैराशूट को जन्म दिया। पैराशूट में आप अपने मनमुताबिक आसमां की सैर कर सकते हैं, धरती से हजारों फुट ऊपर से धरती को निहार सकते हैं और बादलों के साथ काफी करीब से आसमां को अनुभव कर सकते हैं। पैराशूट के सहारे आसमां और बादलों की सैर करना ही पैराग्लाइडिंग है। आसमां में उड़ने की चाहत ने पैराग्लाइडिंग का दायरा काफी बढ़ा दिया है। पिछले कुछ समय से युवाओं में पैराग्लाइडिंग को लेकर गजब का क्रेज देखा जा रहा है। बात चाहे समर वेकेशन की हो या फिर किसी अन्य मौके पर दो-तीन दिनों की छुट्टियों की, युवाओं की पहली पसंद होती है पैराग्लाइडिंग करना। इन्हें जब भी मौका मिलता है, आसमां की सैर करने के लिए निकल पड़ते हैं। युवाओं की इसी पसंद ने इस क्षेत्र को एक बेहतर करियर विकल्प के रूप में विकसित कर दिया है।

पैराग्लाइडिंग के लिए जरूरी है इंस्ट्रक्टर

पैराग्लाइडिंग एक ऐसा एडवेंचरस गेम है, जिसे बगैर ट्रेनिंग और गाइडेंस के नहीं किया जा सकता। पैराग्लाइडिंग करने के लिए सही ट्रेनिंग और गाइडेंस की अत्यधिक जरूरत पड़ती है। युवाओं को पैराग्लाइडिंग की ट्रेनिंग और उसके गूढ़ रहस्यों के बारे में बताने का काम करते हैं पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर। आज के समय में जिस तेज रफ्तार से युवाओं में पैराग्लाइडिंग का क्रेज बढ़ता जा रहा है, उस अनुपात में कुशल इंस्ट्रक्टरों की काफी कमी है। अत- युवाओं के करियर के लिहाज से भी यह क्षेत्र काफी उज्ज्वल संभावनाओं से भरा है।

कैसे हासिल करें मुकाम

पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर बनने के लिए देशभर में कई संस्थान पाठयक्रम संचालित कर रहे हैं। 10वीं या 12वीं के बाद वहां से कोर्स और उचित ट्रेनिंग लेकर आप इंस्ट्रक्टर बन सकते हैं, पर कोर्स और ट्रेनिंग के साथ-साथ पैराग्लाइडिंग का नियमित अभ्यास बेहद जरूरी है। जब तक आप खुद एक कुशल पैराग्लाइडर नहीं बन जाते, तब तक किसी और को प्रशिक्षित करना बेहद मुश्किल है।

क्या करते हैं इंस्ट्रक्टर

इंस्ट्रक्टर का मुख्य काम नए पैराग्लाइडर को इंस्ट्रक्शन देना होता है। पैराग्लाइडिंग से संबंधित बारीकियों के बारे में बताना और उनके बारे में सही ट्रेनिंग देकर किसी भी आम इंसान को आसमां में उडम्ने के लिए तैयार करने का काम पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर ही करते हैं। ग्राउंड लेवल ट्रेनिंग से लेकर 100 फुट से 1000 फुट की ऊंचाई में उडम्ने का अभ्यास कराना और निडर होकर आकाश में उडम्ने के काबिल बनाना एक कुशल इंस्ट्रक्टर के अलावा कोई अन्य कर ही नहीं सकता।

स्किल्स

एडवेंचर करने की चाहत साहसी और निडर मेंटली और फिजिकली फिट मौसम और पर्यावरण की समझ लोगों को गाइड करने की क्षमता विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य और समझ से काम लेने की शक्ति आदि।

वेतन

शुरुआती दिनों में पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर को 15 से 20 हजार रुपए प्रतिमाह मिलते हैं, लेकिन अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आमदनी का दायरा बढ़ता ही चला जाता है। अनुभव हासिल करने के बाद आप चाहें तो किसी हिलस्टेशन या टूरिस्ट प्लेस के एरिया में अपना ट्रेनिंग स्कूल भी खोल सकते हैं, जहां पैराग्लाइडिंग प्रेमियों को 3 दिन से 5 दिन की बिगनर्स ट्रेनिंग देकर उन्हें उडम्ने के काबिल बना सकते हैं। अपना ट्रेनिंग स्कूल खोलने पर अपने मनमुताबिक काम कर सकते हैं और सीखने वालों की संख्या बढ़ने पर लाखों रुपये प्रतिमाह तक कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीटयूट ऑफ पैराग्लाइडिंग एंड पैरामोटरिंग, पुणे
- निर्वाण एडवेंचर्स एयरप्ले पैराग्लाइडिंग स्कूल,
- पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया, गोवा
- इंडस पैराग्लाइडिंग स्कूल, कमशेट, मुंबई
- अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीटयूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड पैराग्लाइडिंग



चीन बनाना चाहता है भारत के साथ जोड़ी



नई दिल्ली, एजेंसी। चीन ने भारत के साथ औद्योगिक सहयोग बढ़ाने की अपील की है। यह तब है जब पश्चिमी देश चीन पर दबाव बना रहे हैं। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स का कहना है कि भारत की आत्मनिर्भरता की कोशिशें चीन के लिए खतरा नहीं, बल्कि आपसी फायदे का मौका हैं। पश्चिमी मीडिया भारत की मैन्युफैक्चरिंग (सामान बनाने) की महत्वाकांक्षाओं को चीन के लिए चुनौती के तौर पर पेश कर रहा है। लेकिन, ग्लोबल टाइम्स का मानना है कि भारत और चीन की ताकतें एक-दूसरे की पूरक हैं, विरोधी नहीं। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब पश्चिमी देश चीन से सप्लाई चेन को हटाकर भारत को नए मैन्युफैक्चरिंग हब के तौर पर देख रहे हैं। ग्लोबल टाइम्स ने हाल ही में सीएनबीसी की एक रिपोर्ट का जिक्र किया। इस रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत ने इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट (पुर्जे) बनाने के लिए 2.7 अरब डॉलर के एक प्रोग्राम के तहत 62.6 करोड़ डॉलर की सात नई परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं का मकसद स्मार्टफोन और मेडिकल डिवाइस के लिए कैमरा मॉड्यूल, मल्टी-लेयर्ड प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी) और हाई-डेंसिटी पीसीबी बनाना है। इससे भारत की आयात पर निर्भरता कम होगी, खासकर चीन से। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, ये नई सुविधाएं भारत की घरेलू पीसीबी मांग का 20 प्रतिशत और कैमरा मॉड्यूल सब-असेंबली की 15 प्रतिशत जरूरतें पूरी कर सकती हैं। इनमें से लगभग 60 प्रतिशत उत्पादन निर्यात के लिए होगा। ग्लोबल टाइम्स का तर्क है कि इन विकासों को जीरो-सम (एक का फायदा, दूसरे का नुकसान) के नजरिए से देखना बड़ी तस्वीर को नजरअंदाज करना है। अखबार ने कहा, औद्योगिक उन्नति हमेशा अलगाव के बजाय सहयोग और विशेषज्ञता से प्रेरित रही है। इसने इस बात पर जोर दिया कि भारत का मैन्युफैक्चरिंग को बेहतर बनाना अलगाव पैदा करने के बजाय अंतरराष्ट्रीय सहयोग की मांग को बढ़ाता है। ग्लोबल टाइम्स ने बताया कि चीन के पास व्यापक सप्लाई चेन इकोसिस्टम (सामान की सप्लाई का पूरा तंत्र) और उन्नत मैन्युफैक्चरिंग तकनीक है। वहीं, भारत के पास एक बड़ा उपभोक्ता बाजार और कुशल श्रमिक आधार है। ये ताकतें स्वाभाविक रूप से पूरकता के लिए जगह बनाती हैं। अखबार ने सुझाव दिया कि चीनी और भारतीय कंपनियों के बीच गहरे जुड़ाव से भारत के मैन्युफैक्चरिंग लक्ष्यों को तेजी से हासिल किया जा सकता है।

अपने विदेशी मुद्रा भंडार में भारी कमी, सोने का भंडार भी घट गया!

मुंबई, एजेंसी। अपने विदेशी मुद्रा भंडार में भारी कमी हुई है। बीते सप्ताह इसमें 6.93 बिलियन की कमी हुई है। इसी सप्ताह अपने सोने के भंडार में भी 3.01 बिलियन की कमी हुई है। आलोच्य सप्ताह के दौरान अपने फॉरेन करेंसी एसेट में भी 3.86 बिलियन की कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भारत के विदेशी मुद्रा भंडार मं 4.49 बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 24 अक्टूबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 6.93 बिलियन की भारी कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 4.496 बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना भंडार घट कर 696.73 बिलियन तक गिर गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 बिलियन के रिकार्ड उच्चतम स्तर पर था। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में कमी हुई है।

मंदी की मार झेल रहा चीन का इंजन

● मकानों की बिक्री 42 प्रतिशत तक गिरी ● सरकारी मदद की बढ़ी मांग

नई दिल्ली, एजेंसी।
कभी चीन की अर्थव्यवस्था का इंजन कहे जाने वाला प्रॉपर्टी सेक्टर इन दिनों मंदी की मार झेल रहा है। चीन में घरों की बिक्री में भारी गिरावट आई है। पिछले साल की तुलना में अक्टूबर में मकानों की बिक्री 42 प्रतिशत तक गिर गई। यह गिरावट तब आई है जब सरकार ने प्रॉपर्टी मार्केट को सहारा देने के लिए कुछ कदम उठाए थे। यानी सरकारी मदद भी प्रॉपर्टी मार्केट को सहारा नहीं दे पाई और फेल हो गई।

चीन रियल एस्टेट इंफॉर्मेशन कॉर्पोरेशन के आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में 100 बड़ी प्रॉपर्टी कंपनियों की नए मकानों की बिक्री 35.6 अरब डॉलर रही।



डेवलपर्स को कर्ज चुकाने में मुश्किल

सितंबर और अक्टूबर आमतौर पर प्रॉपर्टी खरीदने के लिए सबसे अच्छे महीने होते हैं। लेकिन साल 2021 में शुरू हुई यह मंदी अभी भी जारी है। कई प्रॉपर्टी डेवलपर्स को अपना कर्ज चुकाने या पहले से बेचे गए मकानों को पूरा करने में मुश्किल हो रही है। ब्याज दरें कम करने, मकान खरीदने के नियमों को आसान बनाने और शहरी गांवों के पुनर्विकास जैसी कई कोशिशें की।

नौकरी न होने से पड़ा असर

ब्लूमबर्ग के मुताबिक चीन का प्रॉपर्टी मार्केट चार साल से भी ज्यादा समय से मुश्किलों का सामना कर रहा है। दूसरी तिमाही से बिक्री लगातार गिर रही है। बड़े शहरों में घर खरीदने के नियमों में थोड़ी ढील दी गई थी, लेकिन इससे लोगों का भरोसा तुरंत नहीं बढ़ा। इसकी एक वजह यह भी है कि चीन में नौकरी का बाजार भी कमजोर हो रहा है, जिससे लोग मकान खरीदने से कतरा रहे हैं। यह पिछले साल के मुकाबले 41.9 प्रतिशत कम है। पिछले महीने बिक्री में थोड़ी स्थिरता आई थी, लेकिन अब यह फिर से गिर गई है। प्रॉपर्टी मार्केट में गिरावट के कारण ज्यादा सरकारी मदद की मांग बढ़ रही है।

रूस पर प्रतिबंधों के बाद नायरा एनर्जी ने बढ़ाया तेल उत्पादन, भारत में 93 प्रतिशत तक बढ़ाई रिफाइनरी क्षमता



नई दिल्ली, एजेंसी। मास्को पर प्रतिबंध के बाद रूस समर्थित भारतीय रिफाइनर नायरा एनर्जी ने अपनी वाडिनार रिफाइनरी में कच्चे तेल के प्रसंस्करण को क्षमता के 90 से 93 फीसदी तक बढ़ा दिया है। इस साल की शुरुआत में यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के बाद परिचालन में कटौती के बाद यह फैसला किया गया है। जुलाई में यूरोपीय संघ के लगे प्रतिबंध के बाद नायरा के भारत में 4 लाख बैरल प्रतिदिन क्षमता वाले संयंत्र में तेल प्रसंस्करण घटकर 70 से 80 फीसदी तक रह गया था। सूत्रों के मुताबिक, तेल प्रसंस्करण घटने से नायरा के तेल निर्यात पर असर पड़ा।साथ ही, इराक और सऊदी अरब जैसे प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं ने कंपनी को कच्चे तेल की बिक्री रोक दी। प्रतिबंधों से पहले नायरा की रिफाइनरी अपनी क्षमता के 104 फीसदी पर चल रही थी। नायरा में रूसी संस्थाओं के पास सर्वाधिक हिस्सेदारी है। इनमें रोसनेफ्ट भी शामिल है, जिसके पास 49.13 फीसदी हिस्सा है। अमेरिका ने रोसनेफ्ट पर भी प्रतिबंध लगाया है। नायरा के कच्चे तेल उत्पादन में हाल ही में तेजी आई है।

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बावजूद भारत के पास बहुत अवसर

भारत को एफटीए वार्ता तेज करने की जरूरत

सुरक्षा नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में कमी के बावजूद, भारत के लिए विश्व वस्तु व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए बहुत सारे अवसर हैं

नई दिल्ली, एजेंसी।
प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के अध्यक्ष एस महेंद्र देव ने निर्यात में विविधता लाने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत तेज करनी चाहिए और अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को अंतिम रूप देने के लिए वाशिंगटन के साथ बातचीत जारी रखनी चाहिए।

प्रथम आईएसआईडीज्ञ40 विशिष्ट व्यक्ति व्याख्यान को संबोधित करते हुए देव ने कहा कि सुरक्षा नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में कमी के बावजूद, भारत के लिए विश्व वस्तु व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए बहुत सारे अवसर हैं।

उन्होंने कहा कि जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, विनिर्माण के लिए भारत की व्यापार नीति एशिया, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका, कुछ विकसित देशों में निर्यात में विविधता लाने, एफटीए को तेज करने और अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखने की होनी चाहिए।

अर्थशास्त्री की टिप्पणी है इस समय अहम

अर्थशास्त्री ने कहा कि नियम-आधारित विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सदैव संरक्षणवाद से बेहतर है। उनकी यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है



क्योंकि अमेरिका भारत पर रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करने का दबाव बना रहा है। अमेरिका ने 22 अक्तूबर को रूस की दो सबसे बड़ी कच्चा तेल उत्पादक कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिए थे और सभी अमेरिकी संस्थाओं और व्यक्तियों के उनके साथ व्यापार करने पर रोक लगा दी थी। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर 25 प्रतिशत का जुर्माना लगाया है। यह अमेरिकी बाजारों में प्रवेश करने वाले भारतीय सामानों पर 25 प्रतिशत के पारस्परिक शुल्क के अतिरिक्त है। कुल मिलाकर, भारतीय सामानों पर अमेरिका में 50 प्रतिशत का अतिरिक्त आयात शुल्क लग रहा है।

2043 तक जीडीपी में भारत की 25 प्रतिशत हिस्सेदारी का अनुमान

उन्होंने कहा कि 1700 ई. में विश्व सकल घरेलू उत्पाद में भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत थी। कुछ अनुमानों से पता चलता है कि 2043 तक विश्व सकल घरेलू उत्पाद में भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत हो जाने की संभावना है। देव ने कहा कि सुधारों के बाद के पिछले तीन दशकों में भारत की औसत वृद्धि दर 6 से 6.5 प्रतिशत प्रति वर्ष रही है।

मध्यम स्तर की विनिर्माण इकाइयों पर जोर

उन्होंने यह भी बताया कि भारत के आकार का कोई भी उभरता हुआ बाजार मजबूत निर्यात वृद्धि के बिना एक दशक या उससे अधिक समय तक 7 या 8 प्रतिशत की दर से नहीं बढ़ा है। देव ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में 200 से 500 श्रमिकों वाली कई मध्यम स्तर की विनिर्माण इकाइयां होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में, अन्य बातों के अलावा, बड़ी समस्या यह है कि अधिकांश कम्पनियां 10 से कम श्रमिकों के साथ काम कर रही हैं और उनका आकार छोटा है। निवेश दर को विकास का चालक बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत को 7 प्रतिशत विकास दर प्राप्त करने के लिए निवेश दर को वर्तमान 31 से 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 34 से 35 प्रतिशत करने की आवश्यकता है। निजी क्षेत्र को भारत में अधिक निवेश करना चाहिए क्योंकि अब दोहरी बैलेंस शीट की कोई समस्या नहीं है।देव ने कहा कि सरकारी पूंजीगत व्यय बढ़ रहा है।

भारतीय युवा ने सिर्फ 16 महीनों में 2 करोड़ रुपये की नेटवर्थ हासिल कर ली

16 महीनों में कमा डाले 20000000 रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी।
29 साल के एक युवा प्रोफेशनल ने हाल ही में रेडिट पर अपनी कहानी शेयर की है। इसे पढ़कर सभी हैरान रह गए हैं। इस भारतीय युवा ने सिर्फ 16 महीनों में 2 करोड़ रुपये की नेटवर्थ हासिल कर ली है। यह कहानी सिर्फ पैसे कमाने की नहीं है, बल्कि यह दिखाती है कि कैसे उन्होंने अपनी जिंदगी में मुश्किलों का सामना किया और पैसे को लेकर अपनी सोच को बदला।

इस शख्स ने एक करोड़ रुपये की कमाई एक साल में की थी। अगले एक करोड़ रुपये की नेटवर्थ बनाने में उसे बहुत कम समय लगा। उसने कहा कि पिछले 16 महीने तो एक रोलर-कोस्टर की तरह रहे। उसने इसका श्रेय अमेरिका के मजबूत शेयर बाजार को दिया, जिसने उसे उम्मीद से थोड़ा पहले ही यह मुकाम हासिल करने में मदद की।

कैसे की इतनी कमाई?

यह युवा काम के सिलसिले में अमेरिका चला गया था। उसने बताया कि अमेरिका में रहने के दौरान उसकी बचत बढ़ी तो जरूर, लेकिन बहुत ज्यादा फर्क नहीं आया। इसकी वजह थी वहां रहने का बहुत ज्यादा



खर्च। उसने कहा, भारत में और अमेरिका में मासिक बचत में बहुत ज्यादा फर्क नहीं है, क्योंकि मैं किराये पर बहुत ज्यादा पैसे देता हूं।

जब एक यूजर ने उससे पूछा कि वह हर महीने कितनी बचत करता है, तो उसने जवाब दिया, मैं हर महीने करीब 5 लाख रुपये बचाता हूं। आजकल यह थोड़ा अनियमित हो गया है। उसने यह भी बताया कि पहला 1 करोड़ रुपया कमाने में उसे करीब तीन साल लगे थे, जब उसने अपने स्टूडेंट लोन चुका दिए थे।

इस युवा प्रोफेशनल ने बताया कि उसकी प्राथमिकताएं कैसे बदलीं, खासकर तब जब उसके परिवार में किसी को एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या हुई। उसने अपने अतीत को याद करते हुए कहा कि दस साल पहले वह 500 रुपये का अस्पताल का बिल भी नहीं दे सकता था, लेकिन आज वह बिना कर्ज में डूबे मेडिकल जरूरतों पर एक करोड़ रुपये तक खर्च कर सकता है। उसने कहा, शुक्र है कि मेरे पास हेल्थ इंश्योरेंस है। जब उससे उसके निवेश के तरीके के बारे में पूछा गया, तो उसने बताया कि उसके पोर्टफोलियो का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा अमेरिकी शेयरों में है, जबकि बाकी पैसा भारतीय संपत्तियों में लगा हुआ है। भारत में उसने म्यूचुअल फंड, शेयर, पीपीएफ और ईपीएफ में निवेश किया है। अमेरिका में उसने शेयर और इंडेक्स फंड में निवेश किया है और कुछ नकदी भी रखी है। अपनी आर्थिक यात्रा का सार बताते हुए उसने कुछ खास बातें बताईं। उसने कहा, पैसा स्थिरता लाता है। कमाओ। और ज्यादा कमाओ। बचाओ। और ज्यादा बचाओ। जब तक जी सकते हो, जियो। तुम्हें कभी पता नहीं चलता कि जिंदगी में क्या आने वाला है।

पीयूष बंसल पर पैसे की बरसात, लेंसकार्ट आईपीओ से होगा 824 करोड़ का मुनाफा!

नई दिल्ली, एजेंसी। आईवियर ब्रांड लेंसकार्ट के 7,278 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पहले दिन तगड़ा रेस्पॉन्स मिला है। इस आईपीओ को पहले दिन शुक्रवार को 1.13 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। ग्रे मार्केट में भी आईपीओ का प्रीमियम 23 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गया है। इससे ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि आईपीओ से निवेशकों को बड़ा मुनाफा होने की उम्मीद है। वहीं, आईपीओ से लेंसकार्ट के संस्थापक और सीईओ पीयूष बंसल भी मालामाल हो सकते हैं। आईपीओ से बंसल को लगभग 824 करोड़ मुनाफा होने वाला है। बता दें कि बंसल ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत 402 प्रति शेयर की ऊपरी कीमत पर 2.05 करोड़ शेयर बेचेंगे। पीयूष बंसल ने ये शेयर मूल रूप से केवल 18.6 प्रति शेयर की औसत कीमत पर खरीदे थे, जिसका अर्थ है कि उन्हें अपने शुरुआती निवेश से 20 गुना से ज्यादा रिटर्न मिलेगा। यह 2000 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न को दिखाता है। लिस्टिंग के बाद बंसल के पास लेंसकार्ट में लगभग 8.78 प्रतिशत हिस्सेदारी बनी रहेगी। एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक लेंसकार्ट आईपीओ में 9,97,61,257 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 11,22,94,482 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं।

आधार को भविष्य की तकनीक के साथ तालमेल में रखने के लिए यूआईडीएआई ने बनाया पैनल

ई दिल्ली, एजेंसी।
ारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ा आधार प्रौद्योगिकी को भविष्य के लिए तैयार करने ए लिए एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ पैनल का गठन केया है। साइबर सुरक्षा खतरों से निपटने के मामले ें आधार को और अधिक लचीला बनाने के लिए ह कदम उठाया गया है। यूआईडीएआई के अध्यक्ष ीलकंठ मिश्रा की अध्यक्षता में इसके लिए उच्च तरीय विशेषज्ञ समिति बनाई गई है।

इसमें यूआईडीएआई के सीईओ भुवनेश कुमार, यूटानिक्स के संस्थापक धीरज पांडे, ्मओएसआईपी के इंजीनियरिंग प्रमुख शशिकुमार णेशन, ट्राइलीगल पार्टनर राहुल मथान, अमृता ूनिवर्सिटी के प्रोफेसर प्रभाकरण पूर्णचंद्रन, मिशिगन टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अनिल जैन, ूआईडीएआई के उप महानिदेशक अभिषेक कुमार सिंह, सर्वम एआई के सह-संस्थापक विवेक राघवन और आईआईटी जोधपुर के प्रोफेसर मयंक वत्स ामिल हैं।

तेजी से बदलते तकनीकी और नियामक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए, यूआईडीएआई ने एक नए आधार विजन 2032 ढांचे के जरिए आधार के विकास के अगले दशक को आकार देने के लिए एक व्यापक रणनीतिक और तकनीकी समीक्षा शुरू की है। स महत्वाकांक्षी बदलाव की राह दिखाने के लिए यूआईडीएआई ने अध्यक्ष नीलकंठ मिश्रा की अगुवाई में एक उच्च-स्तरीय विशेषज्ञ समिति बनाई है।

बयान में कहा गया है कि विजन 2032 रोडमैप



में न केवल आधार के तकनीकी नेतृत्व को बनाए रखने पर ध्यान दिया जाएगा, बल्कि एक सुरक्षित, समावेशी और जन-केंद्रित डिजिटल पहचान के रूप में इसकी भूमिका को भी मजबूत किया जाएगा। समिति आधार विजन 2032 दस्तावेज विकसित करेगी, जिसमें भारत के डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम और गोपनीयता एवं साइबर सुरक्षा के उभरते वैश्विक मानकों के अनुरूप अगली पीढ़ी के आधार आर्किटेक्चर के लिए रूपरेखा तैयार की जाएगी। बयान में कहा गया है, ÷आधार विजन 2032 फ्रेमवर्क आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ब्लॉकचेन, क्वांटम कंप्यूटिंग, एडवांस्ड एन्क्रिप्शन और अगली पीढ़ी के डेटा सुरक्षा तंत्र जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का लाभ उठाने पर केंद्रित होगा। ये सुनिश्चित करेंगे।

त्योहारी सीजन में शेयर बाजार ने रचा नया रिकॉर्ड

निवेशकों की चांदी: बीएसई कंपनियों की पूंजी 19 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी।
त्योहारी सीजन में शेयर बाजार में निवेश करने वालों की बल्ले-बल्ले हो गई है। अक्तूबर में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध कंपनियों की पूंजी 19 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई है। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स में 3,671 अंकों का उछाल रहा। साथ ही, विदेशी निवेशकों ने इस दौरान 14,610 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। स्टॉक एक्सचेंज और डिपॉजिटरीज के आंकड़ों के मुताबिक, 30 सितंबर को बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों की पूंजी 451.44 लाख करोड़ रुपये थी, जो 31 अक्तूबर को बढ़कर 470 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई। एक अक्तूबर को यह 455.34 लाख करोड़ रुपये और एक जनवरी को 444.43 लाख करोड़ रुपये थी। 29 अगस्त को

बिकवाली से सेंसेक्स 466 अंक टूटा



443.65 लाख करोड़ रुपये थी। यानी इस साल जनवरी से लेकर अगस्त तक बाजार पूंजी स्थिर रही। सितंबर और अक्तूबर में पूंजी में तेजी का एक प्रमुख कारण नई कंपनियों की लिस्टिंग रही है। साथ ही, विदेशी निवेशकों ने भी वापसी की है। अक्तूबर में कुल 17 कंपनियों के शेयर सूचीबद्ध हुए। इनकी कुल पूंजी 31 अक्तूबर तक 3.20 लाख करोड़ रुपये रही। इनमें से अकेले टाटा कैपिटल और एलजी इंडिया की पूंजी 2.52 लाख करोड़ रुपये रही।

त्योहारी खरीदारी का बाजार पर असर

बीएसई सेंसेक्स इस महीने 3,671 अंक उछलकर 84,000 के करीब बंद हुआ। हालांकि, यह इस हफ्ते की शुरुआत में 85,000 के करीब पहुंच गया था। 30 सितंबर को यह 80,267 पर बंद हुआ था। एक अगस्त को 80,599 पर और जनवरी में 78,507 पर बंद हुआ था। जनवरी की तुलना में सेंसेक्स में 5,000 अंकों से ज्यादा की तेजी आई है। त्योहारी सीजन में खरीदी और बेहतर कारोबार का असर बाजार पर आगे भी दिखेगा। विदेशी निवेशकों की लंबे समय बाद वापसी हुई है। तीन महीने में नई कंपनियों की लिस्टिंग भी हुई है। ऐसे में आने वाले समय में भी बाजार में तेजी रहेगी। जिस तरह से आईपीओ बाजार गुलजार है, उससे पूंजी में इस महीने और अगले महीने अच्छी खासी वृद्धि की संभावना है। निजी बैंकों और धातु कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से शुक्रवार को घरेलू बाजारों में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही।वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच सेंसेक्स 466 अंक गिर गया। निफ्टी में 156 अंक की गिरावट रही। विश्लेषकों ने कहा, बिकवाली के अलावा कंपनियों के मिलेजुले नतीजे और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों पर अस्पष्टता ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।सेंसेक्स 465.75 अंक टूटकर 83,938.71 पर बंद हुआ।दिन में एक समय यह 498.8 अंक तक गिर गया था।निफ्टी 155.75 अंक की गिरावट के साथ 25,722.10 पर बंद हुआ।

फिडे वर्ल्ड चेस

फिडे विश्व शतरंज कप ट्रॉफी का नाम विश्वनाथ आनंद के नाम पर रखा गया

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रॉफी अनावरण समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और फिडे प्रमुख अर्कडी ड्वोर्कोविच शामिल हुए। फिडे विश्व शतरंज कप की नई ट्रॉफी का नाम शुक्रवार को यहां पांच बार के विश्व चैंपियन भारतीय दिग्गज के सम्मान में



विश्वनाथन आनंद ट्रॉफी रखा गया और एक रंगारंग उद्घाटन समारोह के दौरान इसका अनावरण किया गया। ट्रॉफी अनावरण समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और फिडे प्रमुख अर्कडी ड्वोर्कोविच शामिल हुए। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने कहा, ''शतरंज के बादशाह और भारत के पहले ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद के सम्मान में स्थापित फिडे विश्व कप (ओपन) विजेता रनिंग ट्रॉफी विश्वनाथन आनंद कप की घोषणा करते हुए मुझे बेहद गर्व और खुशी हो रही है।''

क्रिकेट के मैदान में फिर आमने-सामने होंगे भारत-पाकिस्तान

दोहा (कतर), एजेंसी। एशियन क्रिकेट काउंसिल के राइजिंग स्टार्स टी-20 टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच 16 नवंबर को मुकाबला होगा। टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को दो ग्रुप की घोषणा की। ग्रुप ए में अफगानिस्तान, बंगलादेश, हांगकांग और श्रीलंका हैं, जबकि ग्रुप बी में भारत,



ओमान, पाकिस्तान और यूएई हैं। 14 नवंबर से पाकिस्तान और ओमान मैच से इस टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। भारत और पाकिस्तान के बीच 16 नवंबर को मैच खेला जायेगा। यह सितंबर में हुए सीनियर एशिया कप के बाद भारत और पाकिस्तान की पुरुष टीमों के बीच पहला क्रिकेट मैच होगा। यह टूर्नामेंट 14 नवंबर से 23 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान 14 से 19 नवंबर तक प्रत्येक दिन दो मुकाबले होंगे। इसके बाद 21 नवंबर को सेमीफाइनल तथा 23 नवंबर को खिताबी भिड़ंत होगी।

बैडमिंटन

उन्नति सेमीफाइनल में, लक्ष्य-जॉर्ज और आयुष का हाइलो ओपन में अभियान समाप्त

सारब्रकेन (जर्मनी), एजेंसी। विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर काबिज उन्नति ने चौथी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की सियांग टी लिन को 47 मिनट में 22-20, 21-13 से हराकर उलटफेर किया जिससे भारतीय शटलर ने इस साल मई में मलेशिया



मास्टर्स में इसी प्रतिद्वंद्वी से मिली हार का बदला ले लिया। भारतीय शटलरों के लिए शुक्रवार को हाइलो ओपन में दिन मिला-जुला रहा जिसमें उभरती हुई स्टार उन्नति हुड्डा सेमीफाइनल में पहुंच गई लेकिन लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और किरण जॉर्ज तीनों का अभियान पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में हार के साथ समाप्त हुआ। विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर काबिज उन्नति ने चौथी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की सियांग टी लिन को 47 मिनट में 22-20, 21-13 से हराकर उलटफेर किया जिससे भारतीय शटलर ने इस साल मई में मलेशिया मास्टर्स में इसी प्रतिद्वंद्वी से मिली हार का बदला ले लिया।

दबंग दिल्ली बनी चैंपियन



प्रो कबड्डी लीगः फाइनल में पुणेरी पल्टन को 31-28 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 का फाइनल मुकाबला दिल्ली के त्यागराज इंडोर स्टेडियम में दबंग दिल्ली और पुणेरी पल्टन के बीच खेला गया। बेहद रोमांचक रहे इस फाइनल मुकाबले में दबंग दिल्ली ने पुणेरी पल्टन को 31-28 से हराकर खिताब पर अपना कब्जा जमाया। खिताब जीत के साथ ही दबंग दिल्ली पटना पाइरेट्स और जयपुर पिंक पैंथर्स के क्लब में शामिल हो गई है। पटना और जयपुर कई बार चैंपियन रह चुकी हैं। दबंग दिल्ली का यह दूसरा पीकेएल खिताब है। दबंग दिल्ली के कोच जगिंदर नरवाल ने मनप्रीत सिंह के बाद कोच और कप्तान दोनों की भूमिका निभाते हुए पीकेएल ट्रॉफी जीतने वाले दूसरे व्यक्ति बने। मुकाबले की शुरुआत में पुणेरी पल्टन ने असलम इनामदार की मदद से पहला अंक हासिल किया।

रेडर आशु मलिक और नीरज नरवाल के प्रयासों की बदौलत दबंग दिल्ली ने जल्द पुणेरी पर 6-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद पुणेरी पल्टन ने सुपर टैकल की बदौलत दमदार वापसी की और पहले क्वार्टर में स्कोर 8-6 हो गया। दबंग दिल्ली ने पंद्रहवें मिनट में पल्टन को मैच का पहला ऑल-आउट देकर अपनी बढ़त 14-8 कर ली। पुणेरी ने दूसरे क्वार्टर में फिर प्रभावशाली वापसी की। पंकज मोहिते और आदित्य शिंदे की बदौलत पुनेरी ने अंतर कम करने की कोशिश की, लेकिन अजित और नीरज की अगुवाई में पहले हाफ का अंत दिल्ली ने 20-14 की बढ़त पर किया।

दूसरे हाफ में दिल्ली ने मजबूत रक्षापंक्ति का प्रदर्शन करते हुए अपनी बढ़त बरकरार रखी। वहीं पुणे ने कुछ रक्षात्मक चालें चलीं, लेकिन दिल्ली ने अपनी रणनीतियों की बदौलत तीसरे क्वार्टर का अंत 24-18 की बढ़त के साथ किया। चौथे और अंतिम क्वार्टर में, दबंग दिल्ली ने अपनी बढ़त बरकरार रखी। पुणेरी पल्टन ने 37वें मिनट में दबंग दिल्ली को पहली बार ऑल-आउट करने पर मजबूर करके अंतर को तीन अंकों तक कम कर दिया।

आदित्य शिंदे के शानदार प्रयासों के बावजूद, दबंग दिल्ली ने फजल अत्राचली के आखिरी मिनट में किए गए अहम टैकल की बदौलत पुणेरी पल्टन को तीन अंकों के मामूली अंतर से हराकर अपना दूसरा खिताब जीता। पीकेएल का ये 12वां सीजन था, पूर्व में दिल्ली 8वें सीजन में चैंपियन रही थी।

महिला विश्व कप फाइनल

भारत- साउथ अफ्रीका आमने-सामने

खिताबी जंग आज

कौन बनेगा मालामाल? देखें टूर्नामेंट में किसे मिलेगी कितनी प्राइज मनी

महिला वर्ल्ड कप 2025 अब अपने आखिरी स्टेज पर पहुंच गया है। फाइनल मुकाबला रविवार 2 नवंबर को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले के बाद दुनिया को महिला क्रिकेट में एक नया चैंपियन मिलने वाला है। इस बार महिला विश्व कप की विजेता टीम अत्यधिक मालामाल होने वाली है। क्योंकि पिछले संस्करण के मुकाबले इस बार इनामी राशि 297 प्रतिशत बढ़ गई है।



मुंबई। आपको बता दें कि पिछले संस्करण में प्राइज मनी 1.32 मिलियन अमेरिकी डॉलर (11.65 करोड़ रुपये) थी। मगर इस बार इसमें भारी उछाल आ गया है। इस बार उपविजेता टीम को भी इससे कहीं ज्यादा रकम मिलने वाली है। वहीं विजेता टीम मालामाल हो जाएगी। जय शाह की अध्यक्षता में आईसीसी ने इस प्राइज मनी का सितंबर 2025 में ऐलान किया था।

पुरुष विश्व कप से भी आगे महिला वर्ल्ड कप 2025

महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप 2023 की पुरस्कार राशि से भी काफी ज्यादा है। पुरुष विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि 10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.26 करोड़ रुपये) थी। जबकि मौजूदा महिला वर्ल्ड कप की कुल पुरस्कार राशि 122 करोड़ से भी ज्यादा की है। यानी इस बार टूर्नामेंट में 122 करोड़ से ज्यादा की रकम दांव पर है।



महिला वर्ल्ड कप 2025
किसे मिलेगी कितनी रकम?



- विजेता टीम : 4.48 मिलियन यूएस डॉलर्स (39.77 करोड़ रुपए)
- उप विजेता टीम : 2.24 मिलियन यूएस डॉलर्स (19.88 करोड़ रुपए)
- सेमीफाइनल में हारने वाली टीमें : 1.12 मिलियन यूएस डॉलर्स (9.94 करोड़ रुपए)
- 5वें और छठे स्थान की टीमें : 7 लाख यूएस डॉलर्स प्रत्येक टीम (6.17 करोड़ रुपए)
- **7वें और 8वें स्थान की टीमें :** 2.80 लाख यूएस डॉलर्स प्रत्येक टीम (2.5 करोड़ रुपए)
- **हर टीम के लिए :** 2.5 लाख यूएस डॉलर्स (सभी टीमों को अलग से) (2.20 करोड़ रुपए)
- एक ग्रुप मैच जीतने पर : 34,314 यूएस डॉलर्स (30 लाख रुपए)

टी20 सीरीजः

वेस्टइंडीज की लगातार तीसरी जीत, बांग्लादेश का घर में सूपड़ा साफ

चटगांव, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज जीत ली है। मेजबान बांग्लादेश को शुक्रवार को चटगांव में खेले गए तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज ने 5 विकेट से हराकर 3 मैचों की सीरीज 0-3 से अपने नाम की। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। सलामी बल्लेबाज तंजीद हसन को छोड़कर बांग्लादेश का कोई भी बल्लेबाज वेस्टइंडीज के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। तंजीद ने 62 गेंद पर 4 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 89 रन बनाए। वह आठवें विकेट के रूप में 20वें ओवर की पहली गेंद पर आउट हुए। दूसरे श्रेष्ठ स्कोरर सैफ हसन रहे। सैफ ने 22 गेंद पर 23 रन बनाए। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका। पूरी टीम 20 ओवर में 151 पर सिमट गई। वेस्टइंडीज के लिए रोमारियो शेफर्ड ने 3, जेसन होल्डर और खेरी पियरे ने 2-2 और अकील होसेन और रोस्टन चेज ने 1-1 विकेट लिए। इस मैच में वेस्टइंडीज की कप्तानी शाई होप की जगह रोस्टन चेज ही कर रहे थे।



खत्म हो सकता है इंतजार

एक-दो दिन में भारत पहुंच सकती है एशिया कप ट्रॉफी

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड को उम्मीद है कि एशिया कप विजेता ट्रॉफी 'एक या दो दिन में' मुंबई स्थित उसके मुख्यालय पहुंच जाएगी लेकिन अगर हालात में कोई प्रगति नहीं होती है तो भारतीय बोर्ड चार नवंबर को इस मामले को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषदके समक्ष उठाएगा। भारत ने दुबई में हुए फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर एशिया कप जीता लेकिन पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। वह एशियाई क्रिकेट परिषद और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। यह तब हुआ जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दोनों देशों के बीच विवाद के कारण अपने पाकिस्तानी समकक्ष से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। नकवी पहले ही बता चुके हैं कि ट्रॉफी भारत को सौंपी जा सकती है लेकिन इसे वह स्वयं प्रदान करेंगे। एशिया कप जीत के एक महीने से ज्यादा समय बाद भी बीसीसीआई अब भी आधिकारिक तौर पर ट्रॉफी सौंपे जाने का इंतजार कर रहा है। बीसीसीआई के संयुक्त सचिव देवजीत सैकिया ने विशेष बातचीत में कहा, 'जिस तरह से एक महीने बाद भी हमें ट्रॉफी नहीं दी गई है, उससे हम थोड़े नाखुश हैं। हम इस मामले को आगे बढ़ा रहे हैं। लगभग 10 दिन पहले भी हमने बीसीसीआई के अध्यक्ष को एक पत्र लिखा था लेकिन उनके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है।' उन्होंने कहा, 'अब भी ट्रॉफी उनके पास है, लेकिन हमें उम्मीद है कि एक-दो दिन में यह ट्रॉफी मुंबई स्थित बीसीसीआई कार्यालय में हमारे पास पहुंच जाएगी।' सैकिया ने कहा कि अगर ट्रॉफी जल्द ही नहीं सौंपी गई तो बीसीसीआई चार नवंबर से दुबई में होने वाली बीसीसीआई की तिमाही बैठक में इस मुद्दे को उठाएगा। बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर ट्रॉफी वापस करने का अनुरोध किया है लेकिन नकवी कथित तौर पर अपने रुख पर



अड़े हुए हैं और सुझाव दे रहे हैं कि भारतीय खिलाड़ी भविष्य में किसी कार्यक्रम में इसे व्यक्तिगत रूप से ले लें क्योंकि अभी तक कोई औपचारिक समाधान नहीं हुआ है। आईसीसी

अश्विन का फूटा गुस्सा, इस खिलाड़ी को टीम से बाहर रखने पर उठाए सवाल

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में मिचेल मार्श की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को 4 विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। लेकिन इस मुकाबले के बाद टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन को लेकर एक बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ है- अर्शदीप सिंह को आखिर क्यों बाहर रखा गया? भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने सूर्यकुमार यादव और हेड कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि अर्शदीप जैसे गेंदबाज को लगातार बेंच पर बैठाना समझ से परे है।



अश्विन ने जताई नाराजगी

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'अगर बुमराह टीम में हैं, तो उनके बाद आपके दूसरे तेज गेंदबाज के रूप में अर्शदीप सिंह का नाम सबसे पहले होना चाहिए।

और अगर बुमराह नहीं खेल रहे, तो अर्शदीप को पहला विकल्प होना चाहिए। मुझे समझ नहीं आता कि अर्शदीप को बार-बार इस टीम से कैसे बाहर रखा जा रहा है।' टीम प्रबंधन, जिसकी अगुवाई गौतम गंभीर कर रहे हैं, बल्लेबाजी में गहराई को तरजीह देता आ रहा है। लेकिन इसका असर गेंदबाजी विभाग पर पड़ रहा है — और इसी कारण अर्शदीप, जो भारत के सबसे सफल टी20 गेंदबाजों में से एक हैं, लगातार बेंच पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। अर्शदीप के नाम अब तक 65 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 101 विकेट हैं, औसत 18.76 के साथ। अश्विन के मुताबिक, इस रिकॉर्ड के बाद भी उन्हें नजरअंदाज करना गलत रणनीति है।

हर्षित राणा पर भी बोले अश्विन- अश्विन ने कहा, 'हर्षित ने ठीक-ठाक बल्लेबाजी की, लेकिन बात यहां उनकी नहीं, अर्शदीप की है। 2024 टी20 वर्ल्ड कप में अर्शदीप ने शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन उसके बाद उन्हें टीम से बाहर ही रखा जा रहा है। इतनी बार बेंच पर बैठने के कारण उनका रिदम भी थोड़ा खो गया है।

बाबर टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनें



नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टी-20 इंटरनेशनल में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराया। पहले टी-20 मैच में जीत दर्ज करने वाली साउथ अफ्रीकी टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 110 रन ही बना सकी। जवाब में पाकिस्तान ने 13.1 ओवर में एक विकेट खोकर 112 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया।

बड़े पर्दे पर दिखेंगी किंग खान की यादगार फिल्में

शाहरुख ने अपने जन्मदिन से पहले फैंस को दिया तोहफा



बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान की फिल्मों ने दशकों से दर्शकों के दिलों पर राज किया है। उनके अभिनय का जादू और स्क्रीन पर मौजूद उनके करिश्माई अंदाज ने उन्हें न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में एक बड़ी पहचान दी है। शाहरुख खान की फिल्मों ने हमें कई बार प्यार, दर्द, हिम्मत और दोस्ती की कहानियों से रूबरू कराया है। उनके करियर में रोमांस, एक्शन, कॉमेडी और ड्रामा, हर तरह की कहानियां शामिल हैं, जो लोगों के दिलों को छू जाती हैं। अब, शाहरुख खान अपने 60वें जन्मदिन की ओर बढ़ते हुए फैंस के लिए एक खास तोहफा लेकर आए हैं। उन्होंने अपने सिनेमा सफर को यादगार बनाने के लिए एक खास फिल्म फेस्टिवल का ऐलान किया है। इस फेस्टिवल का उद्देश्य शाहरुख खान के करियर की सबसे यादगार फिल्मों को बड़े पर्दे पर फिर से पेश करना है। जिस अदाकारी और किरदार ने लोगों के दिलों पर छाप छोड़ी, अब दर्शकों को उन्हें फिर से थिएटर्स में देखने का मौका मिलेगा। शुक्रवार को शाहरुख ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए फेस्टिवल की घोषणा की और कहा कि उनके लिए यह जरूरी नहीं है कि लोग उन्हें कौन मानते हैं या कौन नहीं, बल्कि यह मायने रखता है कि सिनेमा की रोशनी, कैमरा और थोड़ी सी मोहब्बत अभी भी चल रही है। उन्होंने अपने फैंस को इस फेस्टिवल में आने के लिए आमंत्रित किया। वीडियो को पोस्ट करते हुए शाहरुख ने कैप्शन में लिखा, मैं कौन हूं, कौन नहीं... कोई फर्क नहीं पड़ता, जब तक लाइट्स, कैमरा और थोड़ा सा प्यार बरकरार है। आज से पीवीआर आईनॉक्स के सहयोग से देश भर के चुनिंदा सिनेमाघरों में शाहरुख खान फिल्म फेस्टिवल शुरू हो रहा है। फेस्टिवल में शाहरुख की कई हिट फिल्मों को शामिल किया गया है। इनमें कभी हां कभी ना, दिल से, देवदास, मैं हूं ना, ओम शांति ओम, चेन्नई एक्सप्रेस, और उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान शामिल हैं। ये फिल्में भारत में चुनिंदा पीवीआर और आईनॉक्स सिनेमाघरों के साथ-साथ सिनेपोलिस के कुछ स्क्रीन पर दिखाई जाएंगी। इसके अलावा, वाईआरएफ इंटरनेशनल के माध्यम से यह फेस्टिवल मध्य पूर्व, अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में भी प्रदर्शित होगा। शाहरुख खान 2 नवंबर को अपना 60वां जन्मदिन मना रहे हैं, और इस अवसर पर उनके करियर की झलक दिखाने के लिए दो हफ्तों का बड़ा फेस्टिवल आयोजित किया गया है। भारत में यह आयोजन 30 से अधिक शहरों के 75 से ज्यादा सिनेमाघरों में पीवीआर और आईनॉक्स के जरिए किया जाएगा।

एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने बताया सफलता का मंत्र

छोटे हो या बड़े रोल, लगातार करते रहें काम



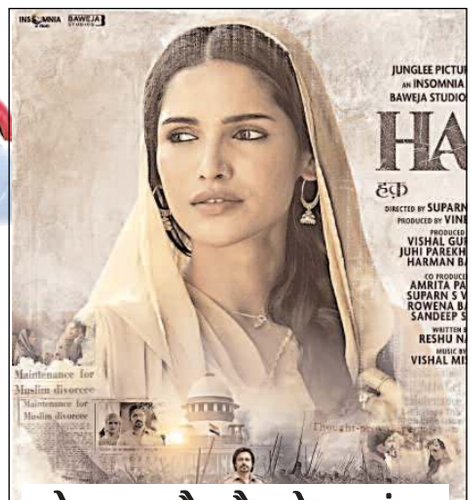
फिल्म इंडस्ट्री हमेशा बदलती रहती है। पहले कलाकारों के लिए बड़ी फिल्म से शुरुआत करना और भव्य लॉन्चिंग जरूरी माना जाता था, लेकिन अब समय बदल गया है। अभिनेत्री श्रद्धा दास का मानना है कि आज के दौर में कलाकारों को अपने टैलेंट, लगातार मेहनत और खुद से बनाए गए अवसरों पर ध्यान देना चाहिए। यही रास्ता है जो किसी भी कलाकार को इंडस्ट्री में टिकने और नाम कमाने में मदद करता है। एक खास इंटरव्यू में श्रद्धा ने कहा कि सफलता पाने का कोई छोटा रास्ता नहीं होता। उन्होंने कहा, मैंने खुद बड़े और छोटे रोल, गाने, दूसरे प्रमुख रोल, सब कुछ करके इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई है। किसी बड़ी फिल्म के भव्य लॉन्च का इंतजार करना अब पुराने जमाने की सोच है। अगर कोई बाहर से आया है तो उसे लगातार काम करते रहना चाहिए, अच्छे प्रोजेक्ट्स को स्वीकार करना चाहिए, लोगों की नजर में बने रहना चाहिए और अपने काम में सुधार करते रहना चाहिए। यही तरीका है जिससे हर कलाकार अपनी मंजिल तक पहुंच सकता है। अपने प्रोजेक्ट्स चुनते समय वह किन चीजों को ध्यान में रखती है, इस सवाल का जवाब देते हुए श्रद्धा ने कहा, मेरे लिए सबसे पहले डायरेक्टर का अनुभव और क्षमता मायने रखती है। इसके बाद मैं प्रोडक्शन हाउस, साथ काम करने वाले अभिनेता और स्क्रिप्ट पर भी ध्यान देती हूं। इसके अलावा मैं खुद से सवाल करती हूं कि स्क्रिप्ट में मेरी भूमिका कितनी मजबूत है और कहानी में कितना योगदान है। यह हमेशा से मेरी प्राथमिकता रही है कि मेरा किरदार कहानी में एक फर्क लाए और मैं यह भी देखती हूं कि प्रोजेक्ट की विजुअल प्रस्तुति कैसी है। श्रद्धा दास की हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज सचः द नैना मर्डर केस को लोगों ने काफी पसंद किया। इसके चलते आईएमडीबी ने उन्हें लोकप्रिय भारतीय सेलिब्रिटी लिस्ट में पहला स्थान दिया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उनका रैंक लगभग 1400 था। फिर फिल्म खाकी के बाद यह बढ़कर 82 हुआ। नैना मर्डर केस के रिलीज के बाद रैंकिंग तेजी से बढ़ी। पहले सप्ताह वह 15वें स्थान पर थीं, दूसरे सप्ताह चौथे स्थान पर और आखिर में वह नंबर 1 पर पहुंच गईं। श्रद्धा ने कहा, मेरे पास कोई पीआर टीम या आईएमबीडी से कोई व्यक्तिगत संपर्क नहीं है। इसलिए यह उपलब्धि मेरे लिए बहुत ही आश्चर्यजनक और उत्साहजनक रही है। लोगों ने मेरे किरदार को वा बहुत आभारी हूं।



इक्क कुड़ी की निर्माता बनने पर बोलीं शहनाज गिल

ये तो शुरुआत है, अभी बहुत कुछ बाकी है

अभिनेत्री, गायिका और अब निर्माता बनीं शहनाज गिल अपनी सादगी, जोश और बेबाक अंदाज के लिए पहचानी जाती हैं। शहनाज ने शुक्रवार को आज अपने करियर में एक नया अध्याय जोड़ा है। बतौर निर्माता फिल्म उनकी पहली फिल्म इक्क कुड़ी आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। यह फिल्म न सिर्फ उनके करियर का अहम मोड़ है, बल्कि उनके दिल के भी बहुत करीब है। शहनाज का कहना है कि ये उनकी अभी शुरुआत है। आगे उन्हें बहुत कुछ करना है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में शहनाज कहती हैं कि इक्क कुड़ी उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावना है। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके जीवन का वह सफर है जिसे वह हमेशा अपने साथ लेकर चलेंगी। इस फिल्म ने उन्हें एक कलाकार के साथ-साथ एक निर्माता के रूप में भी परखा है। निर्माता की जिम्मेदारी संभालने के बारे में शहनाज ने कहा, निर्माता बनने के साथ मेरे ऊपर कई जिम्मेदारियां थीं, कहानी चुनने से लेकर फिल्म की पूरी टीम को संभालने तक। मुझे इक्क कुड़ी की कहानी इतनी पसंद आई कि मैंने तय किया कि इस फिल्म में सिर्फ अभिनय नहीं, बल्कि निर्माण की जिम्मेदारी भी मैं खुद उठाऊंगी। यह फिल्म ऐसी थी जिसे बनाना जरूरी था। शहनाज ने कहा कि उन्होंने इस फिल्म पर एक दांव लगाया है और अब देखना यह है कि दर्शकों की प्रतिक्रिया कैसी मिलती है। शहनाज ने अब तक अपने करियर में कई भूमिकाएं निभाई हैं। वह सिंगर, एक्ट्रेस, रियलिटी शो स्टार और अब प्रोड्यूसर हैं, लेकिन जब उनसे पूछा गया कि अब वह आगे क्या करना चाहती हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, अभी तो मैंने शुरुआत की है, अभी तो बहुत कुछ बाकी है। शहनाज का मानना है कि हर नया अनुभव कुछ सिखाता है और इक्क कुड़ी उनके करियर का सबसे भावनात्मक अध्याय है। उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने कई बार अलग-अलग क्षेत्रों में डेब्यू किया हो, लेकिन वह इस फिल्म को अपना सबसे खास और नजदीकी प्रोजेक्ट मानती हैं।



कोमलता और हौसले का संगम हक़ के पोस्टर में वर्तिका सिंह की गहराई ने जीता दिल

फिल्म हक़ में वर्तिका सिंह का पहला पोस्टर आखिरकार सामने आ गया है और यह बिल्कुल मनमोहक है। हक़ पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया और सुपरमॉडल वर्तिका सिंह को उनके बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड डेब्यू में पेश करता है। जारी किए गए पोस्टर में वर्तिका एक शांत लेकिन गहराई से प्रभावशाली पल में नजर आती हैं मिट्टी के रंगों में लिपटी, उनका चेहरा स्थिर है, पर उनकी आंखों में एक कोमलता और आग दोनों झलकती हैं। यह झलक उनके किरदार की नाजुकता और ताकत दोनों को बयां करती है। अपनी भूमिका के लिए वर्तिका ने कई हफ्तों तक वर्कशॉप्स में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने इमोशनल मेमोरी तकनीकों के ज़रिए किरदार को भीतर से गढ़ा। लखनऊ से ताल्लुक रखने वाली वर्तिका ने फिल्म के कई अहम दृश्य अपने ही शहर में शूट किए। डेब्यू पर वर्तिका सिंह ने कहा, हक़ एक ऐसी कहानी है जिसने मेरे भीतर कुछ गहराई से हिलाया। इस सफर ने मुझे अपने अंदर झाँकने और हर पल में सच्चाई खोजने पर मजबूर किया। मैंने अपने वो हिस्से देखे जिनके बारे में मुझे पहले पता भी नहीं था। मैं जंगली पिक्चर्स की बेहद आभारी हूँ कि उन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे यह मौका दिया। बस यही चाहती हूँ कि यह फिल्म लोगों के दिल तक वैसे ही पहुँचे, जैसे यह मेरे दिल तक पहुँची।



खुशी मुखर्जी ने 'टिप-टिप बरसा पानी' में लगाई हॉटनेस की आग

पहनी ऐसी ट्रांसपेरेंट ड्रेस कि झलका अंग-अंग

खुशी मुखर्जी ने एक बार फिर अपने बोल्ड अंदाज से इंटरनेट पर आग लगा दी है, उनकी यह हॉट तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, क्या आपने देखीं? खुशी मुखर्जी जिन्हें रिवीलिंग ड्रेस पहनना बेहद पसंद है, और हमेशा अपनी इसी पसंद को लेकर वो सुर्खियों में बनी रहती हैं. इस बार भी उन्होंने कुछ ऐसी ड्रेस पहनी है, जिसने लोगों के होश उड़ा दिए हैं. हाल ही में उन्होंने अपने इस लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहीं हैं. उन्होंने अपनी इन तस्वीरों के साथ फैमस सॉन्ग 'टिप टिप बरसा पानी' लगाया है. जिसमें उनकी हॉट और बोल्ड अदाएं लोगों को हैरान कर रही हैं.



खुशी मुखर्जी ने अपनी अदाओं से बढ़ाई गर्मी

इन तस्वीरों के जरिए खुशी मुखर्जी ने अपनी हॉटनेस को और भी बढ़ा दिया है. इस एक्ट्रेस ने एक ट्रांसपेरेंट नेट की ड्रेस पहनकर इंटरनेट पर आग लगा दी है जिसने दर्शकों को पूरी तरह से मंत्रमुग्ध कर दिया है.

इस ड्रेस का डिजाइन लोगों को कर रहा हैरान

खुशी ने नेट की एक सफेद जालीदार ड्रेस पहनी है जो इतनी ट्रांसपेरेंट है, कि एक्ट्रेस की बॉडी का हर हिस्सा साफ झलक रहा है. जिससे उनका बोल्ड अंदाज फिर से सामने आया है. तस्वीरों में दिख रहा उनका कॉन्फिडेंस और 'टिप टिप बरसा पानी' गाने पर उनके शानदार डांस मूव्स उन्हें और भी अट्रैक्टिव बना रहे हैं. लोग उनकी अदाओं पर अपना दिल हार बैठे हैं.

'महाभारत' की कुंती शफक नाज ने रचाई शादी

पति के साथ दिखाईं रोमांटिक तस्वीरें, 2 साल पहले टूट चुकी है सगाई

महाभारत में 'कुंती' के रोल से फेमस हुईं एक्ट्रेस शफक नाज को दोबारा प्यार मिल चुका है। उन्होंने शादी कर ली है। उन्होंने अपने प्यार के साथ फोटोज शेयर की हैं। पहली तस्वीर में, वह शफक को उनके गालों पर चूमते हुए दिखाई दे रहे थे। 2023 में, उन्होंने मस्कट के बिजनेसमैन जीशान के साथ अपने रिश्ते की घोषणा करके सुर्खियां बटोरीं।



शफक नाज एक फेमस टेलीविजन एक्ट्रेस हैं, जो महाभारत, चिड़ियाघर और विक्रम बेताल की रहस्य गाथा जैसे शोज के लिए जानी जाती हैं। जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दें कि शफक का जन्म उत्तर प्रदेश में हुआ था और उन्होंने अपने भाई-बहनों फलक नाज और शीजान खान के साथ एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। हालांकि, शफक ने हमेशा अपनी निजी जिंदगी को निजी रखा है, लेकिन कुछ समय पहले ही इस टीवी एक्ट्रेस ने अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर दिया है। हालांकि शफक ने अपने पार्टनर का नाम नहीं बताया और न ही कैप्शन में कुछ लिखा, लेकिन टेली चक्कर के मुताबिक वह अब शादीशुदा हैं। 31 अक्टूबर, 2025 को, टेलीविजन एक्ट्रेस शफक नाज ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने बायफ्रेंड के साथ मोनोक्रोम तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने अपने साथी के साथ कई कैंडिड फोटोज शेयर कीं और पोस्ट को 'घर' कैप्शन दिया। पहली तस्वीर में, वह शफक को उनके गालों पर चूमते हुए दिखाई दे रहे थे। हालांकि पोस्ट में उस इंसान का नाम नहीं बताया गया था, लेकिन तस्वीरें और कैप्शन साफ मैसेज दे रहे हैं।



मैंने अभी सब कुछ हासिल नहीं किया, लोकप्रियता को लेकर सोनम बाजवा ने जाहिर की अपनी राय

पंजाबी और हिंदी दोनों फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी अभिनेत्री सोनम बाजवा अपने करियर को लेकर हमेशा जमीन से जुड़ी नजर आती हैं। भले ही सोनम आज अपनी लोकप्रियता के चरम पर हों, लेकिन वह खुद इसे पूर्ण सफलता नहीं मानती। वह हमेशा अपनी उपलब्धियों के लिए ईश्वर का धन्यवाद करती हैं। सोनम बाजवा ने अपनी फिल्मी यात्रा और अपने अनुभवों के बारे में आईएएनएस से खुलकर बातचीत की। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें लगता है कि उन्होंने अभी सब कुछ हासिल नहीं किया है। उनके लिए हर दिन मेहनत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अभी मुझे बहुत मेहनत करनी होगी। अगर मैं पंजाब की बात करूं, तो मैंने वहां बहुत सारी फिल्में की हैं। लेकिन हर फिल्म से पहले, मैं उतनी ही उत्साहित होती हूं जितनी साथ ही साथ नर्वस भी होती हूँ। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अभी मुझे बहुत मेहनत करनी होगी। अगर मैं पंजाबी इंडस्ट्री की बात करूं, तो मैंने बहुत सारी फिल्मों में काम किया है, लेकिन हर नई फिल्म से पहले मेरा उतना ही उत्साह होता है जितना मैं नर्वस महसूस करती हूं। उत्साह और नर्वसनेस दोनों ही मेरे काम का हिस्सा हैं और यह मुझे अपने काम को और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करता है। सोनम ने बताया कि वह हमेशा सोचती रहती हैं कि कैसे वह अपने काम को और अच्छा बना सकती हैं, कैसे किसी फिल्म को और सफल बना सकती हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए हर फिल्म एक नई चुनौती होती है और इसे सफल बनाने की कोशिश मेरे काम का अभिन्न हिस्सा है। केवल लोकप्रियता या प्रशंसा से सफलता का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। असली सफलता तब है जब मैं खुद अपने काम से संतुष्ट हूं और लगातार खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करती रहूं। सोनम बाजवा ने आगे कहा, मुझे नहीं पता कि लोग मुझे कैसे देखते हैं, लेकिन मैं अपने काम में काफी आत्मविश्वासी हूं। फिर भी, हमेशा लगता है कि मैं और बेहतर कर सकती थी। हर नई भूमिका मेरे लिए एक चुनौती होती है और मैं इसे पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ निभाती हूं।